सुप्रभात

रांची, शनिवार

17.05.2025

* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, पंचमी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 12 | अंक : 301

12 कांस में जैकलीन ने बिखेरा जलवा

न्यूज डायरी

जेपीएससी अभ्यर्थियों का बेमियादी अनशन खत्म

रांची। जेपीएससी कार्यालय के पास अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया है। ढात्र अपना विरोध जता रहे थे। उनका कहना है कि 10 महीने पहले आयोजित परीक्षा का परिणाम अभी तक नहीं आया है। उनका भविष्य अंधकार में है। डुमरी विधायक जयराम महतो ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का समाधान करवाने के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे।

अब गया नहीं गया जी बोलना होगा, नाम बदला

पटना। एतिहासिक शहर गया अब गया जी के नाम से जाना जायेगा। राज्य सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक में गया का नाम बदलने का फैसला लिया है। शुक्रवार की बैठक में यह फैसला लया गया। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवानों के घरवालों को 50 लाख का अनुग्रह अनुदान देगी।

सिंधु जल पर पाकिस्तान की गुजारिश खारिज

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता तब तक स्थगित रहेगा जब तक वह सीमापार आतंकवाद को समर्थन-संरक्षण देना पूरी तरह समाप्त नहीं कर देता। पाकिस्तान को न केवल इसे समाप्त करना होगा, बल्कि उसके प्रयास भरोसेमंद भी होने चाहिए। पाकिस्तान सरकार की ओर से भेजे गये आग्रह पत्र पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने भारत की स्थिति स्पष्ट कर दी।

हथियारों से भरी पानी टंकी जंगल से बरामद

गिरिडीह। नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों के नक्सलियों के खिलाफ पुलिस और सीआरपीएफ के जवान लगातार कार्रवाई कर रहे है। जिले के नक्सल प्रभावित खुखरा थाना इलाके के चतरो के कानाडीह और गार्दी के घने जंगल मे छिपाकर पानी टंकी में रखे विस्फोटक पदार्थ और हथियारों को पुलिस ने बरामद किया है। बरामद पानी टंकी से हथियार और कारतूस के साथ विस्फोटक पदार्थ जब्त किये गये। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी।

बहू ने ससुर पर लगाया आरोप, बुजुर्ग ने की खुदकुशी

मेदिनीनगर। बहू की ओर से महिला थाने में शिकायत करने के बाद 55 वर्षीय ससुर ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। घटना जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के तेनुडीह गांव के धनीडीह टोला की है। महिला ने अपने ससुर पर प्रताड़ित और मारपीट करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा दिया है। मृतक की पहचान लालमोहन विश्वकर्मा के रूप में हुई है। मृतक की बड़ी बहू शिवानी देवी, पति बीरेंद्र विश्वकर्मा ने महिला थाने में शिकायत दर्ज करायी थी।

कार्टून कोना

रामभद्राचार्य ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित

बीमारी के कारण गीतकार गुलजार सम्मान लेने नहीं आ सके

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां एक समारोह में संस्कृत के प्रकांड विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया। नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति ने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया। प्रख्यात गीतकार गुलजार को भी ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया गया। हालांकि वह अस्वस्थ होने के कारण पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी के साथ साथ ज्ञानपीठ पुरस्कार वाले गीतकार गुलजार को भी बधाई दी। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

साहित्य समाज को जागृत करता है : राष्ट्रपति ने कहा कि साहित्य समाज को जोड़ता और जागृत करता है। उन्होंने कहा कि 19वीं सदी के सामाजिक जागरण से लेकर 20वीं सदी के स्वतंत्रता संग्राम तक, कवियों और लेखकों ने लोगों को जोड़ने में बड़ी भूमिका निभायी है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित -वंदे मातरम- गीत लगभग 150 वर्षों से भारतीयों को जागृत कर रहा है और हमेशा करता रहेगा। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि, व्यास और कालिदास से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर जैसे शाश्वत कवियों की रचनाओं में हम जीवंत भारत की धड़कन महसूस करते हैं जो भारतीयता की आवाज है। राष्ट्रपति ने कहा कि आशापूर्णा देवी, अमृता प्रीतम, महादेवी वर्मा, कुर्रतुल-ऐन-हैदर, महाश्वेता देवी, इंदिरा गोस्वामी, कृष्णा सोबती और प्रतिभा रे जैसी ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता महिला लेखकों ने भारतीय परंपरा और समाज को विशेष संवेदनशीलता के साथ देखा और अनुभव किया है और हमारे साहित्य को समृद्ध किया है। (शेष पेज 11 पर)

दिव्य दृष्टि से असाधारण सेवा की

राष्ट्रपति ने जगतगुरू रामभद्राचार्य के बारे में कहा कि उन्होंने उत्कृष्टता का एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने उनके बहुमुखी योगदान की प्रशंसा की और कहा कि शारीरिक रूप से विकलांग होने के बावजूद उन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से साहित्य और समाज की असाधारण सेवा की है। उन्होंने कहा कि श्री रामभद्राचार्य ने साहित्य और समाज सेवा दोनों ही क्षेत्रों में व्यापक योगदान दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके गौरवशाली जीवन से प्रेरणा लेकर आने वाली पीढ़ियाँ साहित्य सृजन, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण के सही मार्ग पर आगे बढ़ती रहेंगी।

खुशखबरी : मंईयां योजना की 9609 करोड़ राशि जारी

लाभुकों को शीघ्र एक साथ मिलेगी दो माह की राशि

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की महत्त्वपूर्ण सामाजिक योजनाओं में से एक महत्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के लिए खुशखबरी है। जल्द ही पात्र लाभुकों को अप्रैल और मई माह की 5000 रुपये राशि एक साथ खातों में ट्रांसफर की जायेगी। जानकारी के अनुसार महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने इसके लिए 9609 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी है। इस योजना का उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

आधार सीडिंग नहीं तो लाभ नहीं : राज्य सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि जिन लाभुक महिलाओं ने आधार सीडिंग नहीं करवाया है, उन्हें यह राशि नहीं मिलेगी। ऐसे में जिन महिलाओं ने अब तक आधार सीडिंग नहीं करवाया है, उन्हें 5000 रुपये नहीं मिलेंगे। (शेष पेज 11 पर)

5वीं जेपीएससी अपील याचिका सुप्रीम कोर्ट से निष्पादित

दावे पर विचार करने को दो महीने का दिया वक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सुप्रीम कोर्ट ने पांचवीं जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के मामले में अपील पर फैसला सुनाते हुए उसे निष्पादित कर दिया। झारखंड सरकार को चयन प्रक्रिया में उनकी योग्यता के अनुसार नियुक्ति के लिए अपीलकर्ताओं के दावे पर विचार करने का निर्देश दिया। सभी आवश्यक कार्रवाई दो माह के अंदर पूरा करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा है कि अपीलकर्ता सभी परिणामी लाभों अर्थात वरिष्ठता व वेतन निर्धारण (बकाया वेतन के बिना) के हकदार होंगे। हालांकि वे काल्पनिक वेतन निर्धारण के हकदार होंगे। इस स्तर पर यह बताया गया है कि

अपीलकर्ता संख्या-दो अर्थात ज्योति कुमारी ने छठी जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की है और वह पहले से ही प्रखंड विकास पदाधिकारी के रूप में नियुक्त हैं। उन्हें उस पद पर शामिल होने का विकल्प दिया जायेगा, जिसके लिए वह पांचवीं जेपीएससी परीक्षा में अपनी योग्यता के अनुसार पात्र पायी जा सकती हैं, जो हमें सूचित किया गया है कि वह झारखंड प्रशासनिक सेवा में होंगी।

इन्होंने अपील याचिका की थी दायर

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा है कि यदि ऐसा प्रस्ताव उन्हें स्वीकार्य नहीं है, तो उन्हें पांचवीं जेपीएससी परीक्षा के अनुसार नियुक्त माना जाएगा तथा वह वेतन निर्धारण को छोड़ कर किसी अतिरिक्त मौद्रिक लाभ के बिना उस बैच के साथ वरिष्ठता की हकदार होंगी। इससे पूर्व मामले की सुनवाई के दौरान प्रार्थियों की ओर से एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड सुचित्रा पांडेय ने पैरवी की। अपीलकर्ता कपिलदेव हांसदा और ज्योति कुमारी की ओर से अपील याचिका दायर की गयी थी।

भुज एयरबेस से पाक को राजनाथ सिंह का कड़ा संदेश

अभी तो ट्रेलर दिखाये हैं पूरी पिक्चर अभी बाकी है

ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा

एजेंसी

भुज। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पर वायुसैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई सिर्फ सुरक्षा का मामला नहीं है, यह अब राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत का हिस्सा बन गया है और हम आतंकवाद के हर स्वरूप को जड़ से खत्म कर देंगे। रक्षामंत्री ने भुज एयरबेस से पाकिस्तान को कड़ा संदेश भी दिया। उन्होंने साफ किया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। अभी तो हमारी कार्रवाई तो बस एक ट्रेलर थी, अगर जरूरत पड़ी तो हम पूरी तस्वीर दिखायेंगे। आतंकवाद पर हमला करना और उसे खत्म करना नये भारत की नयी सामान्य बात है। उन्होंने पाकिस्तान का

सख्त लहजे में चेताया और कहा, झलक दो दिखा चुके हैं अपनी हरकतों से बाज नहीं आये तो पूरी फिल्म भी हम दिखा देंगे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने प्रभावी भूमिका निभायी जिसकी न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी सराहना हो रही है।

आईएमएफ लोन पर दुबारा सोचे : भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को दी जाने वाली एक अरब डॉलर की सहायता पर शुक्रवार को पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, इस्लामाबाद इस सहायता का इस्तेमाल आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए करता रहा है और आगे भी कर सकता है। (शेष पेज 11 पर)

जवानों का बढ़ाया हौसला

रक्षा मंत्री ने भुज वायुसेना स्टेशन का दौरा किया। यह स्टेशन उन स्थानों में शामिल है जिन्हें पिछले सप्ताह पाकिस्तानी सेना ने निशाना बनाया था। रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सशस्त्र बल न केवल दुश्मन पर हावी रहे बल्कि उन्हें नेस्तनाबूद करने में भी उन्होंने सफलता पायी। रक्षा मंत्री ने एक दिन पहले ही जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की थी। भुज वायुसेना स्टेशन पर उन्होंने साहसी वायु योद्धाओं से बातचीत की और उनका हौसला बढ़ाया।

वज्रपात से जख्मी सीआरपीएफ अधिकारी शहीद

झारखंड को बड़ी क्षति, एम प्रबो सिंह मणिपुर के थे

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड के सारंडा में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में शामिल जिन बहादुर अफसर का नक्सली भी कुछ बिगाड़ नहीं पा रहे थे उनमें से एक प्राकृतिक आपदा (बज्रपात) की चपेट में आ कर शहीद हो गये। नक्सलियों के खिलाफ सीधा मुकाबला कर रहे सीआरपीएफ को झारखंड में बड़ा झटका लगा है। वज्रपात की वजह से गुरुवार को जख्मी सीआरपीएफ 26 बटालियन के सेकंड कमान अफसर एम प्रबो सिंह शहीद हो गये। शुक्रवार को सीआरपीएफ की तरफ से उनकी मृत्यु की पुष्टि की गयी। मणिपुर के रहने वाले एम प्रबो सिंह की पोस्टिंग कुछ महीने पहले ही झारखंड में हुई थी।

चार जवान घायल थे : चाईबासा के बालिवा में एंटी नक्सल अभियान पर निकले जवान गुरुवार को आसमानी बिजली की चपेट में आ गये थे। हादसे में सीआरपीएफ के दो अधिकारी सहित कुल चार जवान घायल हो गये थे। चाईबासा में हादसे के बाद सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेट सहित तीन को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है।

गौरतलब है कि अभियान छोटानागरा एवं जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगली व पहाड़ी क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है। अभियान के दौरान गुरुवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे बलिबा के आस-पास जंगली व पहाड़ी क्षेत्र में तेज बारिश के साथ अचानक वज्रपात हो गया। (शेष पेज 11 पर)

एसडीपीओ को रोका थाना प्रभारी निलंबित

मेदिनीनगर। बिश्रामपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आलोक कुमार टूटी को थाना में जाने से रोके जाने पर एसपी रीष्मा रमेशन ने शुक्रवार को रेहला के थाना प्रभारी संतोष कुमार को निलंबित कर दिया है। उनकी जगह मेदिनीनगर टाउन थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर गुलशन बिरूआ को रेहला का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। दरअसल, बिश्रामपुर के एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी रात्रि गश्ती के दौरान अवैध रूप से बालू का उठाव करते हुए ट्रैक्टर को पकड़ा था। एसडीपीओ ट्रैक्टर को लेकर रेहला थाना गये, लेकिन थाने के मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था। एसडीपीओ ने तत्काल थाना प्रभारी को कॉल किया, लेकिन कॉल का कोई जवाब नहीं दिया गया। इस दौरान एसडीपीओ ने मौके पर तैनात ऑन ड्यूटी पुलिस अधिकारी से पूछताछ की। एसडीपीओ को जानकारी मिली कि थानेदार के आदेश पर गेट में ताला लगाया गया है। एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने पूरे मामले में एसपी रीष्मा रमेशन को एक रिपोर्ट बनाकर सौंपी थी।

बिहार आई बैंक ट्रस्ट का नाम बदलें : राज्यपाल

झारखंड बने दो दशक बाद भी यह नाम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में राजभवन में बिहार आई बैंक ट्रस्ट की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में ट्रस्ट की वर्तमान गतिविधियों, भावी योजनाओं और संगठनात्मक स्वरूप पर चर्चा की गयी। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य के गठन को दो दशक से अधिक समय बीत चुका है, इसके बावजूद ट्रस्ट का नाम अब भी बिहार आई बैंक ट्रस्ट ही है। उन्होंने ट्रस्ट के नाम में शीघ्र परिवर्तन करने का निर्देश दिया।

विशिष्ट पहचान बनाने का आह्वान : राज्यपाल ने ट्रस्ट से कहा कि वह लोगों को बेहतर नेत्र उपचार की सुविधा उपलब्ध कराकर समाज में एक विशिष्ट पहचान स्थापित करे। उन्होंने नेत्र रोगों के उपचार और नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देने का आह्वान किया। बैठक में आयुष्मान भारत योजना का लाभ लोगों को प्रदान करने और ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति पर चर्चा की गयी।

राज्यपाल ने ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति और संसाधनों के विविध स्त्रोतों पर भी चर्चा की। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार और ट्रस्ट की सचिव डॉ. प्रोन्नति सिन्हा सहित अन्य ट्रस्टीगण उपस्थित थे।

थरूर, ओवैसी समेत ये नेता दुनिया में खोलेंगे पाक की पोल

आपरेशन सिंदूर : अब डिप्लोमेसी स्ट्राइक

एजेंसी

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का पक्ष रखने एवं आतंकवाद पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए केंद्र सरकार ने सांसदों के एक दल को विदेश भेजने का फैसला किया है। इस बड़े कूटनीतिक अभियान के तहत सरकार वैश्विक मंच पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए अगले सप्ताह से भारतीय नेताओं को अलग-अलग देशों में भेजेगी। केंद्र सरकार ने विपक्ष सहित कई राजनीतिक दलों के सांसदों से इस बारे में बात की है। कांग्रेस समेत कई दलों ने इस पहल में भागीदारी का ऐलान किया है। शुक्रवार से संसदीय कार्यमंत्री

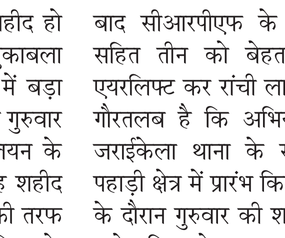

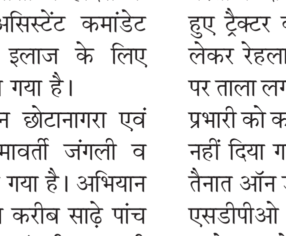

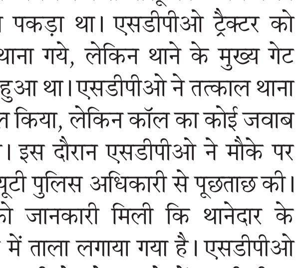

किरेन रिजिजू सभी पार्टियों के संसदीय दल के नेताओं से संपर्क कर रहे हैं।

उन्होंने विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर सांसदों के दल का समूह बनाने की कवायद शुरू की है। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेता शशि थरूर और एआईएआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी इस डेलिगेशन के हिस्सा हो सकते है।

ओवैसी भी प्रतिनिधिमंडल में होंगे : सूत्रों के अनुसार एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, टीएमसी के सुदीप बंदोपाध्याय, जदयू के संजय झा, बीजद के सस्मित पात्रा, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले, डीएमके की के कनिमोझी, सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिटास को प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के लिए चुना जा रहा है। दूसरे दलों के सदस्यों के अलावा कांग्रेस के कम से कम चार सांसदों को भी इस कूटनीतिक अभ्यास के बारे में बताया है। सरकार की लिस्ट में कांग्रेस सांसदों में शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह शामिल हैं। पार्टी ने पुष्टि की है कि वह प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होगी। (शेष पेज 11 पर)

राष्ट्रीय हित सर्वोच्च : कांग्रेस

हालांकि केंद्र सरकार की ओर से प्रतिनिधिमंडल के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बारें में कांग्रेस अध्यक्ष से बात की है। जयराम रमेश ने दावा किया कि विपक्षी पार्टी की ओर से एकता और एकजुटता का आह्वान किये जाने के बावजूद सत्तारूढ़ पार्टी लगातार कांग्रेस को बदनाम कर रही है। कांग्रेस हमेशा सर्वोच्च राष्ट्रीय हित में रुख अपनाती है। इसलिए, कांग्रेस निश्चित रूप से इन प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा होगी।

शिक्षक नियुक्ति मामले में जवाब दायर करने का निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने हजारीबाग में वर्ष 2015 के विज्ञापन के आधार पर वर्ष 2019 में प्रारंभिक शिक्षक के पद पर नियुक्ति को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। इस मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रार्थी का पक्ष सुना। इसके बाद अदालत ने राज्य सरकार को मामले में जवाब दायर करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही अदालत ने प्रार्थियों से कम अंक रहने के बावजूद नियुक्त इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षकों (इंटरमीडिएट ट्रेंड टीचर्स) को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए अदालत ने जुलाई माह में तिथि निर्धारित करने को कहा। इससे पूर्व प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता चंचल जैन ने पक्ष रखते हुए अदालत को बताया कि प्रार्थियों को अधिक अंक रहने के बावजूद उनकी नियुक्ति नहीं की गयी, जबकि कम अंक वाले को इंटरमीडिएट प्रशिक्षित शिक्षक के पद पर नियुक्त कर दिया गया।

शिक्षकों को सेवा से हटाने का किया आग्रह : अधिवक्ता चंचल जैन ने नियुक्त किये गये शिक्षकों को सेवा से हटाने तथा पद नहीं रहने पर नया पद सृजित कर उनकी नियुक्ति करने के लिए राज्य सरकार को आदेश देने का अदालत से आग्रह किया।

दुष्कर्मी के लिये मुआवजा, पीड़िता के लिये मौन यही है हेमंत का झारखंड मॉडल : बाबूलाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार का मॉडल कुछ ऐसा है जिसमें दुष्कर्मी को मुआवजा मिलता है और पीड़िता पर मौन रखा जाता है। उन्होंने कहा कि बोकारो के कडरूखुळा गांव में एक आदिवासी महिला तालाब में स्नान करने गई थी। वहीं, गांव में काम कर रहा अब्दुल कलाम महिला से छेड़खानी करता है और दुष्कर्म की कोशिश करता है। महिला चिल्लाती है, ग्रामीण जुटते हैं। आरोपी की जमकर पिटाई होती है। पिटाई के दौरान उसकी मौत हो जाती है। घटना दुखद है। कानून को हाथ में लेना सही नहीं। उन्होंने कहा कि उससे भी ज्यादा शर्मनाक है इसके बाद झारखंड सरकार और कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया। जिन्होंने पीड़िता को भूलकर पूरी संवेदना उस व्यक्ति के लिये लुटा दी, जो एक आदिवासी महिला का बलात्कार करना चाहता था। उन्होंने कहा कि मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने पूरे मामले को मॉब लिंचिंग कहकर मुस्लिम उत्पीड़न की कहानी बना दी। हेमंत सोरेन सरकार ने तत्काल अब्दुल कलाम के परिवार को 4 लाख मुआवजा, एक लाख सहायता राशि और स्वास्थ्य विभाग में नौकरी तक ऑफर कर दी। उन्होंने कहा कि एक बलात्कारी के साथ शहीद जैसी राजकीय सहानुभूति आ>र्यजनक है। उन्होंने कहा कि यह समझना बहुत अहम है कि राज्य और तथाकथित सेक्युलर विचारधारा ने इस मामले को कैसे पलट दिया। उन्होंने कहा कि डॉ इरफान अंसारी जैसे नेता इस मुद्दे को साम्प्रदायिक रंग देकर आदिवासी समाज के घाव पर नमक छिड़कते हैं। जबकि झारखंड सरकार पूरी तरह वोटबैंक तुष्टिकरण में लिप्त है। बलात्कारी अगर श्राजनीतिक रूप से सुरक्षित समुदाय से हो, तो उसके घर को ही पीड़ित परिवार घोषित कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी स्त्रियों की अस्मिता अब आपकी राजनीति के लिए दूसरी प्राथमिकता बन चुकी है।

मंत्री इरफान अंसारी ने कडरू गोदाम का किया औचक निरीक्षण

भण्डारित अनाजों की गुणवत्ता परखी गयी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने शुक्रवार को कडरू स्थित जेएसएफसी गोदाम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गोदाम की क्षमता, सुरक्षा और भण्डारित अनाजों के बचाव और चावल की क्वॉलिटी के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के क्रम में छोटी-छोटी त्रुटियां हमारे समाने आई हैं। इसके मद्देनजर अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोदाम में भण्डग्रित अनाजों का पूर्ण दस्तावेजों के साथ मिलान कर जांच रिपोर्ट जल्द उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि अनाज का एक-एक दाना जनता का है। हमारी जनता-जनार्दन को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण अनाज उपलब्ध हो, यह हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज हमने रांची के गोदाम से निरीक्षण की शुरूआत की है। आने वाले दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों और गोदामों में निरीक्षण किया जायेगा। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रत्येक नागरिक को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराते हुए स्वस्थ रखने की सोच पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार के शासनकाल में राज्य की जनता को अनाज से वंचित रखने के लिये राशनकार्ड से नाम काट दिये गये थे। लेकिन संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरदर्शिता और राज्य के प्रत्येक नागरिक को खाद्यान्न उपलब्ध कराने की सकारात्मक सोच के तहत हरा राशनकार्ड की मंजूरी दी गई। इसके तहत वर्तमान में राजभर में लाखों की संख्या में नए राशनकार्ड धारी के नाम अंकित हुये हैं। आने वाले समय में 5 लाख से अधिक लोगों को हरा राशनकार्ड से जोड़ा जायेगा।

एक नजर में

जनगणना कोड में सरना धर्म को शामिल करने की मांग को लेकर राज्य स्तरीय धरना 26 को

रांची। सरना धर्म कोड को जनगणना कॉलम मे शामिल करने की मांग को लेकर कांग्रेस राज भवन के समक्ष राज्य स्तरीय एक दिवसीय धरना प्रदर्शन 26 मई को करेगी। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुजनी ने कहा कि प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस के सभी पदाधिकारी गण, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, बोर्ड निगम के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पदाधिकारीगण, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य सहित राज्य स्तर के कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा है कि झारखंड एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है। यहां का आदिवासी समुदाय सरना धर्म को मानने वाला प्राचीन परंपराओं और प्रकृति का उपासक है। सरना धर्म की संस्कृति, पूजा पद्धति, आदर्श मान्यताएं प्रचलित सभी धर्म से अलग है। आदिवासी सरना समुदाय पिछले कई वर्षों से अपने धार्मिक अस्तित्व की रक्षा के लिए जनगणना कोड में सरना धर्म को शामिल करने की मांग करता रहा हैं। देश में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन के लिए कोड नि>ित है लेकिन आदिवासी सरना धर्म वालों के लिए जनगणना फॉर्म में अलग से कोड नहीं दिया गया है। झारखंड विधानसभा से भी प्रस्ताव पारित कर केंद्र से सातवां कॉलम मे आदिवासियों के लिए सरना धर्म को शामिल करने की मांग की गई है परंतु केंद्र सरकार इस पर मौन है। केंद्र सरकार के इसी रवैये के खिलाफ एक दिवसीय राज्यव्यापी प्रदर्शन कांग्रेस द्वारा किया जाएगा।

उम्रकैद की सजायाफ्ता को हाईकोर्ट से मिली जमानत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा काट रही ललिता देवी और राम प्रसन्न देवी को जमानत प्रदान कर दी है। जस्टिस आर मुखोपाध्याय और जस्टिस अंबुज नाथ की अदालत ने दस-दस हजार के मुचलके पर दोनों को जमानत देने का निर्देश दिया है। दोनों के खिलाफ उनकी बहु के परिवार वालों ने दहेज मांगने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। इस प्रताड़ना से तंग आकर बहु के फांसी लगाने की बात कही गयी थी। निचली अदालत ने इस मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद दोनों को उम्रकैद की सजा सुनायी थी। इस सजा के खिलाफ दोनों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। इसके साथ ही हस्तक्षेप याचिका दायर कर जमानत प्रदान करने का आग्रह किया गया था। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने दोनों को जमानत प्रदान कर दी।

बाबूलाल मरांडी ने डीसी को लिखा पत्र कांके सीओ पर कार्रवाई की मांग की

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची डीसी को पत्र लिखकर कांके अंचलाधिकारी के खिलाफ जांच कराने और कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। श्री मरांडी ने आरोप लगाया है कि कांके अंचलाधिकारी ने स्वार्थवश अवैध तरीके से दोहरा जमाबंदी कायम किया है।

क्या है आरोप : आरोप है कि कांके अंचलाधिकारी जय कुमार राम ने निजी स्वार्थवश लेन-देन के आधार पर 03 अप्रैल 2025 को वर्णित जमीन की दोहरी जमाबंदी सलीमा खातून के नाम से कर दी है। जो पूर्णतः गलत है। इस जमीन का लगान रसीद निर्गत करने का आदेश भी दिया गया है। आरोप है कि जमीन दलालों ने विवादित भूमि पर कब्जा कर बेचने की कोशिश की और जमीन मालिकों के साथ लाठी और डंडे से मारपीट की। इस मामले में अनुमंडल न्यायालय में वाद लंबित है और यथास्थिति बनाये रखने का आदेश है। बाबूलाल मरांडी ने मांग की है कि कांके अंचलाधिकारी के खिलाफ जांच कराई जाये और दोषी पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई करते हुये सेवा से बर्खास्त करने की अनुशंसा की जाये।

झामुमो ने बीजेपी पर लगाया सेना का अपमान करने का आरोप

रांची। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री और उपमुख्यमंत्री द्वारा सेना पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता भड़क गए हैं। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भप्ताचार्य ने भाजपा की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा तिरंगा यात्रा निकालने का नाटक करती है और दूसरी तरफ उसके नेता भारतीय सेना का अपमान करते हैं और इन सब पर उनका आलाकमान चुप रहता है। सुप्रियो भप्ताचार्य ने कहा कि हमारी भारतीय सेना के जवान सर्वश्रेष्ठ हैं, भारतीय सेना किसी भी देश की सेना में सर्वश्रेष्ठ है लेकिन भारतीय जनता पार्टी की मानसिकता सेना का मनोबल तोड़ रही है। लगातार सेना के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग करना भाजपा की मानसिकता को दशार्ता है, भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी ऐसी मानसिकता वाले भाजपा नेताओं को बल देता है। सुप्रियो भप्ताचार्य ने कहा कि मध्य प्रदेश के एक मंत्री द्वारा सेना के अधिकारियों के खिलाफ दिया गया बयान दशार्ता है कि उनका मनोबल कैसा है। उस मंत्री के खिलाफ कार्रवाई तो हुई ही नहीं, अभी तक उनकी गिरफ्तारी भी नहीं हुई है। इससे पहले भी भाजपा के लोग इस तरह के बयान दे चुके हैं।

कांके प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष बनें गुरुचरण मुंडा

रांची। शुक्रवार को कांके प्रखंड के कांके उत्तरी पंचायत के सभागार में कांके प्रखंड के सभी मुखिया गनों का झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उराँव की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक किया गया। जिसमें सर्व समिति से कांके प्रखंड मुखिया संघ को भंग कर नया कांके प्रखंड मुखिया संघ बनाया गया। बैठक में सर्व समिति से चंदवे पंचायत के मुखिया गुरुचरण मुंडा को अध्यक्ष, पिठोरिया पंचायत के मुखिया मुन्नी देवी को उपाध्यक्ष, हुंदूर पंचायत के मुखिया रजनी देवी को सचिव, चुटु पंचायत के मुखिया लक्ष्मी देवी को उपसचिव, ईचापिड़ी पंचायत के मुखिया लाखो उरांव को कोषाध्यक्ष, बनाया गया है।

अमृत भारत स्टेशन के तहत रेलवे स्टेशनों का कायकल्प शुरू, रांची व हटिया भी होगा हाईटेक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। केंद्रीय रेल मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर पूरे देश में अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत 554 से ज्यादा स्टेशनों के पुनर्विकास का काम शुरू करवाया गया है, जो अब अंतिम चरण पर है। इसी कड़ी में झारखंड के विभिन्न रेल मंडल के 57 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास भी शुरू है। इसमें रांची रेल मंडल के रांची, हटिया, रेलवे स्टेशन समेत कुल 15 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प करने की दिशा में कदम बढ़ाएं गए हैं।

बताते चलें कि रांची रेल मंडल में कुछ 55 रेलवे स्टेशन हैं। इन स्टेशनों को इ, एफ और जी हॉल्ट स्टेशन के रूप में वगीर्कृत किया गया है। इस श्रेणी में कुल 20 स्टेशन हैं, इ श्रेणी में 20 स्टेशन, एफ श्रेणी में 9 और जी हॉल्ट स्टेशन श्रेणी में अन्य स्टेशन हैं। अमृत भारत रेलवे स्टेशन के रूप में 15 स्टेशनों का चयन हुआ है। जिसका काम युद्ध स्तर पर जारी है। मुख्य रूप से लोहरदगा, बालसिरिंग, गोविंदपुर रोड, बानो, पोरका, नामकुम, गंगाघाट, मुरी, सिल्ली, रामगढ़ कैंट को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन रेलवे स्टेशनों में एस्केलेटर, यात्रियों को बैठने की एसी, नॉन-एसी की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, फुटपाथ, कैंटीन, बाजार, सुरक्षा और पार्किंग के अलावा तमाम अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। दूसरी ओर रांची और हटिया रेलवे स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने की दिशा में कदम बढ़ा दिए गए हैं। इन रेलवे स्टेशनों पर वह तमाम सुविधाएं उपलब्ध की जा रही हैं, जो सुविधा एयरपोर्ट पर दी जाती है। फ्री वाई-फाई की सुविधा जल्द ही रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध करा दी जाएगी।

रेल परियोजनाओं के लिए बजट की राशि

रांची रेलवे स्टेशन को हाईटेक और वर्ल्ड क्लास बनाने के लिए निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। बता दें कि झारखंड राज्य के लिए वर्ष 2024-25 के बजट में 7302 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। झारखंड में रेल परियोजनाओं के लिए 52 हजार 885 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इसी बजट में पूर्व से चल रही रेल परियोजनाओं का विस्तार होगा 1000 करोड़ रुपए से गोयलकेरा-मनोहरपुर थर्ड लाइन का 40 किलोमीटर का विस्तारीकरण किया जाना है। वहीं ढाई सौ करोड़ रुपए से बंडा मुंडा रांची रेल लाइन के 58 किलोमीटर का विस्तार करने में खर्च किए जा रहे हैं। जबकि 9.50 करोड़ रुपए में रांची लोहरदगा टोरी लाइन की 113 किलोमीटर का विस्तार कार्य लगभग पूरा होने को है। वहीं मुरी-बड़काखाना 58 किलोमीटर रेल लाइन के दोहरीकरण समेत 15 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प भी किया जाना है।

संविधान से ऊपर शरिया को मानने वाले मंत्री हफीजूल हसन को कब करेंगे बर्खास्त : आदित्य

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि झामुमो और इंडी गठबंधन राज्य की सत्तामद में चूर हो चुका हैं। पूरे राज्य में अवस्था अराजकता की स्थिति है। संवैधानिक संस्थाओं को बौना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिसके दिल में तिरंगा के प्रति सम्मान नहीं होता उसे ही भारतीय सेना के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा नौटंकी लगती है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को फिलिस्तीन और पाकिस्तान के झंडों से प्यार है। तभी तो जब पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाये जाते हैं, तो ये झामुमो कांग्रेस की सरकार ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने से कतराती है। उन्होंने कहा कि राजधानी में अवैध तरीके से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर भेजने में भी ये लोग सोच विचार करने लगते है। नये-नये बहाने ढूंढते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान से ऊपर शरिया को मानने वाले राज्य सरकार के मंत्री ने संविधान और तिरंगे का खुल्लम खुल्ला अपमान किया। लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री तुष्टीकरण की राजनीति में इतने डूब चुके हैं कि मंत्री को बर्खास्त करना तो दूर उनसे सवाल पूछने की भी हिम्मत नहीं जुटा पाये। उन्होंने कहा कि झामुमो और इंडी गठबंधन की राजनीति पूरी तरह से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण में आकंठ डूबी हुई है। इसलिये तिरंगा यात्रा इन्हें बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता नमाज कक्ष, विद्यालयों में प्रार्थना पद्धति बदलना, स्कूल के गेट को मीनार का रूप देना, विद्यालय की छुप्तियों के दिन बदलना, कोरोना काल में भी तुष्टीकरण के आधार पर निर्णय लेना, बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देना जैसी राजनीतिक नौटंकी को खूब जानती है।

झारखंड की महिलाओं को मिली उद्यमिता की नई उड़ान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पलाश दीदी कैफे फूड क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित दस दिवसीय उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। इस कार्यक्रम में झारखंड के 12 जिलों से चयनित स्वयं सहायता समूह की 30 दीदियों ने हिस्सा लिया। यह तीसरा बैच था, और अब तक कुल 125 दीदियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षण में स्थानीय व्यंजन, बेकरी, खाद्य सेवा, कैफे की स्थापना, लागत निर्धारण, बिक्री तकनीक और उद्यमिता जैसे विषयों को शामिल किया गया।

समापन समारोह में सभी प्रतिभागी दीदियों को मुख्य अतिथि जेएलपीएस की सीओ कंचन सिंह के हाथों प्रमाण पत्र दिया गया। इस मौके पर आईएचएम के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक नितीश कुमार सिन्हा एवं मीनाक्षी प्रकाश भी उपस्थित थी।

गुरुजी के विचारों से भटक गया है झामुमो : सुदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा है कि गुरुजी शिबू सोरेन के मूल सोच और विचारधारा से झामुमो भटक चुका है। गुरुजी शराब को समाज के लिए घातक मानते थे, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि खनिज संसाधनों से भरे-पूरे राज्य में शराब बेचकर राज्य का खजाना भरने की बात हेमंत सरकार कर रही है। श्री महतो ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार की कथनी और करनी में भेद दिख रहा है।

पेसा कानून में भी राज्य सरकार का रवैया स्पष्ट नहीं : श्री महतो ने कहा कि पेसा कानून के संबंध में भी राज्य सरकार का रवैया स्पष्ट नहीं है और इससे संबंधित बैठक में मुख्यमंत्री स्वयं उपस्थित नहीं दिखे। कहा कि पेसा कानून को हुबहू लागू किया जाना चाहिए ताकि जनता की भावनाओं का सम्मान हो सके। उन्होंने कहा कि जेपीएससी को पटरी पर लाने में सरकार विफल रही है, जिससे युवाओं में आक्रोश दिख रहा है।

बुद्धिजीवियों और युवाओं ने थामा आजसू का दामन : इससे पूर्व आजसू पार्टी के मिलन समारोह में दर्जनों बुद्धिजीवियों एवं युवाओं ने पार्टी का दामन थामा। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने पार्टी का पप्ता पहनाकर उनलोगों का स्वागत किया। पार्टी में संजय साहू, डॉ. अमित कुमार साहू, डॉ. अभिषेक झा, डॉ. अंबुज मिश्रा, मोहित गोप, रोहित प्रजापति, सुभाष गोप, देवेंद्र साहू, अमित साहू सहित अन्य युवा शामिल हुए। इस अवसर पर संजय मेहता, हरीश कुमार, दीपक महतो, डॉ पार्थ, जिलाध्यक्ष संजय महतो, मीडिया संयोजक परवाज खान, इम्तियाज अहमद नज्मी, चेतन प्रकाश, अजीत कुमार सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

मॉव लिंचिग कानून बनाने की मांग को लेकर अल्पसंख्यक कांग्रेस बोकरो से राजभवन रांची तक न्याय पद यात्रा करेगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन मंजूर अंसारी ने कहा कि पूरे झारखंड प्रदेश से कुछ खबरे मॉब लिंचिंग पर आ रही है। झारखंड में सबसे ज्वलंत मुद्दा मॉब लिंचिंग की है। सरकार अगर कानून नहीं बनाती है तो मैं पार्टी पदाधिकारियों के साथ अपने आवास बोकारो से राजभवन तक पदयात्रा कार्यक्रम करूंगा। इस पद यात्रा का नाम-न्याय यात्रा होगी। अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन मंजूर अंसारी शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे। इस मौके पर अजय जैन,अख्तर अली, हुसैन खान, अरशदुल कादरी, हसनैन उपस्थित थे।

मंजूद अंसारी ने कहा कि हम अपने शीर्ष नेतृत्व से इस बात का गुजारिश किये हैं कि इस पर जितना जल्दी हो सके मॉब लिंचिंग पर कठोर कानून बने ताकी इस तरह के कृत्य करनेवाले देषियों को कठोर से कठोर सजा मिल सके। उन्होंने कहा है कि आज के युग में भी एक इंसान को बेहरमी से भीड द्वारा मार-मार कर उसकी हत्या कर दी जाती है।

उन्होंने गठबंधन की राज्य सरकार को शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि सरकार काफी संजीदगी के साथ तीन बार इससे संबंधित विधेयक राजभवन को भेजा लेकिन किसी न किसी बात को लेकर राज्यपाल के यहां से उसे वापस किया गया। उन्होंने कहा कि समय रहते अगर मॉब लिंचिंग कानून झारखंड में नहीं बना तो अल्पसंख्यक कांग्रेस बोकारो से रांची तक पैदल न्याय यात्रा निकालेगी। उन्होंने कहा कि हम सबों को उम्मीद है कि इस यात्रा के पहले ही संबंधित विधेयक पर सकारात्मक बात होगी।

मंजूर अंसारी ने कहा कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त झारखंड प्रभारी जीनल एन गाला जी 18 मई को झारखंड की राजधानी रांची आयेंगी, जिसकी तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। उन्होंने कहा कि श्रीमती जीनल एन गाला काफी अनुभवी हैं, इनके प्रभारी बनने से अल्पसंख्यक विभाग को जमीनी स्तर पर कार्य करने में बल मिलेगी। झारखंड प्रभारी के आगमन होने पर 18 मई को रांची के विभिन्न चौक चौराहों पर महान शहीदों के प्रतिमा में माल्यार्पण करते हुए कांग्रेस भवन पहुंचेंगी, जहां पार्टी की ओर से जोरदार स्वागत की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वागत के उपरांत प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में संगठन की मजबूती पर विचार-विमर्श कर सामयिक रणनीति बनाई जाएगी।

सेना और सैन्य अधिकारियों को अपमान करने का अभियान छेड़ रखा है बीजेपी : सोनाल शांति

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के चरण चाटुकारों ने सेना और सैन्य अधिकारियों को लगातार अपमानित करने का एक अभियान छेड़ रखा है। उन्होंने मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के बयान की निंदा की है। जिसमें उन्होंने कहा है कि देश की सेना और सैनिक मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं।

सोनाल शांति ने कहा है कि बीजेपी नेता मोदी जी की चाटुकारिता के चक्कर में देश की सेना के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने में परहेज नहीं कर रहे है। सेना के शौर्य और विजय का श्रेय लूटने के चक्कर में बीजेपी नेता प्रधानमंत्री की चापलूसी करने की सारी सीमाओं को लांघ चुके हैं। उन्होंने कहा है कि अगर चापलूसी की ओलंपिक प्रतिस्पर्धा होती तो पूरे विश्व में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदकों के साथ भाजपा के चापलूसवीर पहले पायदान पर होते।

सोनाल शांति ने कहा है कि भाजपा के नेताओं का राजनीतिक और चारित्रिक संस्कार पूरे देश के सामने प्रतिदिन उजागर हो रहा है। पहले मंत्री विजय शाह द्वारा सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी का अपमान किया जाता है फिर भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य द्वारा तिरंगे का उसके बाद मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा सेना और सैनिकों के बारे में अपमानजनक बातें कही जाती हैं। इसके बावजूद भाजपा द्वारा इन नेताओं पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे यह बात साबित हो रहा है कि इन नेताओं को मोदी जी का बरदहस्त प्राप्त है।

सोनाल शांति ने कहा है कि भाजपा लगातार सेना और सैनिकों के प्रति ऐसी बातें इसलिए करती हैं क्योंकि इनकी रगों में बलिदान का नहीं मुखबिरी का खून है। ये प्रधानमंत्री मोदी का अनुसरण करते हैं क्योंकि प्रधानमंत्री खुद कहते हैं कि एक व्यापारी में सेना से ज्यादा साहस है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की शहादत पर राजनीति की बिसात बिछाना भाजपा की पुरानी आदत है। अपनी कूटनीतिक विफलता को छुपाने और सेना की सफलता को भुलाकर अपने पाले में करने की कोशिश में भाजपा नेतृत्व ने अपने स्तर को गिरा लिया है।

उन्होंने कहा है कि विजय शाह और जगदीश देवड़ा पर अगर अविलंब कार्रवाई नहीं की जाती है तो जनता मान लेगी कि यह सब प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की मौन सहमति से पूरे संरक्षण के साथ हो रहा है। कांग्रेस देश की सेना के शौर्य और साहस के साथ खड़ी है कांग्रेस सैनिकों को अपमानित नहीं होने देगी।

नशा कारोबार में शामिल दुर्गा सिंह सहित 5 गिरफ्तार, 88.63 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त

गुप्त सूचना पर गोंदा थाना पुलिस ने दबोचा, गढ़वा से लाया जा रहा था ब्राउन शुगर

आई-10 कार, 96 सौ नगद व मोबाइल जब्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गोंदा थाना की पुलिस ने नशा कारोबार में शामिल पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरफ्त में आये अभियुक्तों में गुंजन कुमार सिंह (सुन्दरनगर, कांके), दुर्गा कुमार सिंह (धावननगर, महाबीर मंदिर, थाना गोंदा), रंजन बैठा (धावननगर, राम भण्डार, थाना गोंदा), अमरजीत यादव (गांधीनगर, थाना गोंदा) और सागर कुमार (कांके रोड रिनपास वाटरलाईन, थाना कांके) के पास से कुल 88.63 ग्राम ब्राउन शुगर, कार(जेएच02एआर-9991), 96 सौ नगद व मोबाइल जब्त की है। इस संबंध में डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस को गश्ती के दौरान गुप्त सूचना मिली थी कि धावननगर का दुर्गा सिंह अपने अन्य साथियों के साथ ब्राउनसुगर लेने गढ़वा गया है और संभवतः उसके लौटने की सूचना है। सूत्र के द्वारा यह भी जानकारी दी गयी कि अक्सर वह कोंगे जयपुर होकर धावननगर अपने घर लौटता है। उक्त सूचना पर थाना प्रभारी अपने साथ के पदाधिकारी के साथ रात्रि करीब 11:00 बजे झिरगाटोली पहुंचकर सड़क के किनारे बल एवं पदाधिकारी के साथ छिपकर इंतजार करने लगे। इसी क्रम में जयपुर गांव थाना कांके की तरफ से एक छोटे कार को आते देख पुलिस पदाधिकारी के द्वारा टार्च की रोशनी देकर उक्त कार रोकने का इशारा किया गया, जिस पर कार के चालक के द्वारा गाड़ी की गति को तेज कर भागने का प्रयास किया गया। जिसे मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी के द्वारा उस कार को रोकवाया गया। कार के रूकने के बाद उस कार पर सवार लोग उतरकर भागने का प्रयास किए जिसे पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के द्वारा उसे कार में हीं बैठे रहने को विवश किया गया। सभी कार में बैठे रहे। कार में बैठे लोगों में से एक की पहचान दुर्गा सिंह के तौर पर की गयी। सभी से रात में कोंगे जयपुर रास्ते से आने की बात पूछने पर किसी ने कोई जबाव नहीं दिया। इसके पश्चात संजीव कुमार बेसरा, पुलिस उपाधीक्षक, सदर के समक्ष तलाशी ली गयी। तलाशी लेने के दौरान कार में बैठे पांचो युवको के पास से कुल 88.63 ग्राम ब्राउन शुगर/मादक पदार्थ की बरामदगी की गयी। बरामद मादक पदार्थ एवं मोबाईल, रूपया एवं कार को जब्त किया गया है। पुलिस टीम में संजीव कुमार बेसरा, पुलिस उपाधीक्षक, सदर, अभय कुमार सिन्हा, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, गोंदा थाना, पुअनि सनी कुमार, पुअनि अशोक कुमार, सअनि प्यारी टूटी, सअनि रामेश्वर हांसदा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

गढ़वा के राजा उर्फ चिंटुदु तड़ीपार के पास से लाया जाता है ब्राउन शुगर

एसएसपी ने बताया कि पुलिस पूछताछ व अबतक के अनुसंधान में यह जानकारी मिली है कि पकड़ाए युवक के द्वारा मादक पदार्थ गढ़वा के राजा उर्फ चिंटुदु तड़ीपार के पास से लाया जाता है। अनुसंधान में आए तथ्यों से ज्ञात हुआ है कि ये सभी मादक पदार्थ के इतनी बड़ी मात्रा में पकड़े जाने से यह स्पष्ट होता है कि ये सभी अन्य के साथ मिलकर संगठित अपराध में शामिल रहे हैं, जिनमें स्थानीय कई अन्य लोग भी नशा कारोबार में जुड़े हुए हैं। जिसपर गहराई से अनुसंधान की जा रही है। पकड़े गए पांचो गिरफ्तार अभियुक्तों में से तीन अभियुक्त दुर्गा कुमार सिंह, अमरजीत यादव और गुंजन कुमार सिंह का आपराधिक इतिहास पाया गया है।

राजभवन में मना सिक्किम राज्य स्थापना दिवस

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को राज भवन में आयोजित सिक्किम राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा कि हिमालय की गोद में स्थित सिक्किम अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिये पूरे देश में प्रसिद्ध है। खुशियों की धरती के रूप में विख्यात यह राज्य केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के अदम्य साहसए जीवंत संस्कृति और अनुकरणीय विकास का प्रतीक है। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने कहा कि सिक्किम आकार में भले छोटा है, लेकिन हैप्पीनेस में अग्रणी है।

मिलावटखोरों पर शिकंजा, 8 खाद्य सामग्री जांच में फेल

रांची। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए एक विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान करमटोली से लगन स्वीट्स तक करीब 16 होटलों, रेस्टोरेंट और ठेलों की जांच की। जांच अभियान के दौरान मोबाइल फूड सेफ्टी लैब की मदद से 68 खाद्य सामग्रियों की ऑन-स्पॉट जांच की गयी। जिसमें 8 खाद्य पदार्थ मानकों पर फेल पाई गईं, जिनमें पनीर, लड्डू, छोला, हल्दी पाउडर और मिल्क केक जैसी आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली सामग्री शामिल है।

हज के लिए स्वास्थ्य सेवाओं सहित सभी इंतजाम मुकम्मल : डॉ इरफान

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हज यात्रियों की सुविधा हमारी प्राथमिकता है

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने शुक्रवार को हज 2025 की तैयारियों को लेकर कडरू स्थित हज हाउस में समीक्षा बैठक की। इस बैठक की अध्यक्षता झारखंड सरकार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने की। बैठक में इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले झारखंड के लगभग 1300 यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा और संपूर्ण व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि सभी हज यात्रियों को मूलभूत सुविधायें जैसे आवास, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और भोजन समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराई जायें। उन्होंने कहा कि हज यात्रा को सरल, सुरक्षित और सुखद बनाने की दिशा में राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हज यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ख्याल रखा गया है। सभी आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की जा चुकी है और मेडिकल टीमों को पूरी तरह से तैयार रखा गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि हज यात्रियों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम, दस्तावेज सत्यापन, टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जायेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार राज्य के हज यात्रियों को हर संभव सुविधा देने हेतु संकल्पित है।

मातृदिवस पर भारतीय रिजर्व बैंक ने कार्यक्रम किया गया आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारतीय रिजर्व बैंक, रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा मातृदिवस के उपलक्ष्य में होटल कैपिटल हिल में एक शानदार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध पुस्तक 'माई रे' पर परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें डॉ. रविभूषण, प्रकाश देवकुलिश, प्रमोद कुमार झा,अनिता रश्मि, राकेश कुमार सिंह, पंकज मित्र, श्रीमती उर्वशी, नियति कल्प तथा सुश्री अंशुप्रिया ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय रिजर्व बैंक, रांची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह के उद्घाटन वक्तव्य से हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने मातृदिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे समाज में मातृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अनोखा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि माँ न केवल परिवार की आधारशिला होती है, बल्कि उसकी ममता, त्याग और समर्पण से जीवन संवरता है। मातृदिवस के आयोजन का उद्देश्य समाज को इस अनमोल रिश्ते के प्रति जागरूक करना और माँ के प्रति सम्मान प्रकट करना है। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने कार्यक्रम का माहौल और भी गरिमामय बना दिया। इसके बाद माँ से जुड़ी कविताओं, कहानियों, नाट्य प्रस्तुतियों, गीत-संगीत और प्रश्नोत्तरी जैसी विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम से पहले, क्षेत्रीय निदेशक के मार्गदर्शन और नेतृत्व में मातृदिवस के अवसर पर टीवीएस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, जगन्नाथपुर, रांची में पौधरोपण की पहल कराते हुए 'एक पेड़ माता के नाम' और 'एक पेड़ भारत माता के नाम' के तहत दो पौधे लगाये गये। इस बहुआयामी आयोजन ने न केवल मातृत्व के प्रति आदरभाव जागृत किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। उपस्थित लोगों ने इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

टीएसपीसी के सब-जोनल कमांडर सहित दो गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने बुड़मू थाना क्षेत्र से टीएसपीसी संगठन के के सब-जोनल कमांडर दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप को उसके एक साथी अक्षय गंझू को धर-दबोचा है। उनके पास से कई हथियार, मोबाइल, सिम व रोजमर्रा का सामान बरामद किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ये नक्सली चैनगढ़ा, गम्हरिया के जंगल में लेवी वसूलने व किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे है। पतरातू की तरफ से आने वाले राहगीरों को रोककर उन लोगों का मोबाईल चेक कर रहे हैं व मारपीट कर रहे हैं। खलारी और रांची पुलिस की एक टीम ने चैनगढ़ा जंगल और गम्हरिया जंगल की घेराबंदी की। इसी क्रम में दिवाकर गंझू और अक्षय गंझू कोधर दबोचा। कई उग्रवादी जंगल में भागने में सफल रहे। जगु गंझु के 2018 में मारे जाने एवं एरिया कमांडर दिनेश राम के जेल जाने के बाद गंझू को टीएसपीसी के एरिया कमांडर बना दिया गया था।

स्पीकर से मिली यूनिसेफ की मैककैफ्री

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्पीकर रबींद्रनाथ महतो से यूनिसेफ की भारतीय प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने उनके कार्यालय कक्ष में भेंटवार्ता किया। उन्होंने झारखंड में यूनिसेफ के द्वारा बच्चों के लिये चल रहे कल्याण के कार्यक्रमों तथा भविष्य की योजनाओं पर चचायें की। इस दौरान मैककैफ्री ने झारखंड में सकारात्मक कार्यों को रेखांकित करते हुये कहा कि गिरिडीह से पश्चिमी सिंहभूम तक हमारी साझेदारी के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं। बच्चों और युवाओं को सशक्त बनाना, विश्वविद्यालय को बच्चे के मुद्दे से जोड़ना तथा विभिन्न समुदायों को इस पहल में सक्रिय रूप से शामिल करना हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धि रहीं हैं। हम मिलकर युवाओं की क्षमता को परिवर्तन के वाहक के रूप में सशक्त बना रहे हैं। बच्चे से जुड़े मुद्दे पर प्रभावी संवाद स्थापित कर रहे हैं।

उन्होंने बाल अधिकारों के संदेश के प्रचार प्रसार और विभिन्न माध्यमों से बालकों के लिये अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने में स्पीकर के निरंतर सहयोग के लिये आभार भी व्यक्त की। स्पीकर श्री महतो ने यूनिसेफ के झारखंड में चल रहे हैं बाल केंद्रित नीतियों एवं कार्यक्रमों को सराहाया एवं अपेक्षित सहयोग के लिये आश्वस्त भी किये। इस अवसर पर झारखंड के यूनिसेफ प्रमुख एडॉक्टर कनिका मित्रा तथा आस्था अलंग भी उपस्थित रहीं।

शहीद वीर बुधु भगत विवि नामकरण पर छात्र संघ निकालेगा अबुआ सरकार आभार यात्रा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची कॉलेज का नाम बदलकर शहीद वीर बुधु भगत विश्वविद्यालय रखे जाने के निर्णय को आदिवासी छात्र संघ ने ऐतिहासिक जीत करार दिया है। इस उपलक्ष्य में छात्र संघ द्वारा अबुआ सरकार आभार यात्रा और विजय जुलूस आयोजित किए जाने की घोषणा की गई है। इसको लेकर शुक्रवार को जैकब हॉल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जहां छात्र नेताओं ने इसे झारखंड के मूलवासी एवं आदिवासी समाज की वर्षों की संघर्षपूर्ण लड़ाई का परिणाम बताया।

पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के नामकरण का विरोध : छात्र नेताओं ने बताया कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने विश्वविद्यालय का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय कर दिया था, जिसका आदिवासी छात्रों ने कड़ा विरोध किया था। इसे जनभावनाओं के विरुद्ध बताया गया और इसके खिलाफ व्यापक आंदोलन की शुरूआत की गई।

आंदोलन की शुरूआत 2018 में, 2024 में मिला नया जोश : कुलदीप मुंडा ने बताया कि इस आंदोलन की शुरूआत 2018 में अमनदीप मुंडा के नेतृत्व में हुई थी, जो कुछ समय के लिए धीमा पड़ गया था।

लेकिन 2024 में इसे फिर से छात्र एकता और नई ऊर्जा के साथ प्रारंभ किया गया, जिसमें जनजातीय विभाग के छात्रों की अहम भूमिका रही।

हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से जुटाया जनसमर्थन : महावीर उरांव ने जानकारी दी कि छात्रों ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर जनता से व्यापक समर्थन प्राप्त किया। इस जनदबाव के चलते सरकार को विश्वविद्यालय का नाम बदलने का निर्णय लेना पड़ा।

विचारधारा की जीत: आदिवासी छात्र संघ

आदिवासी छात्र संघ ने इस नामकरण को केवल प्रतीकात्मक परिवर्तन नहीं, बल्कि आदिवासी-मूलवासी विचारधारा की जीत बताया। उनका कहना है कि यह झारखंड की धरती पर जन्मे एक महान वीर सपूत को सम्मान देने का ऐतिहासिक क्षण है।

छात्र नेताओं की सक्रिय भागीदारी

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आदिवासी छात्र संघ के संयुक्त सचिव सुभाष उरांव, अमनदीप मुंडा, महावीर उरांव, अलवीन लकड़ा, रितेश उरांव, अभिषेक कुमार रजक, अमरीत मुंडा, दया राम, आकाश कच्छप, दीपिका कच्छप, मंजु उरांव, नीलिमा लकड़ा और पूजा मुंडा समेत सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

खबर एक नजर में

फर्जीवाड़े के आरोपी को नहीं मिली जमानत

रांची। न्यायायुक्त एके मिश्रा नंबर 1 की अदालत ने फर्जीवाड़े मामले में जेल में बंद मानविल श्रीवास्तव को जमानत देने से इनकार किया है। साथ ही उसकी पत्नी निजी स्कूल की शिक्षिका प्रीति सक्सेना को भी अग्रिम राहत देने से इनकार किया है। दोनों की याचिका पर एक साथ सुनवाई हुई। सुनवाई पश्चात अदालत ने दोनों की याचिकायें खारिज कर दी। अग्रिम राहत नहीं मिलने पर उसकी पत्नी पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। आरोपी मानविल श्रीवास्तव बीते 24 अप्रैल से मांडर थाना कांड संख्या 43/2025 मामले में जेल में है। उस पर संत अन्ना कॉन्वेंट स्कूल, मांडर के 11 लोगों से झूठा आश्वासन देकर 14 लाख 27 हजार 969 रुपये की ठगी करने का आरोप है। लगभग 11 पीड़ितों ने रांची में भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इंडसइंड बैंक में आरोपियों के बैंक खाते में 14,27,969 जमा किया। जमा राशि लेकर फरार हो गया। बाद में पीड़ितों को पता चला है कि इन आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी आदि के कई आपराधिक मामले विभिन्न अदालतों में चल रहे हैं।

तस्करी के दो आरोपियों को नहीं मिली जमानत

रांची। एनडीपीएस मामले के विशेष न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा नंबर 1 की अदालत ने अफीम की खेती करने और उसका पौधे बरामद मामले में जेल में बंद आरोपी जगदीश महतो और लखींद्र उर्फ लखीचरण महतो को जमानत देने से इनकार किया है। दोनों को उक्त आरोप में तमाड़ पुलिस ने बीते 17 फरवरी को गिरफ्तार किया था। तब से दोनों जेल में है। दोनों के खिलाफ मामले को लेकर तमाड़ थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप है कि दो एकड़ जमीन में अफीम की खेती करने का आरोप है। पुलिस ने खेत से 10 अफीम का पौधा भी बरामद किया था।

चार्जशीटेड आरोपियों की एबीपी पर सुनवाई 21 को

रांची। जेपीएससी द्वितीय सिविल सेवा नियुक्ति घोटाले में चार्जशीटेड आरोपी प्रमोद राम, संगीता कुमारी, राहुल, आनंद, रवि कुमार कुजूर और बिनोद राम की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 21 मई को होगी। याचिकाओं पर शुक्रवार को सीबीआई की विशेष अदालत में सुनवाई के लिये सूचीबद्ध थी। लेकिन, समय की मांग की गई। इस पर अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 21 मई निर्धारित की है। आरोपियों ने जमानत की गुहार लगाते हुये पिछले महीने याचिका दाखिल की है।

मनी लाउड्रिंग मामले में पहली गवाही दर्ज

रांची। पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश एसएन तिवारी की अदालत में शुक्रवार को इंडो डेनिश टूल रूम जमशेदपुर के पूर्व डीजीएम आशुतोष कुमार से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में पहली गवाही दर्ज की गई। इडी ने आरोप गठन के बाद पहली गवाही दर्ज कराई है। मामले में आशुतोष कुमार, उनकी पत्नी चयनिका कुमारी एवं रिश्तेदर केशव वत्स पर बीते 5 मार्च को आरोप तय किया गया था। उन पर इंडो डेनिस टूल रूम में काम करते हुये अपने पद का दुरुपयोग करते भ्रष्टाचार से प्राप्त धन 2.04 करोड़ रुपए से अधिक का मनी लाउंड्रिंग करने का आरोप पाया गया है। जो आय को छिपाने की प्रक्रिया में सीधे तौर पर संलिप्त पाये गये हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने आशुतोष कुमार पर अवैध तरीके से की गई कमाई को मनी लाउंड्रिंग करने के आरोप में साल 2024 में केस दर्ज किया है।

मकान मालिक व किरायेदार में विवाद, प्राथमिकी दर्ज

रांची। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के लटमा रोड में रहनेवाली रेणु देवी ने निशा सिंह व उसके पति रवि कुमार पर छेड़छाड़ व अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगायी है। इस संबंध में अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

क्या है मामला : अरागोड़ा थाना में दर्ज प्राथमिकी में रेणु देवी ने पुलिस को बताया है कि वह विगत 15 महिने से निशा सिंह के मकान संख्या एच-62 अरगोड़ा के मकान में किराए पर अपना कार्यालय चलाती थी। जहां महिला कल्याण एवं गरीब बेटियों कि सामूहिक विवाह उपरोक्त पते पर किराये के कार्यालय में समय-समय पर कार्यक्रम होता था। । मैं दिनांक 20 फरवरी को अपने भैसूर की गंभीर अस्वस्थता के कारण कार्यालय कारण कार्यालय में नहीं थी। मकान मालकिन निशा सिंह के पनि ने मेरी सहयोगी महिलाओं सिग्मी परवीन के साथ अभद्र व्यवहार एवं एवं छेड़छाड़ किया था। विरोध करने पर निशा सिंह के पति रवि कुमार ने मेरी सहयोगी महिलाओं पर हवाई फाइरिंग किया व भय दिखा कर दौड़ा-दौड़ा कर मारने की कोशिश किया था। डर के मारे किसी तरह वे जान बचा व मुझे फोन कर जानकारी दी। इस घटना के बाद मैंने जब निशा सिंह से टेलिफोन पर बात करने की कोशिश की तो उन्होंने सही ढंग से बात नहीं की। जब ऑफिस के लिए गयी तो निशा सिंह ने मकान के नीचे ही रोक लिया। और कहा कि आपका समान निकाल कर आपके रूम को कि किराया में लगा दी हूँ। आप मुझे 28,000/- दीजिए। तब में आपको सामान दूंगी। किराये के रूप में मेरा कोई बकाया नहीं है।

राज्य के नगर निगम क्षेत्रों में जय हिन्द सभा का आयोजन करेगी प्रदेश कांग्रेस

रांची। झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा आगामी 20 मई से 30 मई 2025 के बीच राज्य के नगर निगम क्षेत्रों में जय हिन्द सभा का आयोजन किया जायेगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने जय हिन्द सभा के सफल आयोजन के दृष्टिगत प्रदेश के नगर निगम क्षेत्रों में पार्टी नेताओं को प्रभारी नियुक्त किया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलेश ने बन्ना गुप्ता-मानगो नगर निगम, रवीन्द्र सिंह - आदित्यपुर नगर निगम, सुश्री यशस्विनी सहाय - रांची नगर निगम, श्रीमती अनुपमा सिंह- चास नगर निगम, जलेश्वर महतो- गिरिडीह नगर निगम, अजय दुबे- धनबाद नगर निगम, मुन्ना सिंह- हजारीबाग नगर निगम, बादल पत्रलेख- देवघर नगर निगम,केएन त्रिपाठी- मेदनीनगर नगर निगम का प्रभारी नियुक्त किया है। श्री मुंजनी ने बताया कि इन सभाओं में सेना के पूर्व सैनिक, सेवानिवृत्त कर्मी और आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे, जो हमारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा दिखाए गए सर्वोच्च शौर्य, बलिदान और देशभक्ति के प्रति सामूहिक सम्मान प्रदर्शित करना है। प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलेश ने सभी प्रभारी को निर्देश दिया है कि संबंधित जिलाध्यक्षों से समन्वय स्थापित करते हुए उपरोक्त कार्यक्रम की सफलता हेतु तिथि का निर्धारण करते हुए आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करेंगे।

हत्यारोपी ने दाखिल की जमानत याचिका

रांची। अनिल टाइगर हत्याकांड मामले में जेल में बंद आरोपी मनीष कुमार चौरसिया ने जमानत की गुहार लगाते हुए याचिका दाखिल की है। दाखिल याचिका पर सीजेएम कोर्ट ने 11 जून को सुनवाई की तारीख निर्धारित की है। आरोपी घटना के बाद से जेल में है। मालूम हो कि अनिल टाइगर बीते 26 मार्च को कांके चौक स्थित ठाकुर होटल में बैठे हुए थे। उसी समय दो मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर अनिल टाइगर की हत्या कर दी थी। घटना के दूसरे दिन इस मामले में रोहित वर्मा को गिरफ्तार किया गया है। रोहित वर्मा के स्वीकृति बयान के आधार पर ही इस मामले में मनीष चौरसिया को गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक अन्य आरोपी देवव्रत नाथ शाहदेव अभी पुलिस की पकड़ से दूर है।

पेसा कार्यशाला में सदानों को भी बुलाया जाना चाहिये था : राजेन्द्र प्रसाद

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र ने कहा कि पेसा कानून केंद्र सरकार द्वारा बनाया गया कानून है। लेकिन झारखंड सरकार को यहां की वास्तविकता को समझना चाहिये। उन्होने कहा 65 प्रतिशत मूलवासी सदान को भी कार्यशाला में बुलाकर उनका पक्ष सरकार को सुनना चाहिये था। उन्होंने कहा कि मूलवासी सदानों के सभी अधिकारों को एक एक कर छीना जा रहा है। पहले प्रमुख, मुखिया, जिला परिषद अध्यक्ष बनने से वंचित किया गया। ओबीसी एससी के आरक्षण को छीना गया और सात जिलों में ओबीसी आरक्षण को शुन्य कर दिया गया है। पेसा कानून से सबसे बड़ा नुकसान मूलवासी सदानों को होने जा रहा है।

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव को लेकर प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव ने जारी किया घोषणा पत्र

- 18 मई को होने वाले चुनाव और उसके बाद परिणाम को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई है

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां जोरों पर हैं। 18 मई को होने वाले चुनाव और उसके बाद परिणाम को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। बताते चलें कि जेएससीए के चुनाव में दो प्रमुख टीमें आमने-सामने हैं। एक तरफ अजय नाथ शाहदेव की टीम है तो दूसरी ओर कारोबारी एसके बेहरा की टीम चुनावी मैदान में हैं।

शुक्रवार को अजय नाथ शाहदेव की टीम की ओर से चुनाव से संबंधित घोषणा पत्र जारी किया गया। इस दौरान उनकी टीम के तमाम सदस्य मौजूद रहे। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता खेल क्रिकेट और क्रिकेट प्रेमी होंगे। जेएससीए में राजनीतिकरण हावी नहीं होने दिया जाएगा। स्वर्गीय अमिताभ चौधरी के नक्शे कदम पर चलने की कोशिश होगी ताकि खेल और खिलाड़ियों का विकास हो।

क्या खास है अजय नाथ शाहदेव की टीम के मेनिफेस्टो में

क्रिकेटर-केंद्रित निर्णय लेना : क्रिकेट से संबंधित निर्णयों में क्रिकेटरों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना।

पारदर्शी खिलाड़ी चयन : सभी स्तरों पर खिलाड़ी चयन में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करें।

सभी प्रारूपों में उत्कृष्टता : सभी प्रारूपों और श्रेणियों में जेएससीए टीमों के लिए शीर्ष 4 रैंकिंग हासिल करने का प्रयास।

क्रिकेट अकादमी : झारखंड में वर्ष भर गतिविधियों और पिरामिड संरचना के साथ एक प्रभावी क्रिकेट अकादमी की स्थापना करना।

अत्याधुनिक पुनर्वास : रांची में क्षेत्रीय इकाइयों के साथ एक अत्याधुनिक पुनर्वास केंद्र की स्थापना।

उन्नत लीग संरचना : मानक प्रारूप, शेड्यूलिंग और प्रदर्शन ट्रैकिंग प्रणालियों के साथ लीग और स्कूल लीग संरचनाओं में सुधार करें।

जेएससीए की प्रमुखता बहाल करना : यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बीसीसीआई में जेएससीए की प्रमुखता बहाल हो।

पूर्वी भारत में क्रिकेट हब : बीसीसीआई और मीडिया भागीदारों के साथ सहयोग के माध्यम से पूर्वी भारत में क्रिकेट हब के रूप में जेएससीए बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना।

घरेलू क्रिकेट को ऊंचा उठाना : घरेलू क्रिकेट और अकादमी के मानकों को ऊंचा उठाने के लिए उच्च प्रदर्शन कार्यक्रम और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से मार्गदर्शन प्राप्त करना।

झारखंड प्रीमियर लीग को पुनर्जीवित करना : फ्रेंचाइजी आधारित टीमों, डिजिटल प्रसारण, प्रायोजन और प्रशंसक जुड़ाव पहल के साथ झारखंड प्रीमियर लीग को एक प्रमुख खेल आयोजन के रूप में पुनर्जीवित करना।

महिला क्रिकेट विकास : समर्पित प्रशिक्षण सुविधाएं और नियमित टूर्नामेंट स्थापित करके महिला क्रिकेट विकास को मजबूत करना

जिला स्तरीय बुनियादी ढांचा : जिला इकाई की पहल का समर्थन करके जिलों में क्रिकेट बुनियादी ढांचे में सुधार करना।

प्रतिभा खोज : प्रतिभा खोज और निगरानी प्रणाली बनाएं।

पूर्व खिलाड़ियों की सहभागिता : पूर्व खिलाड़ियों को कोचिंग और मार्गदर्शन में शामिल करें।

अंम्पायरिंग और स्कोरिंग : अम्पायरिंग और स्कोरिंग को व्यवहार्य कैरियर के रूप में बढ़ावा दें।

खबर एक नजर में

समर कैंप में डीपीएस के बच्चों ने की मस्ती

रांची। दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित पांच दिवसीय समर कैंप का समापन शुक्रवार को उल्लासपूर्ण हो गया। सप्ताह भर छात्र-छात्राओं ने खेल, मनोरंजक गतिविधिया, कला एवं शिल्प, फायरलेस कुकिंग, एरोबिक्स एवं संगीत में पूरे उत्साह से भाग लिया। हर दिन उनके लिए नए अनुभव और रोमांच लेकर आया, जिसमें उन्होंने अपनी छिपी प्रतिभाओं को उजागर किया, टीम भावना सीखी और जीवन के जरूरी कौशलों का विकास किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. आर.के. झा ने अपने संबोधन में कहा हमारे छात्रों ने समर कैंप के दौरान जो ऊर्जा और उत्साह दिखाया, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। इस अवसर पर संतोष कुमार (हेडमास्टर) एवं प्राइमरी विंग इंचार्ज प्रभा सिंह भी उपस्थित थी।

गुरुनानक स्कूल में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन

रांची। गुरु नानक स्कूल में नर्सरी से लेकर कक्षा द्वितीय तक के बच्चों के लिए चार दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन शुक्रवार को हुआ। यह शिविर थीम बेस्ड था। प्रत्येक दिन के लिए एक थीम निर्धारित था। पहले दिन का थीम इंद्रधनुष था। बच्चों ने अपने आप को इंद्रधनुष के रंगों के जैसा ही सजाया तथा वैसी ही गतिविधियां की। दूसरे दिन का थीम छोटा अन्वेषक था। जिसमें बच्चों ने कुछ प्रयोग किए। तीसरे दिन का थीम रेट्रो था। उन्होंने 70 एवं 80 के दशक के अभिनेताओं एवं अभिनेत्रियों की यादें ताजा करा दीं एवं अपने डायलॉग, नाच एवं गानों से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। बच्चों के लिए मूवी शो का आयोजन किया था। अंतिम दिन गोवा के थीम पर बच्चों के लिए पूल पार्टी एवं मैजिक शो का आयोजन किया गया। प्रत्येक दिन बच्चों के लिए योगा, जुंबा एवं खेलों का आयोजन किया गया। मौके पर विद्यालय की प्राचार्य, उप- प्राचार्य एवं मुख्य अध्यापिका की तरफ से बच्चों को सर्टिफिकेट एवं पुरस्कार भी प्रदान किए गये।

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी सह प्रोजेक्ट प्रतियोगिता बाल वैज्ञानिकों ने दिखया हुनर

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के द्वारा इंस्पायर अवॉर्ड-मानक के अंतर्गत राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी सह प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला विद्यालय में किया गया। इसमें सर्वश्रेष्ठ 15 बाल वैज्ञानिकों के प्रदर्श को राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया गया। प्रतियोगिता में कुल 139 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इससे पूर्व विज्ञान प्रदर्शनी का उदघाटन मुख्य अतिथि निदेशक प्राथमिक शिक्षा शशि प्रकाश सिंह ने किया। नोडल पदाधिकारी सह आरडीडीइ नीलम आईलिन टोप्पो ने कार्यक्रम के उद्देश्य और झारखंड की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने नवाचारों पर जोर दिया। इस अवसर पर उप निदेशक माध्यमिक शिक्षा अलका जायसवाल, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार सिंह, जैक सदस्य भरत बड़ाईक ने भी अपने विचार व्यक्त किये। समापन समारोह के मुख्य अतिथि संयुक्त सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग नंद किशोर लाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। आयोजन में एरिया ऑफिसर जूही रानी, अपर्णा तिवारी, सुमित मुखर्जी, दिवाकर सिंह, डॉ शाहनवाज कुरैशी ने सक्रिय भूमिका निभायी। मंच संचालन डॉली जायसवाल ने किया।

पुलिसकर्मियों के बीच राहत सामग्री का वितरण

रांची। सेंटेविटा अस्पताल ने शुक्रवार को पुलिसकर्मियों को राहत सामग्री वितरित किया। इस पहल के जरिए अस्पताल ने यह सुनिश्चित किया कि पुलिसकर्मी लू और गर्मी से बचाव कर सकें और अपनी जिम्मेदारियां प्रभावी ढंग से निभा सकें।

संत जेवियर्स कॉलेज में कांसेप्ट ऑफ डिजाइन थिंकिंग पर कार्यशाला आयोजित

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज में शुक्रवार को गणित और सांख्यिकी विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी के द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र छात्राओं के दिमाग में उत्पन्न हुए नए विचारों के लिए प्रोत्साहित करना और क्रियान्वयन संबंधी जानकारी उप्लब्ध कराना था। मौके पर सैमसंग मार्केटिंग टीम से वक्तागण आए और लगभग 500 विद्यार्थी का ज्ञानवर्धन किया। मौके पर प्राचार्य डॉ फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजूर एसजे ने कहा कि ज्ञान छिपने की चीज नहीं है, इसे बिखेरकर स्वंय के काम में निखार लाया जाता है। सैमसंग मार्केटिंग टीम के गौरव त्यागी ने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ नए इनोवेटिव आइडियाज को सफल बनाने के लिए टिप्स दिए उसके महत्व को बताने का प्रयास किया और छात्रों से नए विचारों एवं योजनाओं से संबंधित वार्ता की। इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ रमन कुमार दास, परीक्षा नियंत्रक बी.के. सिन्हा, आईक्यूएसी कॉर्डिनेटर डॉ शिव कुमार, रजिस्ट्रार डॉ प्रभात केनेडी सोरेंग, डॉ विजय कुमार मेहता, डॉ मनोज कुमार सिंह मौजूद थे।

चौकीदार नियुक्ति की शारीरिक जांच परीक्षा की तैयारी को लेकर बैठक, मिले निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला चौकीदार नियुक्ति समिति मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में जिला चौकीदार नियुक्ति समिति की बैठक हुई। इसमें चौकीदार लिखित परीक्षा में योग्य अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता जांच परीक्षा की तैयारियों से संबंधित जानकारी ली गई। बैठक में डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा, ग्रामिण एसपी सुमित अग्रवाल, सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में डीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों को चौकीदार बहाली के तहत निर्धारित नियमों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिये।

बैठक में जीवन रक्षक दवाओं के साथ एंबुलेंस व्यवस्था सहित चिकित्सीय दल प्रतिनियुक्ति करने का भी निर्देश दिया गया। इसके अलावा सीसीटीवी एवं वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश उपायुक्त द्वारा दिया गया। चौकीदार नियुक्ति के लिए खेलगांव में आरएफआईडी (रेडियो-फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन चिप) के माध्यम से तकनीकी रूप से पारदर्शी माहौल में शारीरिक जांच परीक्षा आयोजित की जायेगी। आरएफआईडी चिप लगाने, हाइट मेजरमेंट, रजिस्ट्रेशन आदि सभी प्रक्रियाओं की फूलपूफ्र तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। अभ्यर्थियों से अपील की गयी है कि शारीरिक जांच परीक्षा में पास करवाने के लिए झांसा देनेवाले ठगों से सर्तक रहें।

ब्लड कैंसर के मरीजों के लिए संजीवनी केंद्र बना सदर अस्पताल

- हर महीने पहुंच रहे हैं 8-10 पीड़ित बच्चे

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जटिल और गंभीर मानी जानेवाली बीमारियों के इलाज के मामले में रांची का सदर अस्पताल, जिला स्तरीय अस्पताल होते हुए भी रिकॉर्ड बना रहा है। वर्तमान समय में यह अस्पताल ब्लड कैंसर की इलाज के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बन रहा है। अस्पताल में एक अलग से ऑन्कोलॉजी यूनिट भी स्थापित की गई है। जिसमें राज्य के अलग-अलग क्षेत्र से आये करीब 30 मरीज भर्ती हैं। मरीजों में अलग-अलग उम्र समूह और अलग-अलग तरह के कैंसर से पीड़ित हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि सदर अस्पताल में 8 महीने से लेकर 18 वर्ष तक के मरीजों की संख्या लगभग आधी है।

अच्छी बात यह है कि सदर अस्पताल में न सिर्फ आयुष्मान भारत योजना से ब्लड कैंसर रोगियों का फ्री में इलाज किया जाता है, बल्कि सामान्य वर्ग के मरीजों का भी इलाज लगभग फ्री ही होता है। सदर अस्पताल के ऑन्कोलॉजी यूनिट के अध्यक्ष डॉ अभिषेक रंजन ने बताया कि ज्यादातर दवाएं अस्पताल से ही मिल जाती हैं, जो बहुत राहत की बात है।

1 से 10 वर्ष के बीच वाले ब्लड कैंसर के 70-80 प्रतिशत मरीज हो जाते हैं ठीक : अभिषेक रंजन

राज्य के इकलौते हेमाटोलॉजिस्ट और सदर अस्पताल के ऑन्कोलॉजी यूनिट के हेड डॉ अभिषेक रंजन ने बताया कि 90 प्रतिशत मामलों में ब्लड कैंसर होने का कोई वजह का पता नहीं चलता है। वहीं 10 प्रतिशत मामलों में जेनेटिकल हो सकता है। उन्होंने बताया कि हर महीने 10 से 12 ब्लड कैंसर के मरीज सदर अस्पताल पहुंच रहे हैं। ऑन्कोलॉजी यूनिट के हेड ने कहा कि इसकी वजह यह है कि इन दिनों जागरूकता की वजह से दूर दराज के इलाकों से भी मरीज रांची आ रहे हैं। क्योंकि बीमारी की पहचान या डॉक्टर्स इस ओर सोचने लगे हैं।

चार दिन से ज्यादा बुखार पर दवा का असर न हो तो सावधान

डॉ अभिषेक रंजन ने बताया कि सामान्यतः जब तीन-चार दिन से अधिक समय तक बुखार रहे और बुखार की दवा का असर कम हो, बार-बार बुखार आना, हीमोग्लोबिन और प्लेटलेट्स की कमी, शरीर में खुजली, रक्तस्त्राव जैसे कई लक्षण आये तो थोड़ा सचेत हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं कि यह कैंसर हो, लेकिन यह कैंसर भी हो सकता है। इस दौरान सदर अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों के परिजनों ने सदर अस्पताल में मिल रही सुविधाओं पर संतोष जताया है।

नवनिर्मित ईएसआईसी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को अध्यक्ष परेश गट्टानी के नेतृत्व में नामकोम स्थित 220 बेड के नवनिर्मित ईएसआईसी अस्पताल का दौरा कर, अस्पताल में बीमितों के ईलाज की सुविधा, मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस अस्पताल की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। अस्पताल में अभी और भी काम जारी है। 220 बेड के नवनिर्मित अस्पताल के चालू होने से प्रदेश में बीमितों के लिए एक अतिरिक्त ईएसआइसी अस्पताल की सुविधा उपलब्ध होने पर प्रतिनिधिमंडल ने संतोष व्यक्त किया। इस क्रम में ईएसआइसी के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन के साथ वार्ता भी की गई।

चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने अस्पताल से सटे हुए भूखंड पर 50 सीट वाले मेडिकल कॉलेज खोलने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि इस भूखंड का उपयोग मेडिकल कॉलेज खोलने में करना चाहिए। इससे बीमितों के ईलाज की सुविधा में बढ़ोत्तरी के साथ ही, स्वास्थ्य क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शिक्षा में प्राथमिकता मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन भी होगा। अस्पताल निरीक्षण के क्रम में अस्पताल के समीप एक टीओपी स्थापित करने की भी आवश्यकता महसूस की गई। यह देखा गया कि अस्पताल से 7 किमी दूर पर थाना स्थित है, जिस कारण दुर्घटना के मामले में कानूनी प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब हो सकता है। यह कहा गया कि अस्पताल परिसर में ही एक छोटा कमरा बना हुआ है, जब तक टीओपी की स्थापना नहीं हो जाती तब तक अस्पताल परिसर के रूम में ही सक्षम पुलिस पदाधिकारी की पदस्थापना करने पर जिला प्रशासन को विचार करना चाहिए।

वहीं महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि 220 बेड के अतिरिक्त अस्पताल के चालू होने से इएसआईसी लाभार्थियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सकेगा। यह उन्नत अस्पताल स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी देखभाल भी प्रदान कर रहा है जिससे रांची और पडोसी जिलों के निवासियों के लिए उन्नत स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। श्रम एवं ईएसआईसी उप समिति के चेयरमेन प्रमोद सारस्वत ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल की व्यवस्था संतोषप्रद है। अस्पताल में अत्याधुनिक फॉमेर्सी और डाग्नोस्टिक सुविधा भी उपलब्ध है। हमें पूर्ण विश्वास है कि राज्य के अन्य जिलों में भी ईएसआईसी अस्पताल की स्थापना की दिशा में पहल की जायेगी।

मौके पर ईएसआईसी के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन, अस्पताल निरीक्षक डां संजीत कुमार, अशोक सावंता, अभिषेक कुमार, चैंबर अध्यक्ष परेश गप्तानी, महासचिव आदित्य मल्होत्र, कार्यकारिणी सदस्य तथा इएसआईसी में रांची जिला के मनोनित सदस्य संजय अखौरी, श्रम एवं ईएसआइसी उप समिति चेयरमेन प्रमोद सारस्वत के अलावा डॉक्टर्स उपस्थित थे।

लोहे के पोल को काटकर चोरी करने वाले गिरोह के पांच अपराधी गिरफ्तार

- घटना स्थल से चार पिकअप वाहन व 22 गैस सिलेंडर जब्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मांडर थाना की पुलिस ने हाईटेंशन तार के लोहे के पॉल को काटकर चोरी करनेवाले गिरोह के पांच अपराधियों को गिरफ्तार की है। पुलिस की गिरफ्त में आये अभियुक्तों में हफीजुल अंसारी (सकरा थाना माण्डर), मो रसीद अंसारी (ब्रहमणी थाना चन्दवा जिला लातेहार), सुनील गंझु (मुरगांव थाना बालूमाथ जिला लातेहार), बुधु गंझू (मुरगांव थाना बालूमाथ जिला लातेहार) और साहिद अंसारी (सकरा थाना माण्डर) शामिल हैं।

इस संबंध में डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि देर रात पुलिस करीब दो बजे गुप्त सूचना मिली थी कि माण्डर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सकरा से दक्षिण दिशा स्थित खेत में अभिजीत ग्रुप के द्वारा लगाया गया हाईटेंशन तार के लोहे के पॉल (टावर) को कुछ अज्ञात अपराधकर्मी के द्वारा काट कर बेचने हेतु पिकअप वाहन में लोड कर रहे हैं। उक्त सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक खलारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम सकरा पहुंची। जहां लोहे के पॉल (टावर) को कटिंग कर रहे अपराधकर्मी पुलिस को देख कर भागने लगे, जिसे पुलिस टीम के द्वारा दौड़ा कर पांचों अपराधकर्मी को पकड़ लिया गया। पुलिस ने घटना स्थल से चार पिकअप वाहन व 22 गैस सिलेन्डर को जब्त किया है। पुलिस टीम में पुअनि राहुल, थाना प्रभारी मांडर, पुअनि रंजीत किशोर, पुअनि बिरजु कुमार साव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

'वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे' पर पारस हॉस्पिटल ने आम लोगों को दी सलाह

35 की उम्र के बाद ब्लड प्रेशर की जांच है जरूरी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हर साल 17 मई को 'वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे' यानी विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों में हाइपरटेंशन के प्रति जागरूकता फैलाना और समय पर इसकी पहचान और नियंत्रण को बढ़ावा देना है। इस वर्ष 2025 में वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे का विषय 'अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें, लंबे समय तक जिएं!' है। वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे पर पारस हॉस्पिटल ने आम लोगों को सलाह दी है कि जिन लोगों की उम्र 35 के उपर हो गया है, वो नियमित रूप से अपना ब्लड प्रेशर की जांच कराएं।

हॉस्पिटल के सीनियर कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ महेश कुशवाहा ने कहा कि नियमित एक्सरसाइज और खाने में कम नमक का इस्तेमाल करने से ब्लड प्रेशर की बीमारी से बचा जा सकता है। अगर ब्लड प्रेशर से संबंधित किसी भी तरह की परेशानी हो रही हो तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए। वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे मनाने का उद्देश्य भी यही है कि लोग ब्लड प्रेशर की बीमारी के प्रति जागरूक रहें।

पारस हॉस्पिटल की इंटरनल मेडिसिन की सीनियर कंसल्टेंट डॉ माया ने कहा कि ब्लड प्रेशर एक आम बीमारी हो चुकी है। 33% की जनसंख्या में लोग ब्लड प्रेशर से प्रभावित हैं। 35 उम्र के उपर वाले लोगों को साल में कम से कम हर 6 महीने पर अपना ब्लड प्रेशर जरूर जांच कराना चाहिए। ब्लड प्रेशर की जांच नहीं होने से और अचानक बीपी बढ़ने से बहुत ही ज्यादा खतरनाक जानलेवा बीमारी हो जाती है, जिसमें कि ब्रेन हेमरेज स्ट्रोक बहुत बड़ी संभावनाएं हैं।

ब्लड प्रेशर से बचने के लिए फिजिकली एक्टिव होना होगा। प्रतिदिन 30 मिनट एक्सरसाइज और योगा करें। अपने वजन को कम करें। हेल्दी डाइट को अपने खाने में शामिल करें। कम नमक वाले डाइट को नियमित रूप से लें। स्मोकिंग और अल्कोहल से दूरी बनाये रखें। साथ ही भरपूर नींद लें। हमेशा खुश रहने का प्रयास करें। एक अच्छा और हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाएं। जिनको ब्लड प्रेशर की बीमारी हो चुकी है, वो नियमित रूप से डॉक्टर से सलाह लें और उनके द्वारा दी गयी दवाइयों का सेवन जरूर करें। दवाई को छोड़ें नहीं।

हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी कंसलटेंट डॉ कुंवर अभिषेक ने कहा कि हाइपरटेंशन को 'साइलेंट किलर' भी कहा जाता है। इसको नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। ब्लड प्रेशर को बढ़ने का मुख्य कारण अधिक उम्र, आनुवांशिकी, अधिक वजन या मोटापा, शारीरिक रूप से सक्रिय न होना, अधिक नमक वाला भोजन, बहुत अधिक शराब पीना आदि शामिल है। इससे बचने के लिए जीवनशैली में बदलाव जैसे स्वस्थ आहार खाना, तंबाकू छोड़ना और अधिक सक्रिय होना ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है। कुछ लोगों को अभी भी दवाएं लेने की आवश्यकता हो सकती है।

पारस के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि बदलती जीवनशैली, तनाव, असंतुलित आहार और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण युवाओं में भी हाइपरटेंशन के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, समय-समय पर जांच कराएं और डॉक्टर की सलाह को नजरअंदाज न करें।

एनआईबीएम में मैट्रिक, इंटर तथा स्नातक के बाद सरकारी नौकरी पर कार्यशाला आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मैट्रिक तथा इंटर के परिणाम घोषित होने के बाद युवाओं के लिए एसएससी, रेलवे, पोस्ट ऑफिस, झारखंड में असिस्टेंट पद के लिए तथा स्नातक के बाद बैंकिंग, एसएससी, रेलवे व अन्य में ऑफिसर पद के लिए प्रतिवर्ष लाखों वैकेंसी आते हैं।

इस कार्यशाला में इन पदों के पीटी, मेंस तथा इंटरव्यू में कैसे-कैसे प्रश्न पूछे जाते हैं और कम समय में हल करके निश्चित जल्द सफलता कैसे प्राप्त करें इसकी योजना पर विशेष चर्चा की गई। युवाओं को इंटर के बाद तथा स्नातक में एडमिशन लेने के साथ ही इसकी तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, तैयारी में 1 से 2 वर्ष लग जाते हैं।

निदेशक एमके गुप्ता ने बताया कि युवाओं को तैयारी करवाकर सरकारी नौकरी दिलवाने में मदद कर रहे हैं तथा कम समय में सही प्रश्नों को कैसे बनाएं इसकी रणनीति बताइए।

संस्था में लाइब्रेरी तथा रीडिंग रूम है, जहां अंतिम चयन तक युवा ग्रुप बनाकर पढ़ते हैं तथा अपनी समस्याओं को प्रतिदिन और विशेषज्ञ से पूछ कर हल कर लेते हैं। सभी शिक्षक काफी अनुभवी हैं। उन्होंने बताया बैंकिंग एसएससी रेलवे के लिए सेपरेट तथा कंबाइंड बैच तथा युवाओं की मांग को देखते हुए मैथ्स और रिजनिंग का सेपरेट बैच भी हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों में 16 तथा 19 मई से प्रारंभ की जा रही है। इच्छुक युवा एनआईबीएम के ऑफिस में आकर संपर्क कर सकते हैं।

जनजातियों की परंपरागत सामाजिक सांस्कृतिक व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं होगा : देवकुमार धान

रांची डीसी के नाम बीडीओ राहुल उरांव को नौ सूत्री मांगों का एक ज्ञापन सौंपा

खबर मन्त्र संवाददाता

सड़क पर प्रदर्शन करते पड़हा समाज के लोग।

सड़क पर प्रदर्शन करते पड़हा समाज के लोग और उन्हें रोकते पुलिस प्रशासन।

बेड़ो। आदिवासियों को एकजुट होकर अपने हक अधिकार की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करनी होगी। जनजातियों की परंपरागत सामाजिक सांस्कृतिक व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ हरगिज बर्दाश्त नहीं होगा। उक्त बातें पूर्व मंत्री देवकुमार धान ने कहीं। वे राजी पड़हा झारखंड एवं पारंपरिक स्वशासन पड़हा व्यवस्था के बैनर तले पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को अंचल कार्यालय बेड़ो का घेराव कार्यक्रम में बोल रहे थे। गौरतलब है कि घेराव करने पहुंचे सैकड़ों पड़हा समाज के ग्रामीणों को स्थानीय प्रशासन ने बेड़ो लोहरदगा सड़क पर प्रखंड मुख्यालय कार्यालय के समीप रोक दिया। जिससे आक्रोशित पड़हा समाज के ग्रामीण लोहरदगा रोड व महावीर चौक के समीप बीच सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। जिससे कुछ देर के लिए बेड़ो लोहरदगा पथ व रांची मुख्य मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा। जिससे राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। साथ ही पड़हा राजाओं, दीवानों कोटवारों व पूर्व मंत्री देवकुमार धान की मौजूदगी में पड़हा समाज के लोगों ने उपायुक्त रांची के नाम बीडीओ राहुल उरांव को नौ सूत्री मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। इसके बाद पड़हा समाज के लोगों ने आंदोलन समाप्त कर दिया। वहीं मौके पर पड़हा राजाओं और पूर्व मंत्री देवकुमार धान ने कहा कि आदिवासी समुदाय में पैतृक जमीन पर बेटियों को हिस्सा लेने का प्रावधान नहीं है। वहीं बेड़ो अंचल कार्यालय से आदिवासियों के प्रथागत कानून की जानकारी के अभाव में असंवैधानिक तरीके से आदिवासी बेटियों को पैतृक जमीन पर हिस्सा देने की कोशिश की जा रही है। जिससे पड़हा समाज के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। जो आंदोलन का सबब बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज के परंपरागत सामाजिक सांस्कृतिक प्रथा और नियमों पर छेड़छाड़ के विरुद्ध जोरदार आंदोलन चलाया जाएगा। वहीं उपायुक्त रांची के नाम बीडीओ को सौंपे गए मांगपत्र में पड़हा समाज के लोगों ने बेड़ो के अंचला धिकारी को यथाशीघ्र निलंबित करने, आदिवासी बेटियों को भू माफियाओं व सरकारी पदाधिकारी की मिलीभगत से अंचल कार्यालय द्वारा पैतृक संपत्ति पर दिए जा रहे अधिकार को रोकने, आदिवासी बेटियों के विवाह के उपरांत उस महिला के पति की तरफ से जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने, आदिवासी जमीन को सादा पट्टा के माध्यम से गैर आदिवासियों को बेचने पर रोक लगाने, आदिवासियों के गैरही, सरना व मसना आदि जमीन को गलत तरीके से किसी भी व्यक्ति के नाम से की जा रही रजिस्ट्री को रोकने, सरकार द्वारा किसी भी योजना के नाम पर की जा रही जमीन का अधिग्रहण का जांचोंपरांत सही लाभुकों को मुआवजा का भुगतान करने, खतियान ऑनलाइन करने व रसीद काटने के नाम पर अवैध वसूली पर रोक लगाने, पीएम आवास, अबुआ आवास एवं सिंचाई कूप का सही लाभ गरीबों तक पहुंचाने व पंचायत कर्मचारियों को पंचायत मुख्यालय में रहने की मांग किया। वहीं मौके पर 12,21,7,10,5 व 8 पड़हा क्षेत्र के राजा, दीवान, कोटवार, पूर्व मंत्री देवकुमार धान, डीएसपी अशोक कुमार राम, पुलिस निरीक्षक उत्तम उपाध्याय, बेड़ो थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान, इटकी थाना प्रभारी मनीष कुमार, लापुंग थाना प्रभारी संतोष यादव, बीडीओ राहुल उरांव बीपीओ संजय तिर्की व जेई सद्दाम हुसैन समेत सैकड़ों पड़हा समाज के ग्रामीण मौजूद थे।

चान्हो के दूध उत्पादक किसानों ने किया मेधा डेयरी होटवार का भ्रमण

चान्हो। प्रखण्ड के हुरहुरी दूध उत्पादक किसानों को शुक्रवार को मेधा डेयरी प्लांट होटवार का भ्रमण कराया गया। भ्रमण की जानकारी देते हुए दूध उत्पादक सहयोग समिति के अध्यक्ष सुजीत शाही ने बताया कि इसमें तकनीकी पदाधिकारी द्वारा पशुपालन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। स्वच्छ दूध उत्पादन कैसे हो इस पर विस्तार से बताया गया। साथ ही मेधा के विभिन्न उत्पाद को करीब से बनते हुए देखा किसान भ्रमण कर खुशी महसूस किये। मौके पर प्रगतिशील किसान चांदनी देवी, रीना देवी, आईसा खातून, ललिता उरांव, मंगल धनी केरकेट्टा सहित दर्जनों महिला दूध उत्पादक किसान मौजूद थे।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

▶▶ गुरुवार रात की है घटना

▶▶ पिता ने दर्ज कराया सनहा

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। सीएचसी के समीप रहने वाले कृष्णा राम का पुत्र 23 वर्षीय सोनू राम ने गुरुवार की रात फांसी के फंदे में झूल आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर रिम्स में पोस्टमार्टम कराने के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया। मामले को लेकर उसके पिता की ओर से रातू थाने में संहा दर्ज कराया गया है। पीड़ित परिवार के सदस्यों ने बताया कि खाना खाने के बाद सभी सो गये। सोनू भी अपने कमरे में चला गया। शुक्रवार की देर सुबह तक दरवाजे बंद रहने पर लोगों ने उसे जगाने की कोशिश की। लेकिन, वह नाकाम रहे। दरवाजे तोड़ लोग अंदर घुसे, तो उसे एस्बेस्टस की छत पर लगे लोहे के एंगिल में उसे गमछे के सहारे झूलते पाया। उसे नीचे उतारा गया, तब तक उसके प्राण पखेरू हो चुके थे।

मुहल्ले में पसरा मातम

मृतक के पिता पेशे से रिक्शा चालक हैं। मां का पहले ही निधन हो चुका है। सोनू का एक बड़ा भाई और एक बहन भी है। भाई को शराब की लत है। कृष्णा के आसरे परिवार का भरण-पोषण हो रहा है। उनके पास दाह संस्कार के लिये भी रुपये नहीं थे। लेकिन, थानेदार आरएन सिंह ने उसे आर्थिक मदद की। घटना के बाद मुहल्ले में मातमी सन्नाटा है।

प्रेममंजरी में डालसा का लिगल लिट्रेसी कार्यक्रम

रातू। महारानी प्रेममंजरी प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में डालसा के पीएलवी पुष्पलता, सुनीता व पुनम देवी की ओर से लिगल लिट्रेसी क्लास का आयोजन किया गया। उन्होंने बच्चियों को कानून, मौलिक अधिकार और कर्त्तव्यों की जानकारी दी। उन्हें बाल विवाह, बाल श्रम एवं पोक्सो एक्ट के बारे में भी बताया गया।

मांडर : सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के चटवल मोड़ के निकट शुक्रवार को अपराह्न लगभग चार बजे हुए सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में शोएब आलम 22वर्ष केशा बेड़ो, रुस्तम अंसारी 29वर्ष व निखत आरा 20वर्ष शामिल है जिसमे शोएब आलम एवं रुस्तम अंसारी की हालत गंभीर थी। जिनका मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के पश्चात रिम्स रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शोएब बुढ़मू की ओर से अपनी बाइक से आ रहा था। वहीं रुस्तम मांडर की ओर से उमेडंडा जा रहा था। इसी क्रम में दोनों टक्कर हो गई और गिर कर गंभीर रुप से घायल हो गए।

खलारी अंचलाधिकारी की बड़ी कारर्वाई चार अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को किया जप्त

खबर मन्त्र संवाददाता

▶▶ सीओ ने अहले सुबह बालू माफियाओं पर बड़ी कारर्वाई की

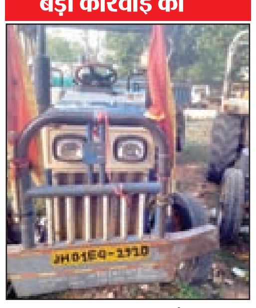

खलारी। मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र में संचालित अवैध बालू पर प्रसासन की बड़ी कारर्वाई करते हुए चार बालू लदे ट्रैक्टर को जप्त कर थाना को सुपुर्द किया। अंचलाधिकारी प्रणव अम्बष्ठ ने बताया कि माइनिंग इंस्पेक्टर रोशन कुमार व थाना प्रभारी धनन्जय कुमार के संयुक्त छापामारी कर हेसालोंग मॉंगरुतरी के पास बालूमाथ मैक्लुस्कीगंज मुख्यपथ से अहले सुबह पांच बजे चार ट्रैक्टर को जप्त किया गया। ट्रैक्टर जप्त करने से पहले चालक से ट्रैक्टर व बालू का कागजात की मांग किया गया। बालू से सम्बंधित चालक के पास से कोई कागजात नही पाया गया। ततपश्चात अंचलाधिकारी ने चारों ट्रैक्टर को जप्त कर थाना को सूचनाथर्थ किया। बताना चाहते है कि मैक्लुस्कीगंज थाना व खलारी थाना क्षेत्र से रात होते ही दर्जनों ट्रैक्टर अवैध बालू खनन व संचालन में जुट जाते है। इन सभी ट्रैक्टर चलाने के लिए एक मोटी रकम पेड किया जाता है। जिसका हिस्सा प्रसासन से लेकर सफेद वर्दी का धाक जमने वाले विधायक के व्यक्तियों तक हिस्सा पहुंचाया जाता है।

उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

मांडर। पलाश दीदी कैफे फूड क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित दस दिवसीय उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। इस कार्यक्रम में झारखंड के 12 जिलों से चयनित स्वयं सहायता समूह की 30 दीदियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण में स्थानीय व्यंजन, बेकरी, खाद्य सेवा, कैफे की स्थापना, लागत निर्धारण, बिक्री तकनीक और उद्यमिता जैसे विषयों को शामिल किया गया। इसके साथ ही दीदियों को रांची स्थित उपायुक्त कार्यालय में सफलतापूर्वक संचालित पुनम दीदी द्वारा संचालित कैफे का फील्ड विजिट भी कराया गया। यह प्रशिक्षण आई एच एम रांची और जे एस एल पी एस के बीच हुए एम ओ यू के अंतर्गत संचालित किया गया। मौके पर बोलते हुए मुख्य अतिथि जे एस एल पी एस की सी ई ओ कंचन सिंह ने कहा कि यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि झारखंड की सांस्कृतिक और पाक विरासत को सशक्त मंच भी प्रदान कर रही है। इस मॉडल को हर जिले में फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार, नितीश कुमार सिन्हा, मीनाक्षी प्रकाश समेत अन्य लोग मौजूद थे।

Jharkhand BijliVitran Nigam Limited
(CIN : U40108JH2013SGC001702)
Regd. Office : Engineering Building, H.E.C., Dhurwa, Ranchi-834004, Telephone :-0651-2400799 & Fax : 0651-2400799
https://www.jbvnl.co.inEmail- cecr2018@gmail.com

Expression of Interest (EOI) No. 17/PR/JBVNL/2025-26

Jharkhand BijliVitran Nigam Limited invites emergent short Expression of Interest (EOI) for selection of Energy Auditing Firms from the List of accredited Energy Auditing Firms for DISCOM Sector Empanelled by Bureau of Energy Efficiency (BEE) to undertake Monitoring and Verification (M&V) activities work in Jharkhand BijliVitran Nigam Limited (JBVNL) under PAT Cycle – VII

Sl. No.	Details of Work	
1	Appointment of Energy Auditing Firms from the List of accredited Energy Auditing Firms for DISCOM Sector Empanelled by Bureau of Energy Efficiency (BEE) to undertake Monitoring and Verification (M&V) activities work in Jharkhand BijliVitran Nigam Limited (JBVNL) under PAT Cycle – VII	
2	Calendar of Events :	
i	Date of publication of EOI documents at website	22.05.2025 at 15:00 hrs (IST)
ii	Start Date and Time for rate submission (Online)	23.05.2025 at 15:00 hrs (IST)
iii	Last Date and Time forrate submission (Online)	29.05.2025 at 17:00 hrs (IST)
iv	Date and Time for Opening (online)	30.05.2025 at 17:00 hrs(IST)

The tender documents with detailed conditions can be obtained through web site http://jharkhandtenders.gov.in and should upload all relevant documents as mentioned in the tender document only through online EOI-tender portal/website http://jharkhand tenders.gov.in

Save Energy, Save Nation for better tomorrow

Sd/-
General Manager (Revenue)
JBVNL, Ranchi

PR 352629 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(25-26)#D

कार्यालयः जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण-सूचना

एतद् द्वारा मत्स्य स्पॉन उत्पादकों/आपूर्तिकर्त्ताओं को सूचित किया जाता है कि जलाशय के छाड़न एवं निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों को मेजरकार्प (रेहू, कतला, मृगल, कॉमन कार्प, सिलवर कार्प तथा ग्रास कार्प) का मत्स्य स्पॉन की आपूर्ति हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉची का पत्रांक 268, दिनांक 11.02.2025 के आलोक में इच्छुक मत्स्य स्पॉन उत्पादकों से स्पॉन आपूर्ति हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 03.06.2025 के अपराहन् 01:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ के कार्यालय में स्वीकार किया जाएगा। एवं उसी दिन अपराहन् 03:00 बजे निविदा समिति के समक्ष उपायुक्त, रामगढ़ के सभागार में खोली जायेगी। निविदा आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्तें www.ramgarh.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

आपूर्ति की जानेवाली स्पॉन का विवरण

मत्स्य स्पॉन	अधिकतम निर्धारित दर मो0 550.00 रूपये प्रति लाख मात्र।

ह0/-
जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ

PR 352716 Fish(25-26)#D

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग)
कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, चतरा।

-: आम सूचना:-

:-FMD टीककारण अभियान Round 5 Phase1 एवं LSD टीकाकरण 2025-26 का सफल कार्यान्वयन :-

चतरा जिला के सभी पशुपालकों को सूचित करना है कि पशुओं में होनेवाले मुँहपका एवं खुरपका रोग एवं चर्म रोग से निजाद पाने हेतु दिनांकः-19.05.2025 से 18.07.2025 तक चतरा जिला के सभी ग्रामों में FMD टीकाकरण अभियान Round 5 Phase 1 एवं LSD टीकाकरण 2025-26 निःशुल्क प्रारम्भ हो रही है। जिसके सफल संचालन हेतु आप सभी का सहयोग अनिवार्य है।

अतः सभी पशुपालकों से अनुरोध है कि दिनांक 19.05.2025 से प्रारंभ हो रही टीकाकरण का लाभ लेने हेतु संबंधित प्रखण्ड के पशुपालन पदाधिकारी से सम्पर्क कर अपने पशुओं को टीका लगवाकर इस रोग से मुक्त रखना चाहेगें।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी, चतरा।

PR 352648 Animal Husbandry(25-26)D

कार्यालय जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़

अतिअल्पकालीन निविदा

एतद् द्वारा Mash Feed (Formulated and Extruded Mash Feed for Fish Spawn) के निर्माता अथवा अधिकृत विक्रेता को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉची का पत्रांक 268 दिनांक 11.02.2025 के द्वारा रामगढ़ जिला के निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों को Mash Feed (Formulated and Extruded Mash Feed for Fish Spawn) की आपूर्ति हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 03.06.2025 को अपराह्न 01:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ में स्वीकार किये जाएगें। एवं निविदा उसी दिन अपराहन् 03:00 बजे निविदा समिति के समक्ष उपायुक्त, रामगढ़ के सभागार में खोली जायेगी। निविदा आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्तें www.ramgarh.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

ह0/-
जिला मत्स्य पदाधिकारी
रामगढ़

PR.NO.352713 Fish(25-26):D

कार्यालयः जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण

एतद् द्वारा जाल आपूर्त्तिकर्त्ताओं को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025-26 के लिए मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉची का 268 दिनांक 11.02.2025 के द्वारा राज्य योजना के अन्तर्गत निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों को फ्राई कैचिंग नेट की आपूर्ति किया जाना है। इस प्रयोजानार्थ जाल आपूर्तिकत्ताओं से निविदा आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक जाल आपूर्तिकताओं से जाल आपूर्ति हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 03.06.2025 के अपराह्न 01:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ में स्वीकार किया जायेगा, तथा उसी दिन अपराह्न 03:00 बजे निविदा समिति के समक्ष उपायुक्त, रामगढ़ के सभागार में खोली जाएगी, निविदा आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्तें www.ramgarh.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/-
जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़

PR 352720 Fish(25-26)#D

कार्यालय जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़।

अतिअल्पकालीन निविदा

एतद् द्वारा Mash Feed (Formulated and Extruded Mash Feed for Fish Spawn) के निर्माता अथवा अधिकृत विक्रेता को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉची का पत्रांक 268 दिनांक 11.02.2025 के द्वारा रामगढ़ जिला के निबंधित मत्स्य बीज उत्पादकों को Mash Feed (Formulated and Extruded Mash Feed for Fish Spawn) की आपूर्ति हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 03.06.2025 को अपराह्न 01:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ में स्वीकार किये जाएगें। एवं निविदा उसी दिन अपराहन् 03:00 बजे निविदा समिति के समक्ष उपायुक्त, रामगढ़ के सभागार में खोली जायेगी। निविदा आमंत्रण हेतु आवश्यक शर्तें www. ramgarh.nic.in एवं जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

ह0/-
जिला मत्स्य पदाधिकारी
रामगढ़।

PR.NO.352718 Fish(25-26):D

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एंव सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग)
LHDCP योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी
जिला पशुपालन कार्यालय, खूँटी

आम सूचना :-

भारत सरकार के केन्द्र प्रायोजित योजना LHDCP योजनान्तर्गत खूँटी जिला में FMD & LSD टीकाकरण कार्यक्रम दिनांक-19/05/2025 से दिनांक-18.07.2025 तक खूँटी जिला में निःशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया जाना है। इस कार्यक्रम अन्तर्गत पशुपालकों के घर-घर जाकर खुरहा-मुँहपका (FMD) रोग के रोकथाम हेतु सुयोग्य गौ जाति एंव भैंस जाति के पशुओं को FMD का निःशुल्क टीकाकरण एंव गाँठदार त्वचा रोग (LSD) के रोकथाम हेतु केवल गौ जाति के सुयोग्य पशुओं को LSD का निःशुल्क टीकाकरण किया जाना है।

टीकाकरण के पूर्व सभी गौ वंशीय एंव भैंस प्रजाति के पशुओं को 12 अंकों के (UID) टैग से चिन्हितीकरण करते हुए भारत पशुधन ऐप में निबंधन किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी पशुपालकों से अनुरोध है कि अपने-अपने आधार नं0 एंव मोबाईल नं0 इस कार्य हेतु विभाग द्वारा प्राधिकृत टीकाकर्मियों को उपलब्ध कराकर अपने पशुओं का पंजीकरण, टैगिंग एंव टीकाकरण करवाना सुनिश्चित् करें एंव इस कार्य में विभाग को सहयोग प्रदान करें।

जिला के सभी मुखिया, वार्ड सदस्य, जिला परिशद्, पंचायत समिति सदस्य एंव अन्य सभी जन प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि इस कार्यक्रम को अपने-अपने क्षेत्र में बृहत प्रचार-प्रसार कर पशुओं का टैगिंग एंव टीकाकरण के लिए पशुपालकों को प्रेरित करें।

नोटः-अधिक जानकारी के लिए अपने प्रखण्ड के पशुचिकित्सा पदाधिकारियों से सम्पर्क करें।

टैग नही तो टीका नही।
जन-जन तक संदेश पहुँचाना है।
खुरहा-मुँहपका एंव गाँठदार त्वचा रोग को जड़ से मिटाना है।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी
खूँटी

PR 352642 Animal Husbandry(25-26)#D

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN No. U40108JH2013SGC001702)
ELECTRIC SUPPLY AREA, HAZARIBAG
JULU PARK, HAZARIBAG PIN - 825301
e-mail id: general.manager12@gmail.com | Phone/FAX : 06546-226949/ 272570

TENDER NOTICE

e-Tenders in two parts Part-I (Technical and Commercial) and Part-II (price part) are invited from the reputed tenderers having good experience of following similar type of Civil works and having sound financial status: -

Sl. No.	NIT No.	Name of the works	Estimated cost in Rs./-	Earnest money to be deposited in Rs./-	Cost of BOQ (Non-Refundable) in Rs./-	Time of completion of work.
1	22/PR/JBVNL /25-26	R/M of control room building with leak proof treatment at 33/11 KV P/S/S, Doiyadih under ESC, Koderma.	5,21,250/-	10,500/-	1475/- GST included	02 Months
2	23/PR/JBVNL /25-26	R/M of control room building with leak proof roof treatement and new sewer system at 33/11 KV P /S/S Satgawan under Electric Supply Circle, Koderma.	10,57,750/-	21,200/-	2950/- GST included	03 Months
3	24/PR/JBVNL /25-26	R/M of control room building at 33/11 KV P/S/S Koderma under ESC, Koderma.	8,24,650/-	16,500/-	1475/- GST included	02 months

Availability of tender documents on website	From 19.05.2025 at 11.00 AM to 09.06.2025 upto 18.00
Last date and time for uploading of e-tender	09.06.2025 upto 18.00
Last date and time for physical submission of original Demand Draft towards cost of BOQ and Earnest Money and no blood relation Affidavit.	11.06.2025 upto 15.00
Date and time for opening of Tender Part-I (Technical and Commercial)	13.06.2025 at 13.00
Date and time for opening of Tender Part-II (Price Part)	Will be communicated later on.
Tendering Officer and address for communication	General Manger Cum Chief Engineer, Electric Supply Area, Hazaribag. Jullu Park, Hazaribag.

1. e-Tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online on website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned (06546226949) during office hours. NIC helpline no. 0651-2400178.
2. Demand Draft from any (scheduled commercial) bank towards cost of BOQ and Earnest Money will be in favour of *Accounts Officer*, **Electric Supply Area, Hazaribag** payable at Hazaribag.
3. The tenders will be received through electronic tendering mode only. No postal transaction will be entertained. Demand draft will be submitted physically in office up to scheduled date and time.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager - Cum Chief Engineer
Electric Supply Area, Hazaribag

PR 352684 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(25-26)D

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय,रॉंची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

उपरोक्त खलारी थाना काण्ड सं0-27/2024, दिनांक-10/02/2024 धारा-307/34 भ0द0वि0 एवं 27 आर्म्स एक्ट एवं 17 सी0एल0ए0 एक्ट के अप्राथमिक अभियुक्त संजय उरांव, पिता बोले उरांव, ग्राम झुलनडीहा, थाना-पिपरवार, जिला-चतरा का द0प्र0सं0 की धारा-82 के अन्तर्गत माननीय न्यायालय से इस्तेहार निर्गत किया गया है।

Court of Sri Goutam Gobinda, J.M. XXXII, Ranchi
Schedule XLIII-High court(M) 31C, [Old Criminal Process No. 4]
PROCLAMATION REQUIRIND THE APPEARANCE OF A PERSON ACCUSED
[Form No. 4 Schedule II Act 2 1974]

खलारी थाना काण्ड सं0-27/2024
(Section 82 of the Code of Criminal Procedure.) process 82 crpc

1. नाम व शिल पता — चूंकि मेरे पास नालिश की गई है(1)
संजय उरांव, पिता बोले उरांव, ग्राम झुलनडीहा, थाना-पिपरवार, जिला-चतरा
2. किया है या करने का उस पर शुवहा है। — जो व-मुजिब दफा — मजमूअए तावीरात हिन्द के सजा के लायक है — (2) खलारी थाना काण्ड सं0--27/2024, दिनांक-10/02/2024
3. नाम संजय उरांव, पिता बोले उरांव, ग्राम झुलनडीहा, थाना-पिपरवार, जिला-चतरा
और व-तामील वारन्ट गिरफतारी जो बाद अर्जा जारी हुआ था यह कैफियत दी गई है कि (3) थाना-पिपरवार, जिला-चतरा
जब
4. फरार हुआ है या रूपोश है
ताके वारन्ट मजकुर उसपर पाये नहीं जाते है और चूंकि ब-तशफ्फी हमारे साबित किया जरी न हो सके। — गया है कि (3) जब
5. मोकाम। ग्राम झुलनडीहा, थाना-पिपरवार, जिला-चतरा फरार मजकुर इसलिए
बजरिये इस के इश्तिहार दिया जाता है कि
धारा-307/34 भ0द0वि0 एवं 27 आर्म्स एक्ट एवं 17 सी0एल0ए0 एक्ट
मजकुर साकिन
ब-मोकाम(5)
6. इस अदालतव रूबरू मेरे। — अ-हजुर(6)
ब-तारीख 02माह 04.2025 — नालिश-मजकुर
करे जवाब देही के लिए हाजिर हो
आज तारीख माह 20.02.2025 सन्

Sd. Sri Goutam Gobinda, J.M. XXXII, Ranchi

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि यदि अप्राथमिक अभियुक्त संजय उरांव, कहीं मिलते/दिखते हैं तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय/ **Sri Goutam Gobinda, J.M. XXXII, Ranchi** के न्यायालय में इसकी सूचना दें या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी जानकारी दें

पुलिस उपाधीक्षक, खलारी, रॉंची। - 9431742777
थाना प्रभारी, खलारी, रॉंची। - 9431706188

पुलिस उप-महानिरीक्षक-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक, रॉंची

PR 352675 Police(25-26).D

तंगहाल पाकिस्तान

पिछले 35 सालों में पाकिस्तान 28 बार आईएमएफ से ऋण ले चुका है। हाल के वर्षों का ही रिकार्ड देखा जाए तो 2019 से पिछले 05 सालों में ही उसने आईएमएफ से 04 बार ऋण लिए हैं। जाहिर है कि ऋण में मिलने वाले रुपयों का इस्तेमाल यदि पाकिस्तान के द्वारा अब तक सही ढंग से किया गया होता तो शायद उसको आईएमएफ के दरवाजे पर बार-बार हाथ फैलाने की जरूरत ही नहीं पड़ती, लेकिन सच तो यही है कि पाकिस्तान आईएमएफ से बार-बार कर्ज लेता है, लेकिन वह उनका उपयोग वास्तविक उद्देश्यों के लिए नहीं, बल्कि भारत के विरूद्ध अपनी जिहादी आतंकी मानसिकता को प्रदर्शित करने के लिए ही करता रहता है।, देखा जाए तो जिन परिस्थितियों में सबकुछ जानते-बूझते आईएमएफ से ऋण प्राप्त करने के लिए किसी भी देश को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य देशों के कुल वोटों का 85 प्रतिशत प्राप्त करना जरूरी होता है। साथ ही, यह जानना भी जरूरी है कि आईएमएफ में सबसे ज्यादा प्रभाव अमेरिकी वोट का होता है, जिसके पास सर्वाधिक 17 प्रतिशत वोटों का भार है। इसकी तुलना में भारत के पास वोटों का भार मात्र 03 प्रतिशत ही है। यही कारण है कि हमारे विरोध के बावजूद पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण मिल गया। देखा जाए तो इस मामले में अमेरिकी पहल का एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि हाल के वर्षों में पाकिस्तान लगातार चीन की गोद में बैठकर खेलता रहा है, जिससे अमेरिका बेहद नाराज है। वह चाहता है कि पाकिस्तान चीन से बिदककर उसके पाले में आ जाए। इसीलिए शायद उसने पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण दिलाने में मदद की है, लेकिन उसे यह भी अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान तो शुरू से ही कभी चीन तो कभी अमेरिका की गोद में बैठकर खेलता रहा है और भारत को नुकसान पहुंचाता है।

आज का राशिफल

मेष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क : नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह : कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अतः आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला : योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक : व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर : मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ : मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

मोदी का संबोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान

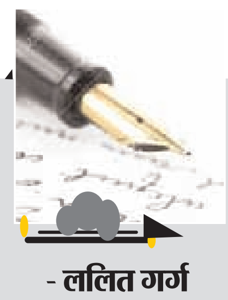

- ललित गर्ग

> जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। उन्होंने देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। तब तक तैयार रहेंगे जब तक आतंक के अड्डे खंडहरों में तब्दील नहीं हो जाते। सीमाओं पर शांति इस बात पर निर्भर करेगी कि पाक आतंकवाद को लेकर क्या रवैया अपनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते।

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में न केवल पाकिस्तान को चेताया बल्कि उसको उसकी जमीन भी दिखायी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रखर एवं प्रभावी नीति को पूरी दुनिया के सामने बड़ी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा। उनका संबोधन न केवल भारत की भावना की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह हमारे देश के सैन्य, कूटनीतिक, नैतिक बल की प्रस्तुति एवं दो सौ अस्सी करोड़ तनी हुई मुट्ठियों की चेतावनी भी है। यह कोरा उद्बोधन नहीं, बल्कि एक जागृत राष्ट्र के साहस एवं हौसलों की उड़ान है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची और नये पैमाने तय किये। पाकिस्तान की समझौते की गुहार को भी सुना, एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए भारत का यह कदम आशा एवं उम्मीद की बहुत बड़ी किरण है। लेकिन पाकिस्तान पर एक्शन सिर्फ स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। 22 मिनट का यह संबोधन पाकिस्तान के लिये एक सीख भी है और सबक भी। साथ ही यह एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की भी उन्होंने खुल कर सराहना की एवं वीरगाथा सुनाई है। भारतीय सेनाओं पर जहां पूरे देश को नाज है, वहीं प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व पर समूचे देश को भरोसा है और आज हमारा देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के समूल नाश के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। सिंदूर पोंछने का अंजाम अब हर आतंकी को पता चल गया है। मोदी ने साफ किया कि अब वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा और इस बार का प्रहार विनाशकारी एवं विध्वंसक पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। मोदी ने स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज के साम्प्रदायिक सौहार्द एवं समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने साहस एवं निर्भीकता से पाक की आतंकी मानसिकता को दुनिया के सामने उजागर किया। आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है और भारत ने अपनी शक्ति को दिखाते हुए न केवल पाकिस्तान को पस्त किया बल्कि दुनिया को चौंकाया भी है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली एवं सकारात्मक होने का आह्वान है।

मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें इक्कीसवीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है और ये स्थितियां हमने पाक के खिलाफ एक्शन में देख ली है।

जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। उन्होंने देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं।

तब तक तैयार रहेंगे जब तक आतंक के अड्डे खंडहरों में तब्दील नहीं हो जाते। सीमाओं पर शांति इस बात पर निर्भर करेगी कि पाक आतंकवाद को लेकर क्या रवैया अपनाता है। उन्होंने देश की माता-बहनों और बेटियों को आश्वस्त किया कि सरकार का ऑपरेशन सिंदूर उनकी अस्मिता व सुरक्षा के लिये समर्पित था। उस पर किसी कीमत पर आंच नहीं आने दी जाएगी। यह उद्बोधन भारत की भावी सुरक्षित एवं सशक्त दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व की महाताकत बनाने का आह्वान है। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है।

लेटर टू एडिटर

आत्मघाती अंधविश्वास

डिजिटल युग में भी समाज अंधविश्वास की जकड़ में है। फरीदाबाद में एक महिला ने तांत्रिक के कहने पर अपने बेटे को नहर में फेंक दिया। ऐसे ढोंगी तांत्रिक न केवल पैसा लूटते हैं, बल्कि अपराध भी करते हैं। सरकार को इन पर कड़ी कार्रवाई कर समाज में जागरूकता फैलानी चाहिए।

-वीरेंद्र कुमार रांची

आयुर्वेद उत्थान

मोदी सरकार द्वारा 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस घोषित करना सराहनीय कदम है। यह समग्र चिकित्सा प्रणाली सस्ती, प्रभावी और साइड इफेक्ट रहित है। पहले यह दिवस धनतेरस को मनाया जाता था, पर अब नई तारीख अधिक उपयुक्त मानी गई। सरकार और आयुष मंत्रालय से अपेक्षा है कि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कर जनजागरूकता बढ़ाई जाए।

- युगल किशोर, गढ़वा

X ट्वीट

जीवन से संसार से परिवार से व्यापार से धर्म अलग हुआ तो धर्म एक बोझिल ड्यूटी मात्र रह जाती है और उसका पालन कुछ अनहोनी क्षति का भय या सामाजिक भय या झूठा दिखावा या आंतरिक लोभ के कारण किया जाता है। निष्कर्ष धर्म आनंदित प्रेमपूर्ण जीवन की विशुद्ध कला ही है जो इनविल्ट रहती है , वैसा जीवन जिसमें ज्ञान बोध युक्त होना प्रमुख होता है इसका श्रोत सद्गुरु की वाणी शास्त्र आत्मचिंतन एवं आचरण अभ्यास है इसी को धार्मिक आध्यात्मिक जीवन होना समझें और इसका परिणाम प्रेम शांति आनंद से भरपूर जीवन है।

जीवन से धर्म की मृत्यु हो जाएगी जीवन निरस बोझ बन जाएगा। **- दास ऋतेश्वर**

वक्फ बाय यूजर और शत्रु संपति : मालिकाना हक सरकार का है

डॉ मयंक

सामयिक

वक्फ कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इस्?लामवादियों ने देश के उच्चतम न्यायालय को 70 याचिकाओं के माध्?यम से बताना चाहा है कि केंद्र की मोदी सरकार जो वक्फ कानून में संशोधन लेकर आई है वह गैर संवैधानिक है। इसमें ह्यवक्फ बाय यूजर पर होने वाली जिरह बहुत महत्?व रखती है। न्?यायालय का केंद्र सरकार से तर्क है कि वक्फ बाय यूजर के जरिए तो हजारों साल से चली आ रही इस्?लामिक संपत्तियों का दर्जा खत्म हो सकता है, जिसके बाद सरकार ने विस्तार से इसका जवाब देने के लिए कोर्ट से एक सप्ताह का समय मांगा।

देखा जाए तो न्यायालय में चल रही वक्फ बाय यूजर की बहस ने आज भारत में शत्रु संपतियों की भी याद दिला दी है। वर्तमान में जो दो समानताएं वक्फ बाय यूजर और शत्रु संपति में दिखाई देती हैं, एक- यह कि अधिकांश सभी संपत्तियां विशुद्ध रूप से सरकारी हैं और जिन संपत्तियों को निजी बताया जा रहा है, उनमें अधिकांश के पास उसके कोई भी वैध दस्तावेज नहीं है। ऐसे में यदि किसी का हक इन पर हो सकता है तो वह सरकार है। सरकार ने बताया है कि प्रबंधन और धार्मिक मामले अलग-अलग हैं। संपत्ति के प्रबंधन और धार्मिक मामलों से जुड़े मामलों के बीच फर्क करना होगा। संपत्ति का प्रबंधन ऐसा काम है जिसका धर्म या संप्रदाय से कोई ताल्लुक नहीं है। बोर्ड और वक्फ परिषद यह काम कर रहे हैं।

अब कोई कह सकता है कि वक्फ बोर्ड भी तो मुसलमानों का मजहबी मामले में स्थापित एक निकाय है। हिन्दुओं या अन्य किसी गैर मुसलमान के धार्मिक ट्रस्ट की तरह। पर देखा जाए तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। वक्?फ की अवधारणा के अनुसार वक्फ की गई संपत्ति का उपयोग सिर्फ परोपकार के काम में हो सकता है लेकिन आज व्यवहार में ज्यादातर वक्फ संपत्तियों का उपयोग व्यवसायिक होना पाया गया है। जिसके चलते यह बात स्पष्ट होती है कि वक्फ बोर्ड आज इस्लाम के नाम पर संपत्त अर्जति करने का माध्यम है, जो जब चाहे तब किसी भी संपत्त पर अपना दावा ठोक देता है। इसलिए यह वक्फ बोर्ड विवादों में आया, जिसके चलते केंद्र सरकार को इसमें संशोधन करने की आवश्यकता पड़ी।

कुल मिलाकर यह सिर्फ महजबी मामला नहीं क्योंकि वक्फ बोर्ड नियम के अनुसार ऐसा नहीं है कि आने वाले समय में वक्फ बोर्ड किसी संपत्ति पर अपना दावा करना छोड़ देगा। हां, अब इसमें इतना जरूर होगा कि यदि वह पूर्व की भांति किसी भी संपत्ति पर अपना दावा करता है तो उस संपत्ति को उसे नए नियमों के अनुसार कागजों पर स्थापित करना होगा। पाकिस्तान जाने वाले भारत छोड़ते वक्त जो संपत्तियां वक्फ कर गए, उन सभी संपततियों पर वर्तमान में वक्फ बोर्ड का अधिकार है। इसी तरह से ज्यादातर इस्लामिक बादशाहों की बनवाई इमारतों पर वक्फ अपना अधिकार जताता है, लेकिन ये दोनों ही प्रकार की संपत्तियां पूरी तरह से सरकारी हैं। क्योंकि बादशाहों के समय जो इमारतें देश में बनी, उनके शासन के हटते ही समय-समय पर अन्य तत्कालीन शासकों के अधीन वे रहती आई हैं। पुर्तगाली, डच, फ्रांसिसी, अंग्रेज आए, स्वतंत्र राजा-महाराजाओं की सत्ता भी रहीं, फिर उसके बाद शासन भारत सरकार का आया, नए सिरे से संविधानिक प्रावधान 1950 से लागू हुए। ऐसे में समय के साथ स्वभाविक तौर पर जमीन का मालिकाना हक बदलता रहा। आज यह सभी भूमि-भवन सरकार की मिल्कीयत हैं, पर वर्तमान में अनेकों पर वक्फ बोर्ड का कब्जा है और वह उनसे धन कमा रहा है। इनमें आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (अरक) की 256 संरक्षित इमारतें भी शामिल हैं। इतना ही नहीं ईसाई एवं अन्य धर्म, संप्रदाय की भूमि एवं भवन पर भी इसने कई राज्यों में दावा कर रखा है। आज विवाद का कारण यही है, जैसा कि संसद में पेश हुई संयुक्त संसदीय कमेटी की रिपोर्ट में बताया गया, वक्फ बोर्ड ने पूरे देश में 58,000 से ज्यादा संपत्तियों पर कब्जा कर रखा है।

इतिहास से कैसे ये वक्फ बोर्ड खिलवाड़ कर रहा है, इसको आप दिल्ली की कुतुब मीनार क्षेत्र, सुंदरवाला महल, बाराखंभा, पुराना किला, लाल बंगला, कर्नाटक का बीदर किला, कलबुर्गी स्थित गुलबर्ग किले को अपना बताए जाने की मानसिकता से समझ सकते हैं। वहीं, इसने कई प्राचीन जामा मस्जिदें, सूफी-संतों की दरगाहें और गुंबदों पर भी दावा कर रखा है। रेलवे की 2704 वर्ग मीटर जमीन पर वक्फ बोर्ड ने कब्जा कर लिया है। जयपुर रेलवे स्टेशन की 45.9 वर्ग मीटर और जोधपुर रेलवे स्टेशन की 131.67 वर्ग मीटर जमीन को भी वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया गया है। वर्तमान में वक्फ बोर्ड की जमीन 9.4 लाख एकड़ जमीन में फैली है।

पाकिस्तान को बेलआउट पैकेज देना गलत

चेतनादित्य आलोक

सामयिक

पाकिस्तानी सेना अब स्पेशल इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन काउंसिल में भी बड़ी भूमिका निभाने लगी है, जो इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान में हालात अभी भी सुधरे नहीं हैं, बल्कि दिनोंदिन और बद से बदतर ही होते जा रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी भीषण तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी इंटरनेशनल मानेटरी फंड (आईएमएफ) की ओर से पाकिस्तान के लिए बेलआउट पैकेज को मंजूरी दे दी गई। इसके कारण इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका बनी हुई है। देखा जाए तो भारत की यह आशंका निराधार और निरर्थक भी नहीं, क्योंकि यह जगजाहिर हो चुका है कि पाकिस्तान की आर्थिक नीतियों में उसकी सेना की दखलंदाजी काफी ज्यादा रहती है। साथ ही, पिछले लंबे समय से ऐसे प्रमाण भी लगातार मिलते रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाली किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद का इस्तेमाल पाकिस्तान भारत के विरूद्ध आतंकवादियों को पालने-पोसने एवं आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देकर निर्दोष लोगों की हत्या कराने के लिए करता रहा है। समय-समय पर इसके प्रमाण मिलते भी रहे हैं। फिलहाल, इसका ताजा उदाहरण पहलगाम के बैसरण घाटी की वह दिल दहला देने वाली घटना है, जिसमें आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की उनके परिवार वालों विशेषकर स्त्रियों और बच्चों के समक्ष उनका धर्म पूछ-पूछकर अत्यंत बेरहमी से हत्या कर दी थी। वैसे, 2021 में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हो चुका है कि पाकिस्तान एक प्रकार से सेना आधारित व्यापार करने वाला देश है, जो दान तथा ऋण में मिले रुपयों का उपयोग भारत के विरूद्ध आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने में करता रहा है।

इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सेना अब ह्यस्पेशल इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन काउंसिलह्न में भी बड़ी भूमिका निभाने लगी है, जो इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान में हालात अभी भी सुधरे नहीं हैं, बल्कि दिनोंदिन और बद से बदतर ही होते जा रहे हैं। वहीं, पिछले दिनों पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मुल्ला आसिम मुनीर का भाषण सुनने के बाद तो यह भी बिल्कुल स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तानी सेना एक पेशेवर सेना नहीं, बल्कि जिहादियों जैसी भाषा बोलने और व्यवहार करने वाला एक धार्मिक संगठन मात्र है, जिसकी कमाई का मुख्य आधार व्यापार है। ऐसे में आईएमएफ से मिलने वाली आर्थिक मदद के कारण भारत के विरूद्ध इस क्षेत्र में सैन्य एवं आतंकी आक्रामकता और क्रूरता का जोखिम पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। देखा जाए तो भारत ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपनी इन्हीं चिंताओं से अवगत कराते हुए यह निवेदन किया था कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत सुधारने के नाम पर उसके द्वारा मांगा जाने वाला ऋण आईएमएफ की ओर से मंजूर नहीं किया जाना चाहिए।

भारत ने विरोध स्वरूप 09 मई को आईएमएफ के एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) लेंडिंग प्रोग्राम पर मतदान भी नहीं किया, जिसमें पाकिस्तान के लिए 01 अरब डॉलर के ईएफएफ लेंडिंग और 1.3 अरब डॉलर के नए लोन पर आईएमएफ द्वारा विचार किया जाना था। भारत की ओर से इस दौरान पाकिस्तान में आईएमएफ कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर अपनी चिंता प्रकट करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष स्पष्ट शब्दों में कहा भी था कि पाकिस्तान लोन फाइनेंसिंग का इस्तेमाल सीमा पार (मुख्यतः भारत में) आतंकवाद के लिए कर सकता है। इसके बावजूद आईएमएफ ने 09 मई को 02 साल की अवधि के लिए पाकिस्तान को 1.3 अरब डॉलर का नया ऋण प्रदान कर ही दिया।

सिरम टोली से मेकॉन चौक रांची तक केबल ब्रिज का काम पूरा हो चुका है। सुरक्षा जांच के बाद इसके शुभारंभ मई-जून में संभव है। रांची शहर के यातायात को यह सुगम बनायेगा। फोटो- अजय सानी

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

रोटरी क्लब ने उरीमारी में दिव्यांगों को दिया व्हीलचेयर व श्रवण यंत्र

भुरकुंडा (रामगढ़)। लघु उद्योग भारती रामगढ़ के सौजन्य से रोटेरियन प्रवीण शर्मा और परमजीत सिंह धामी ने शुक्रवार को उरीमारी के गरसुल्ला में दिव्यांग के बीच व्हीलचेयर और श्रवण यंत्र का वितरण किया। उन्होंने कहा कि यह सहायता विशेष रूप से उन लाभुकों के लिए थी जो गरसुला गांव जैसे दूरदराज के क्षेत्रों से आते हैं और पुरी तरह से असमर्थ हैं, जिनके लिए रामगढ़ तक पहुंचना बेहद कठिन था। इन लाभुकों की सहायता के लिए रोटरी क्लब ऑफ भुरकुंडा ने मानवीय पहल करते हुए व्यक्तिगत रूप से इनसे संपर्क किया और उनके घर जाकर व्हीलचेयर सौंपा। रोटरी क्लब भुरकुंडा ने लघु उद्योग भारती रामगढ़ के इस नेक कार्य के लिए आभार प्रकट किया है और आश्वस्त किया है कि भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों में उनका पूर्ण सहयोग बना रहेगा।

तोपा प्रबंधन व बुद्धिजीवी मंच में वार्ता

कुजू। विभिन्न मांगों को लेकर लोकल विस्थापित प्रभावित बुद्धिजीवी मंच द्वारा सौंपे गये आवेदन के आलोक में शुक्रवार को तोपा प्रबंधन के साथ वार्ता हुआ। आवेदन में 1980 में भुमि अधिग्रहन होने बाद आज तक सभी रैयतों को नौकरी व मुवाबजा प्रबंधन के द्वारा नहीं देने, संविदा निकलने से यहां के लोकर ठेकेदार जिनका जीविकोपार्जन चलता था उसके जगह पर बडी संविदा निकाल उन्हे वंचित रखा जा रहा है, रोड सेल में कोयला उत्पादन का बहुत कम प्रतिशत ही रोड सेल में दिया जा रहा है, शादी विवाह व श्राद्धकर्म में जलावन के लिए कोयला उपलब्ध कराने, तोपा में चल रहे जर्जर बस के जगह पर दो नए बस का संविदा निकाल कर चलाने, जिससे छोटे बच्चे व बड़े स्कुली बच्चों को ससमय बस की सेवा उपलब्ध हो सके। वार्ता में तोपा पीओ एमके सिंह, मैनेजर चंद्रवीर नारायण, सेल आफिसर आलोक,पर्सनल ऑफिसर अमित साडंगी, विद्युत व यांत्रिक पदाधिकारी आकाश कुमार सिंह, भूमि व राजस्व पदाधिकारी निलेश कुमार, डाडी जिप सदस्य सर्वेश कुमार सिंह आदि शामिल थे।

भुरकुंडा में निकाली गयी कलश यात्रा

भुरकुंडा (रामगढ़)। सयाल मोड़ स्थिल शीतला मंदिर प्रांगण में विराजमान मां दक्षिणेश्वरी काली मंदिर के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय यज्ञ शुरू हुआ। यज्ञ 16 से 18 मई तक चलेगा। शुक्रवार को सुबह कलश यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरूष व बच्चे शामिल हुए। कलश यात्रा मां शीतला मंदिर से प्रारंभ होकर पटेलनगर, भुरकुंडा बाजार, हॉस्पिटल कॉलोनी होते हुए छठ मंदिर नलकारी नदी तट पहुंची। जहां पुरोहित द्वारा पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलशों में जल भरवाया गया। तत्पश्चात कलश यात्रा वापस मंदिर लाया गया और विधिवत स्थापना की गई। कलश यात्रा में पूर्व जिप उपाध्यक्ष सह यज्ञ समिति के सचिव मनोज राम, अध्यक्ष रोशन नायक, कोषाध्यक्ष राजन नायक, विनोद सिंह, उत्तम सिन्हा, विजय वर्णवाल, विजय वर्मा,कविता देवी, पुनम देवी सहित दर्जनों श्रद्धालु शामिल हुए।

कम मार्क्स भविष्य में बाधक नहीं

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्री अग्रसेन स्कूल, भुरकुंडा के प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि छात्रों और अभिभावकों से कहा कि हमें समझना होगा कि आपके तनाव पालने से सीबीएसइ का रिजल्ट बदल नहीं सकता है। जो भी आया है और जितना आया है उसे सहर्ष स्वीकार करें। भविष्य में आगे के लक्ष्य पर फोकस करें। न खुद तनाव लें, न ही बच्चे को तनाव में जाने दें। प्रधान ने कहा कि कम मार्क्स भविष्य निर्माण के लिए कोई बाधक नहीं है। ये बात आप भी समझें और बच्चे को भी आश्वस्त करें। मनपसंद कॉलेज में एडमिशन नहीं होगा, लेकिन उससे एक पायदान नीचे के कॉलेज में भी एडमिशन हुआ और अच्छे से पढ़-लिख लिए तो यकीन मानिए बात बराबर होगी।

लोकप्रिय हो रहा सेल्फ स्पेस लाइब्रेरी

भुरकुंडा (रामगढ़)। पटेलनगर भुरकुंडा स्थित एसबीआई बैंक के समीप थर्ड फ्लोर पर संचालित सेल्फ स्पेस लाइब्रेरी विद्यार्थियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यह लाइब्रेरी युवाओं को न केवल अध्ययन के लिए शांत और सकारात्मक माहौल प्रदान कर रही है, बल्कि उनमें एकाग्रता, आत्मनिर्भरता और प्रेरणा का संचार भी कर रही है। लाइब्रेरी का प्रबंधन कर रहे आशीष कुमार, राहुल वर्मा और सतीश वर्मा ने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में सफलता प्राप्त करने के लिए सेल्फ स्टडी सबसे अहम है। इसी सोच को साकार रूप देते हुए यह लाइब्रेरी युवाओं के लिए एक ऐसा मंच बन गई है जहां वे बिना किसी बाधा के अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं। स्थानीय स्तर पर विद्यार्थियों के बीच इस लाइब्रेरी के प्रति विश्वास दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। सुबह से शाम तक यहां सैंकड़ों छात्र-छात्राएं पूरी लगन के साथ पढ़ाई करते हैं। संस्था के निदेशक आशीष कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों को एक ऐसा माहौल मिले, जहां वे खुद से जुड़ सकें, अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें और शिक्षा के महत्व को समझें।

हजारीबाग पुलिस आरोगंट या सर्विंग

जूनियर्स को डीआइजी और एसपी से सिखने की जरुरत

अभय कुमार सिंह

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस में सुधार की जरुरत है। ड्रग्स पेड्लर के खिलाफ कार्रवाई में मिली सफलताओं के बावजूद, कुछ पुलिस थानों में चल रही 'सेटिंग' ने जिले की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल के दिनों में हजारीबाग पुलिस ने कुछ ड्रग्स पेड्लर को धर दबोचा है। इस पर पुलिस की तारीफ होनी चाहिए, लेकिन जिले के कुछ थाना अब सेटिंग के अड्डे बन गए हैं। कहीं कोयला माफिया की सेटिंग चल रही है, तो कहीं जमींन विवाद को लेकर 'समझौता'। यहाँ तक कि सूदखोरों के लिए भी थानों में 'सेटिंग' का धंधा फल-फूल रहा है। ऐसी बातें कई लोगो के जुबान से अक्सर सुनने को मिलता रहता है जिसमे सच्चाई भी है। सूत्र बताते है कि थानों में 'सेटिंग' इतनी आम हो चुकी है कि यदि आपका कोई रिश्तेदार वहां काम करता है, तो आपकी मुश्किलें यूं ही हल हो सकती हैं। थानों में पुलिसकर्मियों का रवैया आम आदमी के प्रति तानाशाह जैसा हो गया है। सोशल पोलिसिंग के नाम पर केवल कैंप लगाकर फोटो खिंचवाना महज दिखावा बनकर रह गया है। जब सभी जगह तीसरे आँख की निगहबानी है तो थानों के भी हर कोने को सीसीटीवी से लैस करने की जरुरत है। कौन कौन थाने में हर रोज आते जाते है, वहा कितने देर रुकते है, जाने के पीछे वजह क्या होती है इसकी जानकारी आलाधिकारियों को होनी चाहिए। बिहार में इसको लेकर कार्य भी शुरू हो गया है। डीआईजी संजीव कुमार व एसपी अरविन्द कुमार सिंह की कार्यशैली बाकी पुलिसकर्मियों के लिए मिसाल है। ये दोनों अधिकारी न सिर्फ जनता की बात सुनते हैं, बल्कि समस्या के हल के लिए कड़ी मेहनत भी करते हैं। जरूरत है कि थानों के जूनियर स्टाफ को इनसे ट्रेनिंग दिलाई जाए। उन्हें सिखाया जाए कि कैसे आम नागरिकों की बातों को गंभीरता से सुना जाए और संवेदनशीलता के साथ उनका समाधान किया जाए। खासकर संजीव कुमार को देखकर सिखने की जरुरत है कि कैसे इतने बड़े ओहदे पर होने के बावजूद वे डाउन टू अर्थ है। आज लोग थाना छोड़कर अपने समस्याओ के समाधान के लिए उनके पास जाना पसंद करते है। हजारीबाग पुलिस के आला अधिकारियों का मिजाज यदि हर थाने में दिखने लगे, तो जिले के कानून-व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है। वर्ना थानों की सेटिंग सिस्टम जनता के विश्वास को रौंदती रहेगी और अपराधी बेखौफ अपना खेल खेलते रहेंगे।

वीर सैनिकों के सम्मान में भाजपा ने रामगढ़ में निकाली तिरंगा यात्रा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की सैन्य शक्ति को पूरी दुनिया ने देखा : राकेश प्रसाद

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर देश के वीर सैनिकों के सम्मान में शुक्रवार को रामगढ़ में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई।

झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा कि भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम की दास्तान ऑपरेशन सिंदूर की गूंज के साथ रामगढ़ में निकली भव्य तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति, वीरता और सम्मान का जीवंत उत्सव है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की सैन्य शक्ति को दुनिया ने देखा। रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता के नेतृत्व में भव्य तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा शुक्रवार को 10 बजे रामगढ़ प्रखंड कार्यालय परिसर से बिजुलिया ,फुटबॉल ग्राउंड, सुभाष चौक होते हुए जैन मंदिर तक किया गया । राजू चतुर्वेदी ने बताया कि यह यात्रा हाल ही में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सफलतापूर्वक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक विजय को समर्पित रही।

विधायक रोशन लाल चौधरी ने ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेने वाले वीर सैनिकों, वायु सेना ,नौसेना और सभी सुरक्षा बलों को नमन करते हुए कहा कि भारत ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि वह आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में पूरी तरह सक्षम है। विधायक तिवारी महतो ने कहा कि तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा के माध्यम से हम सबने सैनिकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट किया। सिंदूर की रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत इरादों को दुनिया ने देखा है। यह तिरंगा यात्रा भारत के शौर्य और सेना के अदम्य साहस को समर्पित है। आतंकवाद के विरुद्ध इस लड़ाई में तिरंगा हमारी एकता, हमारी अखंडता का परिचायक है।

तिरंगा यात्रा में प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार,रामगढ जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, जिला प्रभारी शशि भूषण भगत, रंजीत कुमार सिन्हा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अमरेन्द्र कुमार गुप्ता,रणंजय कुमार, डॉ संजय कुमार सिंह , डॉ संजय प्रसाद सिंह,विनोद राम, दिलीप कुमार दांगी, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, प्रिया करमाली अंकित सिंह व एनसीसी कैडट्स के छात्र -छात्राएं शामिल हुए।

एसडीओ और सेटलमेंट अफसर के बिना चल रहा है हजारीबाग जिला

हजारीबाग। जिला इस समय गंभीर प्रशासनिक संकट का सामना कर रहा है। जिले के डीटीवो वैद्यनाथ कामती को एसडीओ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, लेकिन स्थायी नियुक्ति अब तक नहीं हुई है। दूसरी ओर, सेटलमेंट अफसर इंदू गुप्ता 31 जनवरी 2025 को सेवानिवृत्त हो गईं, जिसके बाद से यह पद खाली है। पिछले चार महीनों से कोई भी अधिकारी इस पद का प्रभार लेने सामने नहीं आया है। सेटलमेंट ऑफिस के बड़ा बाबू मनीष मोहन ने इस संबंध में कहा कि अधिकारी के नहीं होने से ऑफिस के दैनिक कार्यों में थोड़ी परेशानी आ रही है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बंदोबस्त कार्यालय के कामकाज में कोई बड़ी बाधा नहीं आई है। इस स्थिति पर हजारीबाग की उपायुक्त नैंसी सहाय ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, सेटलमेंट अफसर की नियुक्ति के लिए कमिश्नर से बातचीत करूंगी। यह नियुक्ति राज्य स्तर से होती है। जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा। एसडीओ के पद पर भी नियुक्ति के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

बीडीओ ने अबुआ आवास का किया औचक निरीक्षण

कुजू। कुजू पश्चिमी पंचायत में आधे दर्जन अबुआ आवास का मांडू बीडीओ रितिक कुमार ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। बीडीओ ने पंचायत क्षेत्र में करीब छह लाभुक दुर्गा नायक, सुमित्रा देवी, रश्मि कुमारी, सुमन देवी, सुषमा देवी, चंद्रिका देवी को जल्द से जल्द मिले किश्त के अनुसार निर्माण कार्य में तेजी लाकर पूर्ण करने का निर्देश दिया। कार्य नहीं पूर्ण करने पर मिली राशि को अविलंब वापस करने की बात कही। मौके पर ब्लॉक कोऑर्डिनेटर कमल कुमार साव, पंचायत सेवक शशि किरण समेत कई अधिकारी शामिल रहे।

रामगढ़ में 680 बोतल नकली शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ पुलिस ने 680 बोतल नकली शराब बरामद किया। इस मामले की जानकारी शुक्रवार को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी अजय कुमार ने बताया कि एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो बी आर 01 पी बी 6620 से अवैध नकली शराब की तस्करी होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर रामगढ़ थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी शुरू की गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर वाहन चेकिंग अभियान के दौरान मायाटुंगरी मंदिर के सामने सफेद रंग का स्कॉर्पियो को आते देख रूकने का ईशारा किया तो वाहन का चालक पुलिस को देखकर वाहन खड़ा कर भागने लगा। पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत सकरा थाना क्षेत्र निवासी अशोक कुमार से पुलिस ने पूछताछ की। उसने बताया कि वह नकली शराब की तस्करी अपने दोस्तों के साथ मिलकर कई महीनो से कर रहा था। उसने अपने स्कॉर्पियो में ही शराब रखने के लिए अलग से बॉक्स बना रखा था ताकि पुलिस को पता ना चले। पुलिस ने उसे गाड़ी से 8 पीएम प्रीमियम ब्लैक सुपीरियर व्हिस्की 180 एमएल की 680 पीस बरामद की है। उन सभी बोतलों पर फोर सेल इन उत्तर प्रदेश ऑन लिखा हुआ था। छापामारी में थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह, पुअनि बीरबल हेम्ब्रम, पुअनि उपेन्द्र कुमार, पु अनि दीपक रजक, आरक्षी 226 जितेन्द्र कुमार साहु, गृहरक्षक अजय करमाली, संतोष कुमार, पंचानन महतो शामिल थे।

दीक्षा एकेडमी में सम्मान समारोह आयोजित

रामगढ़। झंडा चौक स्थित दीक्षा एकेडमी में शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मण कुमार और संचालन ललन कुमार ने किया। समारोह में सीबीएसई 10वीं और 12वीं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को बुके देकर स्वागत किया गया और उनका उत्साह बढ़ाया गया। लक्ष्मण कुमार ने कहा कि दीक्षा एकेडमी छात्र छात्राओं को गुणवता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि हमारी एकेडमी में बेहतर शैक्षिक माहौल होने के कारण यहां के विद्यार्थियों ने नीट और आईआईटी एडवांस में भी सफलता अर्जित कर संस्था का मान बढ़ाया है। साथ ही कई अन्य क्षेत्रों में भी यहां के छात्र छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है।

रामगढ़ के 425 आंगनबाड़ी केंद्रों में बनेगा भवन

खबर मन्त्र संवाददाता

उपायुक्त ने 23 मई तक जमीन उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

रामगढ़ । रामगढ़ जिले में 15 नवंबर तक सभी आंगनबाड़ी के केंद्रों का अपना भवन होगा। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित एनआईसी कक्ष में उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो ने जानकारी दी गई कि वर्तमान में रामगढ़ प्रखंड में 29, दुमली प्रखंड में 46, गोला प्रखंड में 41, चितरपुर प्रखंड में 42, मांडू प्रखंड में 111 एवं पतरातू प्रखंड में 156 आंगनबाड़ी केंद्रों में वर्तमान अपना भवन नहीं है। उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सर्वे कर जमीन उपलब्ध कराने का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा 23 मई तक कम से कम आधे आंगनबाड़ी केंद्रों के जमीन उपलब्धता से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया वहीं मई के अंत तक सभी 425 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त द्वारा जमीन उपलब्ध होने के उपरांत जुलाई महीने से सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का यह लक्ष्य है कि 15 नवंबर तक सभी 425 आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाए एवं दिसंबर माह से सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन शुरू कर दिया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उपायुक्त ने कहा कि अगर किसी कारणवश किसी क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्र के लिए जमीन उपलब्ध नहीं हो पता है तो वैसी स्थिति में स्थानीय लोगों को जमीन दान करने के लिए प्रेरित किया जाए। जमीन दान करने वाले लोगों को जिला प्रशासन की तरफ से सम्मानित किया जाएगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उपायुक्त ने वर्तमान में आंगनबाड़ी केंद्रों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं यथा पेयजल, शौचालय, विद्युत आदि की समीक्षा करते हुए उनकी पर्याप्त उपलब्धता सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में सुनिश्चित करने को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

एक नजर में

एमओ ने पीडीएस दुकानदारों के साथ की बैठक

बरही। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी (एमओ)संजय यादव ने शुक्रवार को प्रखंड के सभी जन वितरण प्रणाली दुकानदारों के साथ की बैठक। बैठक में एमओ ने दुकानदारों से 15 जून तक एक साथ दो माह का राशन वितरण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी विक्रेताओं को 15 दिनों के अंदर जून, जुलाई एवं अगस्त माह का राशन मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि जून तक शेष केवाईसी को पूरा कर लें। बैठक में डीलरों ने कई जगहों पर नेटवर्क नहीं रहने की शिकायत की। बैठक में अध्यक्ष डोमन पांडे, सचिव केदार यादव, कोषाध्यक्ष सुकदेव साव, बंटी ठाकुर, संतोष केशरी, छोटेलाल राम, मो कयूम, राम-लखन यादव, नंदकिशोर कुमार, मंटू ठाकुर, किशोर ठाकुर, विद्या देवी, प्रदीप यादव, मो जहूर, चंद्रदेव रविदास, अर्जुन राम, प्रमेश्वर यादव समेत कई डीलर मौजूद थे।

नकदी व आभूषण लूटने वाले दो गिरफ्तार

बरही। बरही पुलिस ने नशीला पदार्थ देकर लोगों से लूटपाट करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों यात्री बस से रांची से पटना जा रहे थे। पुनि सह थाना प्रभारी आभाष कुमार ने बताया कि टिंकू स्वर्णकार, पिता मथुराचंद्र स्वर्णकार, ग्राम+पोस्ट ऑफिस भगतडीह, थाना झरिया जिला धनबाद ने आवेदन देकर शिकायत की थी कि वह कंपनी के काम से 03 .05 .2025 को पटना गया था। रात में वह चंद्रलोक टेबल्स बस संख्या बीआर-45 पी-3833 से रांची लौट रहा था, तभी पीछे की सीट पर बैठे दो लोग उससे बातचीत करने लगे। बातचीत के दौरान उन्होंने उसे पीने के लिए मैंगो कोल्ड ड्रिंक दिया। इसे पीने के बाद वह बेहोश हो गया। सुबह उसे रांची खादगढ़ा बस स्टैंड से इलाज के लिए सदर अस्पताल रांची ले जाया गया। टिंकू स्वर्णकार के बैग से कंपनी द्वारा कलेक्शन किए गए रुपए, पर्स और गले से दो अंगूठी तथा एक सोने का लॉकेट गायब हो गया था। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद पिंटू स्वर्णकार ने दोनों व्यक्तियों की पहचान की थी। गुरुवार को उसने बरही थाना को लिखित सूचना दी कि सीसीटीवी फुटेज से पहचाने गए व्यक्ति आज सुबह पटना से रांची जा रहे थे। सूचना मिलने पर बरही चौक पर दोनों को पकड़ लिया गया। दोनों अपराधियों के पास से नशीला पदार्थ बरामद किया। अपराधी रंजीत कुमार गिरी, और रवि कुणाल,, ग्राम सहथा, थाना भगवानपुर, जिला वैशाली को पकड़ लिया।

बरही में युवती ने किया विषपान गंभीर, रेफर

बरही। बेंदगी पंचायत के हासनदाग निवासी राजेंद्र यादव की 24 वर्षीय पुत्री ने विषपान कर लिया। जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई, सूचना मिलने पर परिजनों ने उसे बरही अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

कटकमसांडी कोल साइडिंग ने रचा कीर्तिमान

कटकमसांडी । कटकमसांडी रेलवे साइडिंग में चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना ने 15 मई को 1000वें कोयला रैक की रवानगी कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। परियोजना निदेशक पवन रावत ने कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि एनटीपीसी के योगदान से देश का हर चौथा बल्ब रौशन है। कार्यक्रम में सारणेश्वर ट्रांसपोर्ट कोल प्राइवेट लिं के मालिक आशुतोष सिंह ने बिरहोर टंडा के बच्चों को मिठाई वितरित की और आदिम जनजाति के लिए शौचालय, पानी और आवास देने का आश्वासन दिया।

डांटो कला सरकारी विद्यालय में बैग वितरित

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड के पंचायत डांटो खुर्द अंतर्गत डांटो कला नव प्राथमिक विद्यालय में सैकड़ों बच्चों के बीच स्कूली बैग वितरण शुक्रवार को किया गया। वितरण की शुरूआत कटकमसांडी के पूर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा और पंचायत समिति सदस्य ने किया । साथ ही साथ उपस्थित बच्चों को स्वादिष्ट भोजन खिला कर के प्रोत्साहित किए।मौके पे स्कूल प्रबंधन समिति ओर उपस्थित शिक्षक मौजूद थे।

अंचल कार्यालय में मलकोको के ग्रामीणों का धरना

बरही। मलकोको गांव की एक असहाय महिला सुदामा देवी पति स्व जागेश्वर रविदास को न्याय दिलाने के लिए ग्रामीणों ने अंचल कार्यालय के समक्ष धरना दिया। धरना के बाद सीओ को आवेदन दिया गया जिसमें असहाय महिला सुदामा देवी पति स्व जागेश्वर रविदास का आंबेडकर आवास प्रशासन की देखरेख में निर्माण कराने और सुदामा देवी को आवास के अतिरिक्त जीविकोपार्जन के लिए भूमि देने की मांग की गई है। धरना में मलकोको गांव के ग्रामीणों के आलावा एमआईएमआईएम के बरही विधानसभा प्रभारी सूरज दास, गुलाब दास, शंकर दास, लखन दास और रामसुंदर दास शामिल थे। सभी ने बताया कि मलकोको गांव की सुदामा देवी पति स्व जागेश्वर रविदास असहाय महिला है। मलकोको के सरकारी स्कूल में रहती है। तीन वर्ष पूर्व अंचल कार्यालय ने आंबेडकर आवास निर्माण के लिए दो डिसमिल जमीन दी है। उस जमीन पर वह जब भी आवास निर्माण करने जाती है गांव के अलिबक्स अंसारी उसे काम करने से रोक देते हैं। प्रशासन से बार बार सहायता की अपील करने पर भी कोई मदद नहीं मिलती है।

एमओ ने पीडीएस डीलरों के साथ की बैठक

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड सभागार में प्रखंड के सभी पीडीएस डीलर के साथ प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी विष्णुगढ़ ने की बैठक । बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत माह अगस्त तक की अवधि के लिए खाद्यान्न के अग्रिम उठाव एवं वितरण के संबंध में प्राप्त दिशा निर्देश के अनुपालन के संबंध में विक्रेताओं को निर्देशित किया गया डोर स्टेप डिलीवरी अभिकर्ता को गाड़ी बढ़ाते हुए ससमय खाद्यान्न का उठाव करने का निर्देश दिया गया विक्रेताओं को अग्रिम उठाव से संबंधित भंडारण में समस्या आने पर वैकल्पिक व्यवस्था बनाते हुए कार्यालय को इसकी सूचना देने के उपरांत वैकल्पिक स्थान पर खाद्यान्न भंडार करने का निर्देश दिया गया। लाभुकों की सूची 30 मई तक विक्रेताओं को जमा करने का निर्देश दिया गया, तथा ई केवाईसी वीक के दौरान डोर टू डोर विजिट में चिन्हित वैसे लोगों जिनका ई केवाईसी नहीं हो सका है से संबंधित प्रतिवेदन विक्रेताओं को अविलंब समर्पित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जन वितरण विक्रेता संघ के प्रखंड अध्यक्ष टेकोचंद महतो, सचिव शंभू नाथ पांडे उपाध्यक्ष तापेश्वर रजक, कोषाध्यक्ष चेतलाल महतो, उमेश पांडे, गोविंद पटेल, भोला प्रसाद, चंदेश्वर महतो, शिव शंकर प्रसाद, गायत्री महिला मंडल एवं अन्य सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेता उपस्थित थे।

दुबई से आज आयेगा प्रवासी मजदूर का शव

हजारीबाग। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सारुकुदर पंचायत के झपाटांड गांव के प्रवासी मजदूर महावीर महतो का दुबई से आज शव आयेगा। शुक्रवार दोपहर ढाई बजे कोलकाता एयरपोर्ट पर शव पहुंचा। शुक्रवार रात तक शव के गांव पहुंचने की संभावना है। महावीर महतो का शव पिछले 40 दिनों से दुबई में पड़ा हुआ था।6 अप्रैल को उसकी वहां मौत हो गई थी। सिकंदर अली ने बताया कि पीड़ित परिजनों को कंपनी के द्वारा मुआवजा के रूप में साढ़े 16 लाख रुपए दिए जाने की सहमति बनी है। फिलहाल चार लाख 39 हजार रुपए पत्नी के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया गया है।61 हजार रुपए आज भेजी जाएगी।बाकी बीमा की राशि 11 लाख 50 हजार रुपए 2 से 4 महीने के अंदर भेजी जाएगी।

बरही में डेंगू के लिए चला जागरूकता अभियान

बरही। बरही अनुमंडलीय अस्पताल में डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी के नेतृत्व में और उत्क्रमित उच्च विद्यालय खोड़हर में डॉ. सुनील यादव के नेतृत्व में डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य रूप से डीआरसीएचओ डॉ. डॉ. दीपक कुमार और डब्ल्यूएचओ से डॉ. दीपक कुमार शामिल हुए। इस दौरान डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि डेंगू का लार्वा मुख्य रूप से ठहरे हुए पानी में पैदा होता है। लेकिन मानसून शुरू होते ही लोगों में डेंगू की आशंका सबसे ज्यादा होती है। इसके लिए सामुदायिक स्तर पर लोगों को बीमारी के लक्षण, उपचार, बचाव और सावधानियों के बारे में जानकारी दी जाती है। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

युवा आगे आएंगे तभी होगा राष्ट्र और समाज का कल्याण

सत्येन्द्र नारायण सिंह

राजनीति में युवाओं की अहम भूमिका है। युवा अपने विचारों से हर क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। वे जिस विचार की ओर अग्रसर होते हैं, समाज उससे प्रभावित होता ही है। आज दुनिया में सर्वाधिक मांग युवाओं की है। भारत की राजनीति में सबसे अधिक मांग युवा विचारों के साथ युवाओं की ही रहती है।भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को युवाओं ने ही धार दी थी। युवाओं के आकर्षण का केंद्र राजनीति है। वह राजनीति उन्हें आकर्षित करती है। भारत की राजनीति ने युवा मन को निराश किया है। राजनीति युवाओं में विराट लक्ष्य नहीं देखती। राजनीतिक दलों से जुड़े युवा कभी इस दल तो कभी उस दल के हाईकमान का जयघोष करते हैं। ऐसा कर वे एक तरह से अपने ही श्रम-समय का नुकसान करते हैं। युवा सपने देखते हैं और सफल होते हैं। विफल भी होते हैं। टूटते हैं। आज युवा बेरोजगारी से टकरा रहे हैं। युवाओं पर पढ़ाई के साथ परिवार वालों का भी दबाव होता है कि कुछ कर दिखाना है। अनेक युवा भारतीय राजनीति में आए। उन्होंने लगातार समाज के वंचितों के लिए काम किया। समाचार पत्र निकाले। समाज-राष्ट्र की समस्याओं के समाधान को अपने जीवन का मिशन बनाया। बड़े राजनेता बने। पत्रकार बने ।अधिकारी बने। ऐसे युवाओं की बड़ी संख्या है कि वह पहले प्रशासनिक अधिकारी बने। बाद में सीधे राजनीति में कूदे । कुछ को सरकारों ने ही पुरस्कृत किया। कुछ आजीवन संघर्षरत रहे। सरकारों ने युवा नीति को लेकर अब तक क्या किया, यह भी समझना आवश्यक है।

भारत में पहली बार युवानीति सन 1988 में संसद के दोनों सदनों में रखी गई। युवा मामलों और खेल विभाग को इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई। उद्देश्य था कि युवा नीति उनके व्यक्तित्व व कार्य क्षमता को मजबूत बनाए। वर्ष 2003में फिर युवा राष्ट्रनीति पर चर्चा हुई। 2003 में 13 से 35 वर्ष के आयु के व्यक्ति को युवा के रूप में परिभाषित किया गया। वर्ष 2014 में भाजपा सरकार ने युवाओं के समग्र विकास की वचनबद्धता दोहराई। वर्ष 2023 मे केंद्र सरकार ने युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की आवश्यकता बताते हुए कहा कि यह शिक्षा व्यावसायिक कौशल सिखाती है।समग्र विकास में सहायक है। इस नीति का उद्देश्य युवाओं को आत्मविश्वास से मजबूत करना है। उन्हें आर्थिक मजबूती देनी है और उन्हें शारीरिक और मानसिक स्तर पर सबल बनाना है। उनका समग्र विकास करना है। युवा नेतृत्व एवं विकास स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल आदि के विषय वर्ष 2023 से 2032 का मसौदा है और यह मसौदा वर्तमान में युवा मामले और खेल मंत्रालय के अधीन विचाराधीन है। केंद्र सरकार ने मसौदा नीति पर सुझाव मांगे हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ की दृष्टि में युवावस्था को सामान्यतः परिवर्तन के तौर पर माना जाता है। युवा वयस्कता की सामाजिक कसौटियों, रोजगार, परिवार और एक उत्पादक नागरिक के रूप में प्रयास कर रहे हैं। युवा परिवर्तन के प्रतिनिधि हैं। युवा शब्द के लिए अंग्रेजी में एक शब्द है जियोंग। इसका अर्थ युवा, युवक नया है, वहीं संस्कृत का शब्द युवान है। इसका अर्थ युवा-युवक है। भारतीय राजनीति को महात्मा गांधी, डॉ. राम मनोहर लोहिया और अंबेडकर तीनों नेताओं ने सबसे अधिक प्रभावित किया है। तीनों महापुरुषों की भिन्न-भिन्न विचारधारा चलीं। युवा गांधी दक्षिण अफ्रीका में प्रिटोरिया से डरबन जाते समय रेल में रंगभेद का शिकार हुए। गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में इंडियन ओपिनियन अखबार निकाला । भारतीयों की ज्वलंत समस्याओं को उठाया। पूरी दुनिया में रंगभेद के विरुद्ध वातावरण बनाने में जुटे रहे। गांधी भारत आए। भारत में अंग्रेजी सत्ता की गुलामी के विरुद्ध बिगुल फूंका ।लाखों नौजवान उनके साथ खड़े हो गए । लड़ाई बढ़ गई । फिर आंदोलन का दौर चला।

गांधी के आह्वान पर जिस तरह भारतीय नौजवान छात्र जुटे ऐसा विश्व इतिहास में परतंत्र भारत में पहली बार था। गांधी बैरिस्टर से महात्मा होने की यात्रा पर चल पड़े । नमक आंदोलन, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, दांडी मार्च, जैसे बड़े आन्दोलन खड़े कर दिखाये। इस सब के पीछे युवा शक्ति थी। वह युवा शक्ति अपने राष्ट्र के लिए जागृत हो चुकी थी। आज कोई कुछ भी कहे मगर बैरिस्टर से गांधी महात्मा की यात्रा युवाओं के कारण अद्भुत अकल्पनीय बनी। वह युवाओं के साथ दुनिया के प्रेरणास्रोत रहेंगे।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने पहले भारत में पढ़ाई की । विदेश से पढ़ाई पूरी कर लौटे तो उन्हें भारतीय समाज में ऊंच-नीच की सड़ी-गली व्यवस्था ने झकझोर दिया। वह बचपन में अपने गांव से लेकर पूरे भारत में जातियों से बंटे समाज को निहार रहे थे । वह इस व्यवस्था से जूझ गए। लोगों से कहा कि शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो यह मंत्र किसी समाज के लिए शुभदायक ही है । डॉ. आंबेडकर के विचार प्रतिपल छात्रों युवाओं को प्रभावित करने वाले हैं। स्वतंत्रता के बाद संविधान सभा का गठन हुआ। संविधान सभा की मसौदा समिति के अध्यक्ष बने।

स्वामी विवेकानंद भी युवा थे । नरेंद्र से स्वामी विवेकानंद की यात्रा रामकृष्ण परमहंस के मिलन से आरंभ हुई। वह भारत की संस्कृति को विश्व में स्थापित करने का स्वप्न लेकर अमेरिका गए। साथ ही अनेक देशों की यात्राएं इसी उद्देश्य से कीं। वहां अपनी भारत की वैदिक सांस्कृतिक अनुभूति को पूरे विश्व के सामने रखा।

अरविन्द घोष भी युवा थे। उन्होंने भी भारतीय स्वाधीनता, योग और संस्कृति के लिए विलक्षण काम किया। सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस, गणेश शंकर विद्यार्थी, राजगुरु, युवा ही थे । स्वतंत्रता के लिए इन्हीं सबसे प्रेरित ज्वलंत युवाओं ने अपने देश के लिए बलिदान किया। भारत के हजारों युवा विदेश यात्राओं में रहते हैं मगर वह नौकरी के लिए ही विदेश जाते हैं। कुछ युवा पर्यटन और मस्ती के लिए जाते हैं। भारतीय युवाओं का विदेश नौकरी करने जाने का कारण है राष्ट्र का कृषि प्रधान और संयुक्त परिवार वाला ढांचा का दरक जाना।

भारत में बाजारवाद युवाओं को यह समझाने में सफल रहा कि मकान, कार, आधुनिक सामग्री व्यक्ति को श्रेष्ठ और बड़ा बनाते हैं। कहीं तक बात ठीक भी है। दूसरी तरफ परंपराएं हैं। वह क्षीण हो रही हैं। वह अब बासी हो चुकी हैं। परंपराएं युवाओं को अब नहीं रोक पा रही हैं। पहले भी तर्क थे। एक पीढ़ी से दूसरी के बीच के समय अंतराल के ।

आधुनिकता के नाम पर सारे बंधन युवा तोड़ रहे हैं। आधुनिकता के सामने परंपराओं की दृष्टि चौंधिया गई हैं। संस्कृति और परम्परा दोनों अलग-अलग होते हैं। जीवन प्रतिमान बदल गए हैं। अब बाजार ही हमारी जीवन शैली का अधिकांश भाग तय करती है। युवा बाजार की चपेट में है। आज युवा क्या कर रहा है? राजनीतिक भागीदारी कितनी है? युवा प्रश्न नहीं उठा रहा ? जिन राष्ट्र-समाजों के युवा प्रश्नों से विरत हैं उनका नेतृत्व कैसा होगा? यह अपने आप में बड़ा सवाल है। भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए युवाओं को ही आगे आना होगा, तभी राष्ट्र और समाज का कल्याण होगा।

(लेखक, रांची सिविल कोर्ट के वरीय अधिवक्ता हैं।)

सीमा पर संघर्ष की कीमत और राजकोषीय मोर्चा

सीमा पर संघर्ष के बाद बनी नई स्थितियों में राजकोषीय घाटे के लक्ष्य में मामूली कमी करना पूंजीगत व्यय में कटौती की तुलना में बेहतर विकल्प है। बता रहे हैं

ए के भट्टाचार्य

दो पड़ोसी देशों के बीच सैन्य संघर्ष हमेशा उनकी सरकारों की वित्तीय स्थिति पर नकारात्मक असर डालता है। भारत की बात करें तो हमने ऐसा प्रभाव करीब ढाई दशक पहले महसूस किया था। करीब ढाई महीने तक चली करगिल की जंग ने तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा के 1999-2000 के राजकोषीय आकलन को बुरी तरह प्रभावित किया था। सिन्हा ने प्रस्ताव रखा था कि राजकोषीय घाटे को 1999-2000 में कम करके सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 4 फीसदी के स्तर पर लाया जाएगा। यह इससे पिछले साल से काफी कम था। परंतु काफी हद तक इस युद्ध के कारण 1999-2000 में हम राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल कर पाने में विफल रहे। उस वर्ष वास्तविक राजकोषीय घाटा 5.2 फीसदी रहा। व्यय अनुमान से 7 फीसदी अधिक रहा और कर संग्रह लक्ष्य से 4 फीसदी कम हुआ।

गत सप्ताह भारत और पाकिस्तान की सीमा पर जो कुछ हुआ और जिस तरह दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा उसकी तुलना पूरी तरह कारगिल युद्ध से नहीं की जा सकती है। 1999-2000 में केंद्र सरकार का राजकोषीय गणित केवल कारगिल युद्ध की वजह से नहीं बिगड़ा था। उस समय अप्रैल के अंत से अक्टूबर के मध्य तक पांच महीने से अधिक समय तक एक कार्यवाहक सरकार थी। यानी राजनीतिक अनिश्चितता के हालात थे और एक कार्यवाहक सरकार युद्ध लड़ रही थी। उसके बाद सितंबर-अक्टूबर 1999 में एक माह तक चले आम चुनाव के परिणामस्वरूप एक नई सरकार का गठन हुआ। मई 2025 का सैन्य संघर्ष ऐसे समय में हुआ जब कोई राजनीतिक अनिश्चितता नहीं है न ही कोई चुनाव करीब है। देश में एक मजबूत और स्थिर सरकार है। आम चुनाव को तो छोड़ ही दें, नजदीकी विधान सभा चुनाव भी पांच-छह महीने दूर हैं। इसके बावजूद यह मानना उचित होगा कि गत सप्ताह पाकिस्तान के साथ हुआ टकराव केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर असर डालेगा। यह आकलन करना उपयोगी होगा कि क्या वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पास पहले से मौजूद विकल्पों में क्या कोई बदलाव आया है?

सीतारमण के 2025-26 के बजट में कहा गया था कि राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.4 फीसदी तक रहेगा। यह इस अनुमान पर आधारित है कि विशुद्ध कर राजस्व वृद्धि करीब 11 फीसदी रहेगी और व्यय वृद्धि 7 फीसदी तक सीमित रहेगी। राजस्व वृद्धि के कुल अनुमानों की बात करें तो चालू वर्ष के लिए वे उचित ही रुढ़िवादी अनुमान हैं और व्यापक तौर पर गत वर्ष हासिल वृद्धि के अनुरूप ही हैं। हां, अगर आशंका के मुताबिक 2025-26 में आर्थिक गतिविधियों की गति धीमी पड़ती है तो राजस्व प्राप्तियों पर भी असर होगा। परंतु यह कमी अपेक्षाकृत कम होगी और रिजर्व बैंक से प्राप्त अधिशेष की बदौलत इसकी भरपाई हो जाएगी। केंद्रीय बैंक के अब तक के कामकाज को देखते हुए ये प्राप्तियां सुनिश्चित नजर आ रही हैं।

सरकार के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह के जरिये कहीं अधिक बड़ा राजस्व का सहारा मिलने की उम्मीद है। चूंकि कोविड महामारी के कारण लगने वाले जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर संग्रह इतने अधिक नहीं थे कि 2020-21 और 2021-22 में राज्यों की भरपाई की जा सके इसलिए केंद्र सरकार ने दो किस्तों में लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये उधार लेने के लिए आरबीआई के साथ एक विशेष व्यवस्था को औपचारिक रूप दिया था। इस पैसे का इस्तेमाल जून 2022 तक राज्यों की क्षतिपूर्ति संबंधी कमी को पूरा करने में किया गया। उसके बाद क्षतिपूर्ति करने की सुविधा समाप्त कर दी गई।

झारखंड में पहेली बनते अभ्यारण्य

रानी राज

धरती का फेफड़ा होते हैं वन, जंगल,पेड़ पौधे। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम चमड़ी तो चमका ले रहे लेकिन अंदर का किडनी,फेफड़ा ,कल-पुर्जा डैमेज कर ले रहे । यहाँ के लोगों ही नहीं बल्कि जल जंगल और जानवरों ने भी खनन के कारण विस्थापन और शोषण का दंश झेला है। आपने झारखंड में तालाबों , पहाड़ो और जमीनों की गायब होने की घटनाएं सुनी ही होंगी लेकिन कभी सुना है कि एक वृहद क्षेत्र में बसा वन अभ्यारण्य ही गायब हो जाए। वो भी एक नहीं बल्कि कई वन अभ्यारण्य। झारखंड में ऐसा हो चूका है। अभी नहीं बल्कि आज से दशकों पूर्व। झारखंड के खनिजों के खनन के आकर्षण से गैर कानूनी तरीके से सिंहभूम में तीन - तीन वन अभ्यारण्य गायब कर दिए गए। वही पलामू और संथालपरगना से भी एक एक अभ्यारण्य गायब हो गए। आइये जानते है इन्ही की कहानी।

कोल्हान वन डिवीजन का बामियाबुरू

सिंहभूम के वन अभ्यरण्यो में से एक है कोल्हान वन डिवीजन का बामियाबुरू , जो बिहार - झारखंड का पहला वन अभ्यारण्य था। इसकी स्थापना स्थानीय वन अधिकारियों के प्रयास से 1932 में हुआ था। दो अन्य हैं -सारंडा वन डिवीजन का सासंगदाबुरू वन अभ्यारण्य जिसकी स्थापना 1935 और पोराहाट वन डिवीजन का सोंगरा या टैबो वन अभ्यारण्य जिसकी स्थापना 1936 में हुई थी।

इस तरह कुछ अन्य वन अभ्यारण्यों का जिक्र यूनिटेड नेशन इकनोमिक एंड सोशल काउंसिल द्वारा 15 फरवरी1961 में प्रकाशित विश्व के संरक्षित वनो के रिपोर्ट में है।

बमियाबुरु - 1932 , सिंहभूम प्रमण्डल , 50 वर्ग मील में फैले इस क्षेत्र में बाघ, तेंदुआ, सांभर और पक्षीयो का वास था । इस जंगल की सुंदरता के कारण : ₹बोमाईबुरू जंगल में' नाम से पाथेर पांचाली उपन्यास के लेखक बिभूतिभूषण बंदोपाध्याय ने कहानी भी लिखी है।

सासंगदाबुरू- 1936 , सिंहभूम प्रमण्डल , इस के 7-5 वर्ग मील में फैले अभ्यारण्य में बाघ, हाथी, बाइसन, सांभर, चित्तीदार हिरण, भौंकने वाले हिरण, चार सींग वाले मृग और विभिन्न प्रकार के पक्षी पाए जाते थे।

सोंगरा या टैबो वन अभ्यारण्य - 1936 , सिंहभूम प्रमण्डल , 56 वर्ग मील में फैले इस अभ्यारण्य में बाइसन, सांभर, चित्तीदार हिरण, भौंकने वाले हिरण और विभिन्न पक्षी पाए जाते हैं।

आज इन जंगलो में पलने वाले कई जानवर और पक्षियां लुप्त हो चुके है। बाघ तो दुर्लभ हो ही चूका है पर्पल वुड पिजन जैसे पक्षी भी विलुप्त हो चुके है।

बारेसंड अभ्यारण्य - 22.9 वर्ग मील पलामू जिले में - 1946 में स्थापित। इस क्षेत्र में बाघ, तेंदुआ, चित्तीदार हिरण, सांभर, भालू, सुअर, बाइसन, हाथी और विभिन्न पक्षी पाए जाते थे ।

दुमका दामिन अभ्यारण्य - 35 वर्ग मील- संथाल परगना जिले में - 1938 में स्थापित। इस क्षेत्र में तेंदुआ, भालू, हिरण, सुअर और अन्य वन्यजीव पाए जाते थे ।

कोडरमा अभ्यारण्य - 68 वर्ग मील हजारीबाग जिले में। इस क्षेत्र में बाघ, तेंदुआ, सांभर, भौंकने वाला हिरण और भालू पाए जाते थे ।

लाट अभ्यारण्य - 36 वर्ग मील क्षेत्र, पलामू जिला - 1946 में स्थापित,

इस क्षेत्र में बाघ, तेंदुआ, बाइसन, भालू, सांभर, चित्तीदार हिरण, मोर , हरा कबूतर पाए जाते थे ।

यूनिटेड नेशन इकनोमिक एंड सोशल काउंसिल की रिपोर्ट में दर्ज होने के बावजूद वर्ष 1972 के बाद प्रकाशित राज्य सरकार और भारत सरकार के किसी भी दस्तावेज में बमियाबुरु , सोंगरा आदि कई अभ्यारण्यो का जिक्र नहीं आया। केवल सासंगदाबुरु का जिक्र सारंडा वन क्षेत्र के कार्य योजना में वर्ष 1976-77 से 1995-96 में आया था। इन वन अभ्यारण्यों के बारे में इतनी कम जानकारी है की इनका सटीक जगह पता करना भी मुश्किल काम है। इनके नोटिफिकेशन भी आज नहीं मिल रहे है। जबकि इंडियन बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ ने 24 नवंबर 1965 को जारी रिपोर्ट में भी इस बात का जिक्र था कि पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा में सासंगदा बुरू, कोल्हान में बमियाबुरू और पोराहाट में सोंगरा या टेबो नाम से वन्य जीव अभयारण्य था।

इनके लुप्त होने के पीछे कई कारण देखे जा सकते हैं। पहला और सबसे बड़ा कारण है झारखंड में खनिज और खनन। स्टील उद्योगों के स्थापना ने सिंहभूम लोह क्षेत्र में बसे सासंगदाबुरु , सोंगरा या टैबो और बमियाबुरु वन अभ्यारण्य को खत्म कर दिया। खनन की सुगमता के लिए बड़ी चालाकी से इन अभ्यारण्यों को रिकॉर्ड में दर्ज करना ही छोड़ दिया। इन अभ्यरण्यो के रहते शायद ही लौह खनन की अनुमति सिंहभूम में मिलती। समय के साथ इनके साक्ष्य तक मिलने दुर्लभ हो गए। लौह खनन आसान हो गया। दूसरा महत्वपूर्ण कारण 1972 में बना वन्य जीव संरक्षण कानून था। इस कानून द्वारा भारत में वन अभ्यारण्यों को अधिसूचित किया गया था। लेकिन दुर्भाग्य है की इस कानून के बनने तक झारखंड में उपरोक्त उल्लेखित अभ्यारण्यों में कोडरमा वन अभ्यारण्य को छोड़ को सभी लुप्त हो गए थे। झारखंड जल जंगल और वन्य जीवो वाला क्षेत्र है लेकिन खनन अभिशाप ने झारखंड को लाभ कम नुकसान अधिक दिया है। एक तो आदिवासी बहुलता जिनकी जीवन यापन की निर्भरता जंगलों के आधार पर टिकी है और यहां का पिछड़ापन के कारण संरक्षण का अभाव देखा जाता है।

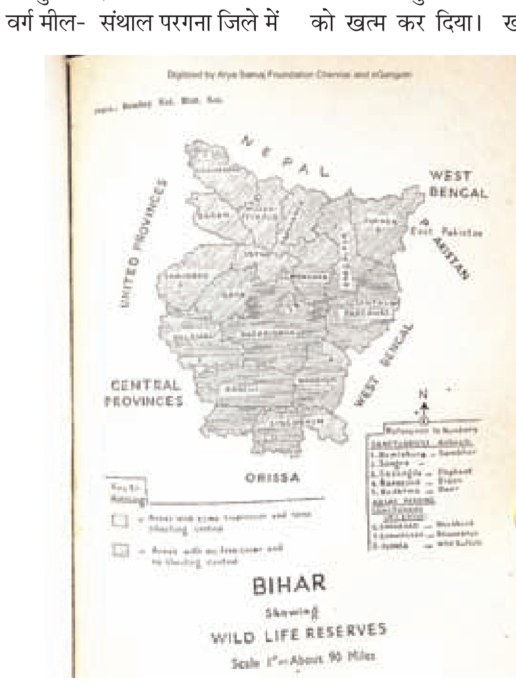

जर्नल ऑफ द बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी खंड 48 संख्या 1-4 संपादक सलीम अली और अन्य दिसंबर 1948 बॉम्बे - में प्रकाशित झारखंड - **बिहार के वन अभ्यारण्य**

कोडाइकनाल सौर वेधशाला में सूर्य के अध्ययन का केन्द्र

अभिषेक कुमार

कोडाइकनाल सौर वेधशाला ने सूर्य के अध्ययन के 125 वर्ष पूरे कर लिए। इसका उत्सव (वर्षगांठ) पहली अप्रैल को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के स्वायत्त संस्थान भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान ने मनाया। इस दौरान कोडाइकनाल सौर वेधशाला के इतिहास का स्मरण किया गया। वैज्ञानिकों का अभिनंदन कर इसकी विरासत का सम्मान किया गया। कोडाइकनाल सौर वेधशाला देश में खगोल विज्ञान के लिए प्रमुख और बड़ी उपलब्धि है। इस वेधशाला में 20वीं सदी की शुरूआत से हर दिन रिकॉर्ड की जाने वाली 1.2 लाख डिजिटल सौर छवियों और सूर्य की हजारों अन्य छवियों का एक डिजिटल भंडार उपलब्ध है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान की अधिशासी परिषद के अध्यक्ष एएस किरण कुमार ने कोडाइकनाल सौर वेधशाला की 125वीं वर्षगांठ के प्रतीक चिह्न का अनावरण और एक पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस वेधशाला की स्थापना पहली अप्रैल 1899 को अंग्रेजों ने की थी। खुशी की बात यह है कि वेधशाला के पास दुनिया में सूर्य के सबसे लंबे समय तक के निरंतर दैनिक रिकॉर्ड के अद्वितीय डेटाबेस को डिजिटल कर दिया गया है। यह डेटाबेस अब दुनिया भर के खगोलविदों के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। कोडाइकनाल सौर वेधशाला वर्तमान में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के अंतर्गत फील्ड स्टेशन के रूप में कार्यरत है। यह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का स्वायत्त संस्थान है।

उत्सव में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान की निदेशक प्रो. अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम ने वेधशाला की विरासत पर चर्चा की। संस्थान के पूर्व निदेशक और सौर भौतिक विज्ञानी प्रो. सिराज हसन ने वर्ष 1909 में वेधशाला में गैस के रेडियल प्रवाह के कारण सनस्पॉट में देखे गए एवरशेड प्रभाव की खोज की जानकारी दी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष विज्ञान कार्यक्रम कार्यालय की पूर्व निदेशक एस. सीता ने रेखांकित किया कि विद्यार्थियों के बीच इसकी विशिष्टता के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए विद्यालयों और महाविद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों में कोडाइकनाल सौर वेधशाला पर सामग्री होनी चाहिए।

एएस किरण कुमार ने इस अवसर पर ₹भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम₹ पर चर्चा की। सफल चंद्रयान-3 मिशन के लिए दूर की गई तकनीकी चुनौतियों और गगनयान के साथ भविष्य पर प्रकाश डालते हुए रिमोट सेंसिंग, मैपिंग और संचार के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि कोडाइकनाल सौर वेधशाला में वैज्ञानिक भारतीय धरती से सूर्य को समझने, ग्रहणों का अध्ययन करने, वर्ष 1868 में हीलियम की खोज करने, सूर्य में प्लाज्मा प्रक्रिया को समझने और इसके विस्तार, प्रमुखता और चमक-दमक को समझने का प्रमाण है।

कोडाइकनाल सौर वेधशाला तमिलनाडु में पश्चिमी घाट के ऊंचे देवदार के पेड़ों के बीच स्थित है। यह एक हिल स्टेशन भी है। कोडाइकनाल में कॉफी, यूकेलिप्टस और चॉकलेट की खुशबू आती है। यह दुनिया की हलचल से दूर पलानी पहाड़ियों में बसा हुआ है और इसे 'जंगल का उपहार' कहा जाता है। इसकी सुंदर और घुमावदार सड़कें इलाके के भू-भाग और भू-विज्ञान की प्रतिक्रिया हैं। यहां की कोडाई झील ऊंची पहाड़ियों से तारे की तरह टिमटिमाती है। कोडाइकनाल के मुख्य शहर से चार किलोमीटर दूर यह वेधशाला 2343 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इससे पहले यह गतिविधियां मद्रास वेधशाला से संचालित होती थीं। मद्रास वेधशाला को वर्ष 1786 में ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी विलियम पेट्री ने शुरू किया था। प्रोफेसर चार्ल्स मिक्सी स्मिथ ने कोडाइकनाल सौर वेधशाला की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सौर विज्ञानी कहते हैं कि आने वाले समय में हमारे अपने अस्तित्व के लिए सूर्य के भविष्य को समझना महत्वपूर्ण है । इस अर्थ में, पिछली शताब्दी में किए गए सूर्य के अवलोकन हमें अतीत में झांकने की अनुमति देते हैं । ये ऐतिहासिक अवलोकन हमें अपने निकटतम तारे के पहले चरण में उसके व्यवहार को समझने में सक्षम कर सकते हैं और उसके आधार पर ही हम उसके भविष्य की भविष्यवाणी कर सकते हैं। सूर्य की नियति को समझने से अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए हमारी योजनाओं को आकार मिलेगा, क्योंकि सूर्य हमारे अंतरिक्ष मौसम की स्थिति के लिए चालक है।

और भी वेधशाला हैं देश में: मध्य प्रदेश के उज्जैन ने भी खगोल विज्ञान के क्षेत्र में काफी महत्व का स्थान प्राप्त किया है। सूर्य सिद्धान्त और पंच सिद्धान्त जैसे महान ग्रंथ उज्जैन में लिखे गए हैं। भारतीय खगोलविदों के अनुसार, कर्क रेखा को उज्जैन से गुजरना चाहिए, यह हिंदू भूगोलवेत्ताओं के देशांतर का पहला मध्याह्न काल भी है। लगभग चौथी शताब्दी ई.पू. उज्जैन ने भारत के ग्रीनविच होने की प्रतिष्ठा का आनंद लिया। यहां वेधशाला का निर्माण जयपुर के महाराजा सवाई राजा जयसिंह ने 1719 में किया था। तब वे दिल्ली के राजा मोहम्मद शाह के शासनकाल में मालवा के राज्यपाल के रूप में उज्जैन में थे। राजा जयसिंह असाधारण रूप से एक विद्वान थे। उन्होंने उस समय फारसी और अरबी भाषाओं में उपलब्ध एस्टर-गणित पर पुस्तकों का अध्ययन किया। उन्होंने खुद खगोल विज्ञान पर किताबें लिखीं। राजा जयसिंह ने के अलावा जयपुर, दिल्ली, मथुरा और वाराणसी में वेधशालाओं का निर्माण कराया। राजा जयसिंह ने अपने कौशल को नियोजित करने वाली इन वेधशालाओं में नए यंत्र स्थापित किए। उन्होंने उज्जैन में आठ वर्षों तक स्वयं ग्रहों की गतिविधियों का अवलोकन कर-के कई मुख्य खगोल-गणितीय उपकरणों में परिवर्तन किया।

(लेखक, योगदा सतसंग कॉलेज धुर्वा रांची के आईटी डिपार्टमेंट के प्रभारी हैं।)

नर्सों की भूमिका और उनकी निःस्वार्थ सेवा सराहनीय : डीबी सुंदर राममम्

■ टीएमएच ने अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया, नर्सों ने किया 45 यूनिट रक्तदान

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा मेन हॉस्पिटल ने अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस 2025 को गर्व के साथ मनाया। इस अवसर पर अस्पताल में एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य नर्सिंग स्टाफ की अटूट निष्ठा और सेवा भावना को सम्मानित करना था। इस वर्ष की थीम -हमारी नर्सें : हमारा भविष्य। नर्सों की देखभाल से मजबूत होती है अर्थव्यवस्था रही, जो इस बात पर प्रकाश डालती है कि नर्सें केवल स्वास्थ्य सेवा ही नहीं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था के व्यापक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

सप्ताह भर चले कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण एक विशेष समारोह रहा, जिसकी अध्यक्षता डी. बी. सुंदर रामम, वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट सर्विसेज), टाटा स्टील ने की। कार्यक्रम में टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव चौधरी की भी उपस्थिति रही। इस आयोजन में टाटा मेन हॉस्पिटल की नर्सिंग स्टाफ, टाटा वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारीगण, विभिन्न विभागों के एचओडी तथा वरिष्ठ अधिकारियों सहित कुल 850 से अधिक लोगों ने सहभागिता की। यह समारोह नर्सिंग समुदाय की अदम्य सहनशक्ति, निष्ठा और करुणा को समर्पित एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि थी।

अपने संबोधन में सुंदरा रामम ने नर्सों द्वारा निभाई जा रही अग्रिम

टीएमएच में नर्स डे सेलेब्रेशन का उद्घाटन करते टाटा स्टील के वीपी डीबी सुंदर रामम,श्रीमती शैलजा सुंदर रामम। साथ में यूनियन अध्यक्ष संजीव चौधरी, टीएमएच की जीएम डा विनीता सिंह व अन्य।

पंक्ति की नेतृत्वकारी भूमिका और उनकी निःस्वार्थ सेवा की प्रशंसा की। वहीं संजीव चौधरी ने नर्सिंग स्टाफ के स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए उनके प्रति निरंतर समर्थन और सम्मान की आवश्यकता पर बल दिया।

विनिता सिंह, जनरल मैनेजर (मेडिकल सर्विसेज), टाटा स्टील ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने नर्सिंग स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए टाटा मेन हॉस्पिटल की इस प्रतिबद्धता को दोहराया कि नर्सों के लिए एक सहयोगी, प्रगतिशील और सशक्त वातावरण तैयार करना संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।

पूरे सप्ताह के दौरान टाटा मेन हॉस्पिटल ने जमशेदपुर, जामाडोबा, नोआमुंडी और जोड़ा सहित विभिन्न स्थानों पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन आयोजनों में रक्तदान शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर और वाद-विवाद सत्र शामिल थे। सभी गतिविधियों का उद्देश्य नर्सिंग के जज्बे का जश्न मनाना और सराहना एवं विकास की संस्कृति को प्रोत्साहित करना था।

टाटा मेन हॉस्पिटल, जमशेदपुर ने एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें स्वास्थ्य सेवा के सभी वर्गों के कर्मी, विशेषकर नर्सिंग छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर में कुल 45 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसमें से आधी हिस्सेदारी महिला रक्तदाताओं की थी, यह एक दुर्लभ और प्रेरणादायक उपलब्धि थी, जिसे उपस्थित अधिकारियों ने भी सराहा।

जामाडोबा में, संजय राजोरिया, जनरल मैनेजर, झरिया डिवीजन ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों और नर्सिंग सुपरीटेंडेंट सिस्टर किरण टोप्पो के साथ फ्लोरेंस नाइटिंगेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नोआमुंडी में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर गांव कांटाडिया में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर हमारे नए मोबाइल मेडिकल यूनिट की मदद से संचालित किया गया, जिसका उपयोग उद्घाटन के बाद पहली बार किया गया। जोड़ा में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के जश्न में शपथ ग्रहण समारोह और केक कटिंग समारोह शामिल था, जिसके बाद इस वर्ष की थीम पर एक वाद-विवाद सत्र आयोजित किया गया। साथ ही, सत्र 2024-25 के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुति को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। इस समारोह में मुख्य रूप से राजेश कुमार, चीफ, सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों और नर्सिंग स्टाफ की उपस्थिति रही। वेस्ट बोकारो में समारोह के दौरान दीप प्रज्वलन, नर्सों द्वारा शपथ, राष्ट्रगान और सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे विविध आयोजन हुए। इसके बाद मुख्य अतिथि अनुराग दीक्षित, जनरल मैनेजर, वेस्ट बोकारो ने शुभकामनाएं और प्रेरणादायक विचार साझा किए।

स्पीड न्यूज

पुराना सोनारी में छऊ नृत्य आज

जमशेदपुर। पुराना सोनारी विकास समिति के बैनर तले कल, 17 मई (शनिवार) को समिति के मैदान (कारमेल स्कूल के पीछे) में विशाल छऊ नृत्य का आयोजन किया जायेगा। रातभर चलनेवाले उक्त आयोजन का मुख्य आकर्षण महिला छऊ नृत्य टीम (उस्ताद संजय छऊ नाच) होगा, जो पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला के बंदवान से आएगी। दूसरी छऊ नृत्य टीम सरायकेला खरसावां के नीमडीम की छऊ नृत्य टीम (उस्ताद चंडीचरण महतो) आएगी और अपना प्रस्तुति देगी। इस संबंध में समिति के अध्यक्ष धनंजय महतो ने बताया कि छऊ नृत्य कार्यक्रम का शुभारंभ रात्रि 9 .30 बजे शहीद निर्मल महतो, पूर्व सांसद स्व. सुनील महतो तथा राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व. सुधीर महतो को श्रद्धांजलि से होगी।

मजदूरों का देशव्यापी आम हड़ताल स्थगित

जमशेदपुर। 18 मार्च को दिल्ली में आयोजित मजदूरों के राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा 20 मई 2025 को मजदूरों की देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान अब देश की वर्तमान स्थिति की पृष्ठभूमि में 9 जुलाई को पुनर्निर्धारित किया गया है। कोल्हान के ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच की ओर से सूचित किया गया है कि, राष्ट्रीय स्तर के ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच ने वर्तमान स्थिति की समीक्षा के बाद, देश के जिम्मेदार देशभक्त नागरिकों के एक अभिन्न अंग के रूप में, सभी तैयारियां पूरी होने के बावजूद हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया है।

सुपरवाइजर पर अश्लील हरकत करने का आरोप

जादूगोड़ा। जादूगोड़ा स्थित यूसिल की सुरक्षा में जुटी आर्मी सुपरवाइजर के खिलाफ यूसिल की पूर्व महिला होम गार्ड ने जे एल के एम नेता राम हांसदा की अगुवाई में आज बृहस्पतिवार को यूसिल कॉलोनी के संपदा विभाग में न्याय की मांग की लेकर प्रदर्शन किया व जान_माल की सुरक्षा की गुहार लगाई। जे एल के एम नेता यूसिल प्रबंधन से महिला उत्पीड़न से जुड़ी मामले में मुलाकात कर मामले की सुलझाने कंपनी के संपदा विभाग पहुंचे व अधिकारियों से संपर्क नहीं होने यूसिल की सुरक्षा व्यवस्था व यूसिल की पूर्व महिला होम गार्ड के अपमान के खिलाफ उनका गुस्सा फूट पड़ा व यूसिल के खिलाफ प्रदर्शन किया।

लाली महुवाटोली में कुएं से युवक का शव बरामद

नामकुम। टाटीसिल्वे पुलिस ने थाना क्षेत्र के लाली महुवाटोली में कुएं से एक युवक का शव बरामद किया है। जिसकी पहचान गांव के मनेश्वर महतो 25 वर्स के रूप में की गयी। घटना की जानकारी मिलते ही थानेदार रंजीत सिन्हा सदलबल मौके पर पहुंचे और शव को कुंए से निकलवा का पोस्टमार्टम हेतू रिम्स भिजवाया। थानेदार श्री, सिन्हा ने बताया कि शव दो से तीन दिन पुराना है। ग्रामीणों के अनुसार मनेश्वर बीते 12 मई से गायब था। शुक्रवार की सुबह स्कूली बच्चे वहां से गुजर रहे थे तो एक बच्चा कुएं के पास गया तो उसने देखा कि कुंए में शव तैर रहा है। इसके बाद बच्चों ने ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी जिसके बाद टाटीसिलवे पुलिस को घटना की जानकारी दी गयी।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम

नामकुम। शुक्रवार को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नामकुम के कई आयुष्मान आरोग्य मंदिर एंव मध्य विद्यालय सरबल, हाहाप, कोचबोंग, हुड़वा में डेंगू के लक्षण बचाव एवं उपचार के संबध में बच्चे बच्चियों एंव ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी देकर उसके बचाव के उपाय बताए गए। कार्यक्रम के दौरान कई स्कूलों में जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीएचसी प्रभारी डॉ नीलम माइकल,विदेशी महतो, निगरानी निरीक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह,मनोज कुमार, रितेश कुमार,रविन्द्र कुमार तथा सुधीर कुमार ने इस कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

शिक्षा जीवन का आधार है : शिल्पी नेहा तिर्की

एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय बेड़ो में 62 लाख रुपए की लागत से बनेगा 10 कमरे का भवन

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय बेड़ो में अब भवन के अभाव में छात्रों का नामांकन नहीं रुकेगा। राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने 10 कमरा वाले भवन निर्माण योजना की सौगात छात्रों को दी है। विद्यालय प्रांगण में शुक्रवार को करीब 62 लाख रुपए की लागत से बनने वाले भवन का शिलान्यास मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया। सनद रहे कि यह वही एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय है जिसके छात्र-छात्राओं ने भवन, पानी और शौचालय के अभाव में प्रखंड कार्यालय का घेराव किया था। विद्यालय परिसर में पानी और शौचालय की समस्या का समाधान पहले ही किया जा चुका है। समारोह मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि शिक्षा जीवन का आधार है। अनुशासन, धैर्य और त्याग की बदौलत सफलता को हासिल किया जा सकता है। इसके लिए छात्रों को खुद के अंदर सफलता की भूख को पैदा करना होगा। उन्होंने कहा कि आज का दिन खास है। अब भवन के अभाव में छात्रों का नामांकन नहीं रुकेगा। नई शिक्षा नीति के आने के बाद से प्लस टू उच्च विद्यालयों में छात्रों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर गठबंधन वाली सरकार ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि क्लास रुम एजुकेशन छात्रों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। इस लिए विद्यालय में छात्रों के लिए पर्याप्त संख्या में कमरा होना चाहिए। बदलते हुए दौर में आज गांव के अंदर शिक्षित छात्रों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। अब शिक्षा विशेष वर्ग तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि शिक्षा हर वर्ग की जरूरत बन गई है। उन्होंने छात्रों से मोबाइल फोन के बजाय किताबों से दोस्ती करने की सलाह दी। मौके पर जिला परिषद सदस्य बेरोनिका उरांव ,उप प्रमुख मुदस्सीर हक मुखिया सुशांति भगत बीडीओ राहुल उरांव सीओ प्रताप मिंज प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव नवल किशोर सिंह, तंजीर हुसैन, प्रधानाध्यापिका हेनरीता मिंज, सोमरा लोहरा, बुधराम लोहरा आदि मौजूद थे।

भवन निर्माण की शिलान्यास करती मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की।

शिलान्यास कार्यक्रम के बाद मंच पर उपस्थित मंत्री व अन्य।

विद्यासागर स्कूल में समर कैंप का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। विद्यासागर पब्लिक स्कूल बेड़ो एवं मुरतो में शुक्रवार को ग्रीष्म अवकाश से पहले विद्यालय में बच्चों के लिए दो दिन के समर कैंप का आयोजन किया गया। इसके पहले दिन आज बच्चों को घर के कपड़े में बुलाया गया जिसमें वे विभिन्न प्रकार की एक्टिविटी डांस, आर्ट क्राफ्ट, संगीत, ग्रुप एक्टिविटी सहित कई प्रकार के खेलों का आनंद लिए तथा छुट्टी के समय बच्चों को कुल्फी खिलाकर एवं शरबत पिलाया गया। वहीं समर कैंप के दूसरे दिन शनिवार इच्छुक बच्चे वाटर पार्क जाएंगे। मौके पर विद्यालय के निदेशक ललन सिंह ने बताया कि सभी शिक्षकों के सहयोग से ऐसे कार्यक्रमों का सफल आयोजन हो पाता है जिससे बच्चों का मनोरंजन भी होता है तथा वो व्यावहारिक ज्ञान भी सीखते हैं। कार्यक्रम का संचालन सुषमा तिर्की व निशा वर्मा ने किया।

सिल्ल: बुद्धा पब्लिक स्कूल में कक्षा नौवीं का परिणाम शत् प्रतिशत रहा

सिल्ली। झारखंड एकेडमिक काउंसिल परीक्षा कक्षा नौवीं का परिणाम घोषित किया गया जिसमें बुद्धा पब्लिक स्कूल का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के हिमेश महतो और प्रमोद ने 96 प्रतिशत, सुमित प्रमाणिक 94 प्रतिशत, मानस गोस्वामी,राजू महतो,प्रिया कुमारी 91 प्रतिशत, अंकिता कुमारी,प्रिया कुमारी एवं अस्मिता ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक ने खुशी जाहिर करते हुए सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की कड़ी मेहनत का फल है साथ ही उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। वहीं विद्यालय के प्राचार्य वी सुधीर राव ने शिक्षकों व छात्रों के सम्मिलित प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। सभी छात्रों ने अपने बेहतर अंक मिलने का श्रेय अपने गुरुजनों को दिया। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक गणों ने अपनी खुशी व्यक्त किया।

ऑन लाईन धोखाधड़ी हैकिंग और डेटा लीक से छात्र चौकन्ना रहें : डॉ राकेश

अनगड़ा। आरटीसी पब्लिक स्कूल, अनगड़ा में शुक्रवार को छात्रों के बीच साइबर सुरक्षा एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग विषय पर एक जागरूकता संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विप्रो के कंप्यूटर साइंटिस्ट डॉ. राकेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जो साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं! डॉ. राकेश कुमार ने छात्रों को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में ऑनलाइन धोखाधड़ी, हैकिंग और डेटा लीक

जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में छात्रों को जागरूक और सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मजबूत पासवर्ड का चयन, संदिग्ध लिंक्स से दूरी, और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र नाथ महतो ने । कहा कि तकनीक का उपयोग जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है उसका सुरक्षित और जिम्मेदाराना इस्तेमाल। इस प्रकार की संगोष्ठियाँ छात्रों को डिजिटल दुनिया के प्रति सजग बनाती हैं। संगोष्ठी में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रश्नोत्तर सत्र में महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर डॉ. कुमार ने सरलता व सहजता से दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में साइबर सुरक्षा के प्रति चेतना जागृत करना था, मौके विद्यालय के शिक्षक शिवराज कुमार, सुमंत कुमार, सुभाष कुमार ,उमेश मंडल एवं शिक्षिका स्नेहा शालिनी आदि उपस्थित थे।

पाली के प्रज्ञा केंद्र संचालक पर महिलाओं ने लगाया आरोप

ओटीपी के जरिये कर ली 45.5 हजार की निकासी

▶▶ थाने में की गयी शिकायत

▶▶ पुलिस कर रही है तफ्तीश

आरोपी ने किया दुर्व्यवहार

पीड़ित महिलाओं ने प्रज्ञा केंद्र संचालक से पूछताछ की, तो वह न केवल भड़क उठा। बल्कि, उसने दुर्व्यवहार कर भगा भी दिया। इस बाबत सीओ से बात करने की कोशिश की गयी। लेकिन, संपर्क नहीं हो सका। जबकि, केंद्र संचालक ने फोन रिसीव नहीं किया। इससे उसका पक्ष नहीं लिया जा सका।

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। पाली की महिलाओं ने पंचायत के प्रज्ञा केंद्र संचालक मिन्हाज अंसारी पर गलत तरीके से फिंगर प्रिंट लेकर खाते से राशि निकाल लेने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर तीन ने रातू थाने में मिन्हाज अंसारी के खिलाफ लिखित शिकायत की है। जानकारी के मुताबिक, प्रखंड कार्यालय की ओर से 29 अप्रैल को मईया सम्मान योजना की लाभुक सत्यापन के लिये कैंप लगाया गया था। उसमें पीड़ित महिलाओं समेत कई अन्य लाभुकों ने भी केवाईसी के लिये फिंगर प्रिंट करायी। लाभार्थियों से 24 घंटे में का केवाईसी हो जाने की बात कही गयी। इसके बाद उनकी मोबाईल पर ओटीपी आना शुरू हो गया। गांव की मंगरी उराईंन के खाते से तीन दिनों में 26,811, प्रीति कुमारी के खाता से 7500 व सीमा उराईन के खाते से 11,205 रुपये की निकासी का मैसेज आया, तो उनके होश उड़ गये। पुलिस इसकी तफ्तीश कर रही है।

हाथियों ने सब्जी की फसल को किया नष्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

राहे। प्रखंड क्षेत्र के बोटोसोकरा गांव में गुरुवार की रात हाथियों ने जम कर उत्पात मचाया है। गांव के किसान प्रदीप महतो के पांच एकड़ खेत में लगे सब्जी की फसल को हाथियों ने नष्ट कर दिया है। ज्ञात हो कि घायल हथिनी के साथ दो बच्चों ओर अन्य एक हाथी बांस वन जंगल में काफी दिनों से जमे हुए है। शाम होते ही ये आसपास के गांव में जाकर उत्पात करते है। किसानों की फसल सुरक्षित नहीं रहा है। किसानों ने वन विभाग से हाथियों को भागने की मांग किया है। इधर तिलाईपिडी गांव के समीप हाथियों का दो झुंड में बंट कर खेत में लगे फसल को नष्ट किया है।

रेडिसन होटल का उद्घाटन कल, 105 कमरों के साथ मिलेगी सेवा

■ पीएम मॉल,बिष्टुपुर कैंपस में खुल रहा होटल,पर्यटन मंत्री करेंगे उद्घाटन

■ जमशेदपुर के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में जुड़ा एक और फाइव स्टार होटल ब्रांड

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर शहर का हॉस्पिटैलिटी सेक्टर अब एक नए मुकाम की ओर बढ़ने जा रहा है। आगामी 18 मई 2025 को रेडिसन होटल जमशेदपुर के भव्य उद्घाटन के साथ शहर के पर्यटन उद्योग को नयी पहचान मिलेगी। बिस्टुपुर पी एंड एम हाई-टेक सिटी सेंटर मॉल के केंद्र में स्थित रेडिसन होटल आधुनिक सुविधाओं का बेहतरीन संगम है। होटल में कुल 105 शानदार कमरे हैं, जो इसे जमशेदपुर का सबसे बड़ा आवासीय इन्वेंट्री बनाते हैं। इसके अलावा, 5000 वर्गफीट में फैले दो भव्य बैंक्वेट हॉल, एक बोर्डरूम, स्पा, सैलून, फिटनेस सेंटर, लाउंज बार, बिजनेस सेंटर और वॉक-इन लाइब्रेरी जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

पीएम मॉल के दाहिनी छोर पर विकसित रेडिसन होटल और पत्रकारों को होटल के बारे में जानकारी देते जनरल मैनेजर विकास कुमार वर्मा। साथ में उनके सहयोगी (इनसेट)।

बता दें कि रेडिशन होटल का जमशेदपुर में खुल रहा होटल देश-विदेश में इस ग्रुप का 146 वां होटल है। होटल के महाप्रबंधक विकास वर्मा ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि रेडिसन होटल का उद्घाटन 18 मई को झारखंड के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार के हाथों होगा जबकि व्यवसायिक रूप से 19 मई से प्रारंभ होगा। यह होटल न सिर्फ व्यवसायिक यात्रियों के लिए बल्कि पर्यटकों के लिए भी पहली पसंद साबित होगा।

उन्होंने बताया कि रेडिसन होटल का ऑल-डे डाइनिंग रेस्टोरेंट 'सारंडा' स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों का स्वादिष्ट संगम है। इसके अलावा, दो प्राइवेट डाइनिंग रूम भी उपलब्ध हैं। होटल का लाउंज बार 'पलाश' प्राकृतिक प्रकाश और वाक-इन लाइब्रेरी के साथ खासतौर पर पोस्ट-वर्क रीलैक्सेशन के लिए डिजाइन किया गया है। विकास वर्मा ने बताया कि बिजनेस मीटिंग्स और पारिवारिक आयोजनों के लिए होटल में आधुनिक तकनीक से युक्त 'सुबर्नरेखा' पिलरलेस हॉल है।

एक नजर में

डेंगू दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया गया

चान्हो। प्रखंड के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चान्हो द्वारा राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान बच्चों को डेंगू से रोकथाम के उपाय बताए गए। बीपीएम श्यामेन्द्र कुमार अभिषेक की अगुवाई में सबसे पहले जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से लोगों से डेंगू से बचने की अपील की गई। डेंगू से बचने के लिए मच्छरदानी का उपयोग करने तथा टूटे हुए बर्तन, टायर, गड्ढे जैसे स्थानों में पानी जमा नहीं होने देने की बात कही गई। चिकित्सा प्रभारी डा सरिता कच्छप ने कहा कि तेज बुखार और मांशपेशियों में खिंचाव होने पर अनदेखा नहीं करना चाहिए और तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाना चाहिए। मौके पर भोला साहू सहित अन्य मौजूद थे।

कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की प्रयास

मांडर। थाना क्षेत्र की बंझीला निवासी इक्कीस वर्षीय परिणा खातून ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। गंभीरावस्था में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज हेतु उसे रिम्स रेफर किया गया है। घटना शुक्रवार दोपहर की है। बताया जाता है कि किसी बात से नाराज होकर उसने घर में रखा कीटनाशक पी लिया, जब उसकी हालत खराब होने लगी तब परिजन उसे तत्काल लेकर रेफरल अस्पताल मांडर पहुंचे जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर ईलाज हेतु उसे रिम्स रेफर कर दिया गया है। पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

सम्मानित हुए प्रशिक्षु नर्स, लिया आजीवन मानव सेवा का संकल्प

अनगड़ा। किंगपिन कालेज ऑफ नर्सिंग बीसा में शुक्रवार को विश्व नर्स दिवस के मौके पर सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा व विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता रामसाय मुंडा उपस्थित थे। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर जसपुरिया एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक जैलेन्द्र कुमार ने किया। मौके पर फलोरेंस नाइटिंगल के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। फलोरेंस नाइटिंगल की जयंती पर नर्स डे 12 मई को मनाया जाता है। मौके पर प्रशिक्षुओं ने आजीवन मानव सेवा का संकल्प लिया। अनुराधा मुंडा ने कहा कि नर्सिंग में रोजगार के काफी अवसर है। सेवा भाव का श्रेष्ठ उदाहरण नर्स है। मौके पर विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत की गई। संचालन शिशिर कुमार व रूचि ने किया। इस अवसर पर जसपुरिया बीएड कालेज के प्रिंसिपल डॉ. अनिल कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे।

बुढ़मू प्रखंड के हेसलपिरी में ग्रामीणों की बैठक

ठाकुरगांव। बुढ़मू प्रखंड के हेसलपिरी गांव में ग्रामीणों की बैठक शुक्रवार को मुखिया कुशेन्द्र पाहन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव उपासना का पूजा मंडा पूजा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 25 मई को फुलखुन्दी व 26 मई को झूलन सह मेला का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम की सफलता को लेकर एक कमेटी का भी गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष प्रकाश महतो,सचिव अशोक महतो व कोषाध्यक्ष राजू महतो बनाये गए हैं। वहीं कमेटी में संरक्षक ललित महतो,सोनालाल महतो,कृष्णा लोहरा,दीपक महतो चुने गए। मौके पर दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

शिवसेना ने ब्राह्मण भोज में किया आर्थिक सहयोग

ब्रह्मण भोज हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करते जितेंद्र सिंह।

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के शिवसेना कार्यकर्ता निखिल बड़ाइक के पिता स्वर्गीय नारायण बड़ाइक के ब्राह्मण भोज में शिवसेना रांची जिला के वरीय पदाधिकारी जितेंद्र सिंह शुक्रवार को शिवसेना के झारखंड राज्य प्रमुख दीपक सिंह के आदेश पर बेड़ो पहुंचकर मृतक स्वर्गीय नारायण बड़ाइक को श्रद्धांजलि देते हुए मृत आत्मा की शांति को लेकर कामना किए। इस दौरान जितेंद्र सिंह ने शिवसेना राज्य प्रमुख दीपक सिंह के आदेश पर ब्राह्मण भोज हेतु आर्थिक सहयोग के रूप में निखिल बड़ाइक को सहयोग राशि भेंट किए। मौके पर मधुसूदन गोप शंकर लाल खन्ना समेत कई लोग मौजूद थे।

गेंहू लदा एफसीआई का ट्रक पलटा बाल-बाल बचे चालक व खलासी

दुधिया धाम जंगल के पास गेहूं लद्दा एफसीआई गोदाम का ट्रक पलटा।

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो पुरना पानी से लापुंग जाने वाली सड़क पर शुक्रवार की सुबह लगभग साढ़े छह बजे दूधिया जंगल के मोड़ में एक एफसीआई का ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। ट्रक में एफसीआई गोदाम का गेहूं भरा हुआ था। मिली जानकारी के अनुसार उक्त ट्रक नगड़ी से गेहूं भरकर लापुंग एफसीआई गोदाम के लिए जा रहा था। तभी दूधिया मोड़ के समीप ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। केवल उपचालक विक्रम कुमार को हल्की चोट आई है साथ ही चालक फरार हो गया। वहीं शाम में लगभग पांच बजे दूसरे ट्रक में गेहुंबको उठा कर लापुंग एफसीआई गोदाम में भेजा गया।

आइपीएल 2025 : आरसीबी-केकेआर मुकाबले से फिर से शुरू होगी लीग, टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली पर नजरें

आरसीबी की नजर प्लेऑफ पर, केकेआर के लिए होगी आर पार की जंग

एजेंसी

बेंगलूरू। आइपीएल 2025 के दूसरे चरण का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। यह लीग का 58वां मुकाबला होगा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में सभी की निगाहें हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर होंगी।

10 दिनों की अप्रत्याशित रुकावट

10 दिनों के अप्रत्याशित रुकावट के बाद आरसीबी और केकेआर दोनों प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है और केकेआर के खिलाफ जीत टीम के लिए प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर देगी। वहीं, केकेआर 12 मैचों में 11 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है और एक भी हार मौजूदा चैंपियन की नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को खत्म कर देगी।

दोनों टीमें शानदार लय में चल रहीं

लीग की रुकावट से पहले दोनों टीमें शानदार लय में थी। आरसीबी ने जहां अपने पिछले चारों मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि केकेआर की टीम लगातार दो जीत के साथ इस मैच में उतरेगी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि ये टीमों अपनी लय को किस तरह से बनाये रखती है। कागजों पर दोनों टीमों की तुलना करें तो इसमें कोई शक नहीं की केकेआर पर आरसीबी का पलड़ा भारी होगा।

कप्तान पाटीदार को लगी है चोट

चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ चोटिल हुए कप्तान रजत पाटीदार ने अभ्यास सत्र में बिना किसी परेशानी के बल्लेबाजी की। पाटीदार को अंगुली में चोट लगी थी, लेकिन नेट सत्र में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। मेजबान टीम के अधिकांश विदेशी खिलाड़ी भी भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के बाद स्वदेश लौट आए हैं। फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी टीम के लिए उपलब्ध हैं।

मयंक खुद को साबित करना चाहेंगे

देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की चोट के कारण गैरमौजूदगी हालांकि एक बड़ी समस्या हो सकती है। आरसीबी पडिक्कल की जगह लेने वाले मयंक अग्रवाल से इस मौके को भुनाने की उम्मीद करेगी। हेजलवुड के कंधे में चोट है और फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता के बारे में जानकारी नहीं दी है।

कोहली पर होंगी सभी की निगाहें

मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होंगी। स्टेडियम में भी दर्शक उनके नाम का सबसे ज्यादा नारा लगाएंगे। इस दिग्गज बल्लेबाज ने इस सप्ताह की शुरूआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर अगर गौर करें तो प्रशंसक खेल के पारंपरिक प्रारूप को सबसे ज्यादा महत्व देने वाले इस बल्लेबाज को सम्मानित करने के लिए सफेद जर्सी पहनने की योजना बना रहे हैं।

प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे विराट कोहली

शानदार लय में चल रहे कोहली भी टेस्ट करियर के अचानक समाप्त होने के बाद बल्ले से कुछ प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे। केकेआर को मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा निराशा अपने बल्लेबाजों से हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने निरंतरता नहीं दिखायी हैं।

केकेआर की बल्लेबाजी सबसे बड़ी समस्या

केकेआर टीम के लिए लीग चरण के सभी मैच करो या मरो की तरह है ऐसे में उसे वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह से प्रभावी पारियों की उम्मीद होगी। टीम को इंग्लैंड के अनुभवी हरफनमौला मोईन अली की कमी खलेगी। मोईन वायरल बुखार के कारण लीग से बाहर हो गए हैं। वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा की केकेआर की गेंदबाजी लाइन-अप ने कई मौकों पर महंगे साबित होने के बावजूद अपनी पकड़ बनाए रखी है।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

आरसीबी: जैकब बेथेल/फिल सॉल्ट, विराट कोहली, स्वास्तिक चिकारा/मयंक अग्रवाल, रजत पाटीदार (कप्तान/फिटनेस के अधीन), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, लुंगी एनगिडी, यश दयाल।
सुयश शर्मा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।

केकेआर: रहमनुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सुनील नरेन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती।
हर्षित राणा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।

90 मीटर का थ्रो करने के बावजूद दूसरे स्थान नीरज जूलियन बने विजेता

दोहा। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में शानदार प्रदर्शन किया और अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का थ्रो किया। इसके बावजूद नीरज डायमंड लीग का दोहा चरण नहीं जीत सके। उन्हें जर्मनी के जूलियन वेबर ने हराया जिन्होंने छठे प्रयास में 91.06 मीटर का थ्रो किया। नीरज 90.23 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 85.64 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज सबसे पहले थ्रो करने आए और उन्होंने पहले ही प्रयास में 88.44 मीटर का थ्रो किया। वहीं, उनके प्रतिद्वंद्वी एंडरसन पीटर्स ने पहले प्रयास में 85.64, जूलियन वेबर ने 83.82 और जूलियस येगो ने 68.81 मीटर का थ्रो किया। वहीं, भारत के एक अन्य भाला फेंक एथलीट किशोर जेना ने पहले प्रयास में 68.07 मीटर के थ्रो के साथ शुरूआत की। इस तरह नीरज पहले प्रयास में सबसे आगे रहे। नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में अच्छी शुरूआत की, लेकिन दूसरे प्रयास में लय गड़बड़ा गए और फाउल कर बैठे। वहीं, भारत के एक अन्य भाला फेंक एथलीट किशोर जेना ने दूसरे प्रयास में 78.60 मीटर का थ्रो किया। हालांकि, तीसरे प्रयास में नीरज ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़े और करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के साथ ही 90 मीटर का तिलिस्म तोड़ दिया।

इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया ए टीम की कमान अभिमन्यु को

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारत ए टीम घोषित कर दी है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने का ईनाम करुण नायर को मिला और उन्होंने इसके लिए टीम में जगह दी गई है। भारत ए टीम को इंग्लैंड दौरे पर इंग्लैंड लायंस टीम के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच खेलने हैं। भारतीय टीम इस दौरे पर अभिमन्यु ईश्वरन की कप्तानी में खेलने उतरेगी।

सीरीज का कार्यक्रम

भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच ये दो मुकाबले कैंटरबरी और नॉर्थम्पटन में खेले जाएंगे। इस दौरे का अंत भारत की सीनियर टीम के खिलाफ मैच के साथ होगा। भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहला मुकाबला 30 मई से दो जून तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला छह से नौ जून तक नॉर्थम्पटन में होगा। इसके बाद टीम 13 से 16 जून तक इंट्रा स्क्वाड मैच खेलेगी।

आठ साल बाद करुण नायर की टीम में वापसी

इस टीम की सबसे दिलचस्प बात यह है कि इसमें करुण नायर को मौका मिला है जिन्होंने भारत के लिए आखिरी बार 2017 में टेस्ट मैच खेला था। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपना दम दिखाया था और टीम में उनकी वापसी इसी प्रदर्शन की बदौलत हुई है। भारत अपनी टेस्ट टीम को मजबूती देना चाहता है और यह दौरा नायर के लिए सीनियर टीम में वापसी के दरवाजे खोल सकता है। 31 वर्षीय करुण ने घरेलू क्रिकेट में विदर्भ के लिए खेलते हुए विजय हजारे ट्रॉफी के आठ मैचों में 779 रन बनाए जिसमें पांच शतक शामिल था। करुण ने इस दौरान लगातार चार मैचों में शतक जड़े थे। रणजी ट्रॉफी में करुण ने नौ मैचों में 863 रन बनाए जिसमें फाइनल में केरल के खिलाफ शतक और एक अर्धशतक शामिल हैं। विदर्भ ने केरल को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

दूसरे टेस्ट के लिए गिल-सुदर्शन शामिल

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभिमन्यु जहां टीम की कमान संभालेंगे, वहीं ध्रुव जुरेल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। इस टीम में युवा खिलाड़ियों के साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। ईशान किशन भी इसके लिए टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं जिससे टीम में जुरेल के साथ वह दूसरे विकेटकीपर का विकल्प हैं। वहीं, शार्दुल ठाकुर तेज गेंदबाजी आक्रमण में जिम्मा संभालेंगे। भारतीय चयनकताओं ने शुभमन गिल और साई सुदर्शन को भी टीम में शामिल किया है जो दूसरे मैच से पहले टीम से जुड़ जाएंगे।

स्टार्क का आइपीएल के शेष मैचों में खेलने से इनकार

(एजेंसी) सिडनी। दिल्ली कैपिटल्स की उम्मीदों को लगा बड़ा झटका, आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिचेल स्टार्क ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को देखते हुए आइपीएल में फिर से खेलने से इनकार करते हुए भारत नहीं लौटने का फैसला किया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सूत्रों ने बताया कि आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड दोनों आइपीएल में अपने शेष मैच खेलने के लिए वापस भारत जायेंगे। हैदराबाद का फाइनल में नहीं पहुंचना तय है। इसलिये हैदराबाद की टीम के खिलाड़ियों की समय सीमा 25 मई को पूरी हो जायेगी। वहीं आस्ट्रेलिया के अन्य खिलाड़ियों की बात की जाये तो हेजलवुड रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिताबी मुकाबले में वापसी करने से पहले कंधे की चोट का आकलन करेंगे। जॉश इंगलिस ने पंजाब किंग्स के लिए वापसी की अपनी योजना पर फैसला टाल दिया है, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क के साथी जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने भी आइपीएल टूर्नामेंट से बाहर होने का विकल्प चुना है।

ओलंपिक 2028 में प्रतिस्पर्धा के लिए पारदर्शी रास्ता निकाले : वेस्टइंडीज

पोर्ट ऑफ स्पेन। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने आइसीसी से लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल होने के लिये साफ और पारदर्शी रास्ता निकालने की मांग की है। सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष ने कहा, कैरेबियाई टीम ने ओलंपिक में हमेशा अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है और अपनी एथलेटिक प्रतिभा से दुनिया को प्रेरित किया है। 2028 खेलों में क्रिकेट की वापसी हमारे युवा क्रिकेटरों को उसी सपने से वंचित नहीं कर सकती जिसने हमारे एथलीटों को प्रेरित किया है।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में रोहित हुए भावुक कहा-ऐसा मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था

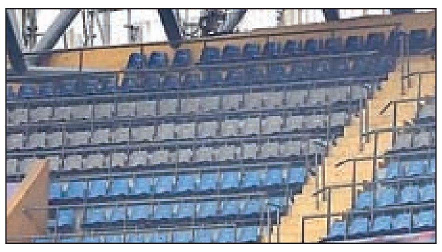

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में शुक्रवार को रोहित शर्मा स्टैंड का अनावरण किया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के स्टैंड अनावरण समारोह में शामिल हुए, जहां भारत के सबसे खतरनाक सलामी बल्लेबाजों में से एक का नाम स्टेडियम में अंकित किया गया। 2007 में घरेलू सर्किट में शामिल होने के बाद से ही वानखेड़े शर्मा का पसंदीदा मैदान रहा है। कार्यक्रम में रोहित शर्मा ने इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रति बहुत आभार व्यक्त किया और माना कि स्टेडियम में बिताए गए समय की यादों को देखते हुए यह सम्मान विशेष है। रोहित ने कहा, सबसे पहले, मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जो इस आयोजन को इतना खास बनाने के लिए यहां आए हैं। आज जो होने जा रहा है, मैंने कभी इसके बारे में सपने में भी नहीं सोचा था। बचपन में मुंबई, भारत के लिए खेलना चाहते हुए, कोई भी ऐसी चीजों के बारे में नहीं सोचता। मेरे लिए, यह किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह है जो अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता है। जितना संभव हो सके, देश की सेवा करना। ऐसा करते हुए, आप बहुत सी चीजें हासिल करने की कोशिश करते हैं। बहुत से मील के पत्थर बनते हैं, लेकिन ऐसा कुछ वाकई खास है। वानखेड़े एक ऐसा प्रतिष्ठित स्टेडियम है, यहां बहुत सारी यादें हैं। खेल के महान खिलाड़ियों और दुनिया के शीर्ष राजनीतिक नेताओं के बीच अपना नाम दर्ज कराना, मैं अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर सकता। इसके लिए, मैं वास्तव में बहुत आभारी हूं, सम्मानित हूं, और सभी एमसीए सदस्यों का बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं, और सर्वोच्च परिषद के सदस्य को भी नहीं भूलना चाहिए। मेरे लिए खेलते समय सम्मानित होना इसे खास बनाता है। मैंने दो प्रारूपों से संन्यास ले लिया है, लेकिन मैं अभी भी एक प्रारूप खेल रहा हूं। रोहित शर्मा ने कार्यक्रम में कहा, जब मैं यहां आऊंगा और 21 तारीख को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करते हुए खेलूंगा तो यह एक अवास्तविक एहसास होगा। यह एक बहुत ही खास एहसास होगा। रोहित शर्मा, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है, मुंबई क्रिकेट के दिग्गज रहे हैं और उन्होंने ळ20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीत के साथ लगातार आईसीसी ट्रॉफियों के लिए भारत की सफलतापूर्वक कप्तानी की है।

आखिर में भारत के बल्लेबाज, जो अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, ने कहा कि वह उस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब वह आयोजन स्थल पर देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने इस दौरान मजाक में कहा कि उनके मुंबई के साथी, जो समारोह में मौजूद थे, उनके भाषण के खत्म होने का इंतजार कर रहे थे। शर्मा ने कहा, यह और भी खास होगा जब भारत यहां किसी भी टीम के साथ खेलेगा, यह और भी खास हो जाएगा। अपनी मां , पिताजी, अपने भाई और उनकी पत्नी और अपनी पत्नी के सामने यह सम्मान पाना। मैं अपने जीवन में सभी लोगों के लिए बहुत आभारी हूं, उन्होंने जो कुछ भी त्याग किया है। बेशक, मेरी टीम मुंबई इंडियंस यहां है, जो मेरे भाषण के खत्म होने का इंतजार कर रही है ताकि वे प्रशिक्षण शुरू कर सकें।

बार्सिलोना ने जीता ला लीगा 2024-25 का खिताब, यामाल के गोल ने दिलाई जीत

एजेंसी

कॉनेर्ला डे लोब्रेगेट (स्पेन)। बार्सिलोना ने गुरुवार देर रात ला लीगा 2024-25 खिताब पर कब्जा जमा लिया, जब उसने स्थानीय प्रतिद्वंद्वी एस्पेन्योल को 2-0 से हराया। 17 वर्षीय स्टार लामिन यामाल ने 53वें मिनट में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, और इंजुरी टाइम में फर्मिन लोपेज के गोल ने जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ हांसी फ्लिक की टीम रियल मैड्रिड से सात अंक आगे निकल गई है, जबकि लीग में केवल दो मुकाबले बाकी हैं। इसी के साथ बार्सिलोना ने अपना 28वां ला लीगा खिताब जीत लिया और घरेलू ट्रेबल (ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप) भी पूरा कर लिया।

पहले हाफ में संघर्ष, फिर चमका बार्सिलोना

पहले हाफ में बार्सिलोना ने भले ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन वह कोई खास मौका नहीं बना सका। एस्पेन्योल ने काउंटर अटैक से परेशान किया और उनके खिलाड़ी जावी पुआदो को गोल करने का अच्छा मौका भी मिला, जिसे वोज्शेच शेजनी ने शानदार तरीके से बचा लिया। दूसरे हाफ में यामाल ने शानदार अंदाज में गोल करके बर्फ तोड़ी। उन्होंने दाईं विंग से अंदर आते हुए बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट मारा, जो सीधे टॉप कॉर्नर में गया। यह गोल उनकी स्पेन के लिए यूरो 2024 सेमीफाइनल में किए गए गोल की याद दिला गया।

10 खिलाड़ी बचे एस्पेन्योल ने किया संघर्ष, लेकिन नहीं बचा सके हार

62वें मिनट में एस्पेन्योल को झटका लगा जब लेएंड्रो कैब्रेरा को यामाल के पेट में कोहनी मारने के चलते रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बावजूद एस्पेन्योल ने दबाव बनाए रखा, लेकिन आखिरी समय में फर्मिन लोपेज ने गोल दागकर उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

एस्पेन्योल के मैदान पर फिर बना चैंपियन

दिलचस्प बात यह है कि बार्सिलोना ने यह खिताब उसी एस्पेन्योल के मैदान पर जीता, जहां 2023 में भी उसे खिताबी जीत मिली थी। हालांकि उस समय नाराज दर्शकों ने खिलाड़ियों को मैदान से भागने पर मजबूर कर दिया था। इस बार भी एस्पेन्योल फैंस की नाराजगी दिखी, लेकिन उन्होंने सिर्फ मैदान पर पानी के फव्वारे चला दिए जिससे बार्सिलोना के जश्न को जल्दी समाप्त करना पड़ा।

अब बस चैंपियंस लीग की कमी: इस सीजन में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया और केवल चैंपियंस लीग ही एक ऐसा खिताब रहा, जो उससे दूर रह गया। लेकिन युवा खिलाड़ियों से सजी इस टीम ने भविष्य के लिए उम्मीदें जगा दी हैं।

मैच से पहले हादसा, लेकिन कोई गंभीर रूप से घायल नहीं

मैच से पहले एक हादसे में कुछ एस्पेन्योल फैंस एक कार की चपेट में आ गए। हालांकि पुलिस ने इसे दुर्घटना बताया और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं मिली।

पाओलिनी और गॉफ के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

रोम। इटली की स्टार टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी और अमेरिका की कोको गॉफ शनिवार को इटैलियन ओपन में महिला एकल के फाइनल में भिड़ेंगी। पाओलिनी ने गुरुवार को महिला एकल में पीटन स्टर्न्स के खिलाफ 7-5, 6-1 की जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। वह इस जीत के साथ ही 2014 के बाद इस टूर्नामेंट के एकल के फाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली महिला बन गई हैं। दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी पाओलिनी को शुरूआती दौर में संघर्ष करना पड़ा और ओपनर में 5-3 से पिछड़ने पर उन्हें सेट प्वाइंट का सामना करना पड़ा, लेकिन गॉफ सर्विस नहीं बचा पाईं। पाओलिनी ने घरेलु दर्शकों के बीच पहले सेट में बढ़त बनाकर आत्मविश्वास हासिल किया और दूसरे सेट में दबदबा बनाया। पाओलिनी ने गॉफ के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला जीत लिया।

पीकेएल सीजन 12 के लिए 31 मई से एक जून को होगी खिलाड़ियों की नीलामी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीगसीजन 12 के लिए मुंबई में 31 मई और एक जून को खिलाड़ियों की नीलामी होगी। मशाल स्पोर्ट्स ने शुक्रवार को आगामी प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के लिए खिलाड़ियों के नीलामी की तारीखों की घोषणा कर दी। सीजन 12 की यह नीलामी एक और शानदार सीजन की शुरूआत का संकेत है। एक बार फिर चैंपियन टीम अपनी ट्रॉफी बचाने उतरेगी और देश-विदेश से जुड़े प्रशंसक कबड्डी के जोश को नए स्तर पर ले जाएंगे।

स्पीड न्यूज

घर के बाहर खड़ी स्कार्पियो गाड़ी को चोरों ने उड़ाया

गोड्डा /महागामा। थाना क्षेत्र में चोरों ने फिर एक और बड़ी घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने बहुत ही सफाई से सदर बाजार में रात के समय घर के बाहर खड़ी सफेद रंग की स्कार्पियो गाड़ी को चुरा लिया और किसी को भनक तक नहीं लगने दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाड़ी ईसीएल कर्मचारी परमानंद मिर्धा के बेटे भीम मिर्धा की है। वहीं भीम मिर्धा ने थाने में चोरी की शिकायत दर्ज करा दी है। चोरी की गई गाड़ी सफेद रंग की स्कॉर्पियो है, जिसका निबंधन संख्या जेएच 17एसी 2533 है। जानकारी के अनुसार ड्राइवर उमेश कुमार सिंह रोजाना परमानंद मिर्धा को ईसीएल में ड्यूटी के लिए लाता और ले जाता था और फिर ड्यूटी खत्म होने के बाद वह गाड़ी को हर रात में महागामा स्थित अपने घर पर खड़ी करता था, जहां यह घटना घटित हो गई। बताते चलें कि इस घटना से पूर्व महागामा सदर बाजार में एक दुकान मालिक से सोने की चेन और अंगूठी की छिनतई हुई थी इस मामले का उद्भेदन पुलिस अब तक नहीं कर पाई है वहीं अब दरवाजे पर से गाड़ी चोरी का यह दूसरी घटना है। क्षेत्र में इस प्रकार से लगातार हो रही चोरी और छिनतई की घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोग पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने लग गए हैं। उनका कहना है कि रात में पुलिस गश्त के बावजूद बड़ी गाड़ी की चोरी कैसे हो गई। वहीं इस मामले में महागामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि सूचना मिलते ही मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। जल्द ही कार्यवाही की जाएगी और आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा साथ ही चोरी और छिनतई का सामान भी बरामद कर लिया जाएगा।

असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश

गोड्डा। आज गोड्डा पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने अपने कार्यालय में अपने तमाम वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक कर पुलिस कर्मियों को उनके उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया जिनमें मोतिया ओपी के इंचार्ज महावीर पंडित को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया बैठक में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय प्रशिक्षु उपाधीक्षक अनुमंडल पुलिस अधिकारी पुलिस निरीक्षक एवं सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे ।अधिकारियों को उनके कर्तव्य के प्रति जागरूक रहने पर बल देते हुए उन्हें नशा उन्मूलन, दो पहिया वाहन चोरी, एटीएम बैंक व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। लंबित कांडों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। महिला उत्पीड़न, डायन, बिसाहा इत्यादि कांडों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। खनन माफिया, जमीनमाफिया, असामाजिक तत्वों गुंडा तत्वों को लेकर विशेष निर्देश दिए गए। 112 नंबर पर दर्ज शिकायत पर त्वरित गति से संज्ञान लेने के निर्देश दिए गए।

तेज आंधी और बारिश ने तेनुघाट में मचाया जमकर तबाही

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट। गुरुवार को अचानक आए तेज आंधी और बारिश ने तेनुघाट क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचाया। व्यवहार न्यायालय भवन के पास, अधिवक्ता संघ परिसर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय के समीप मुख्य मार्ग पर कई पेड़ की डाली टूटकर गिर गई। इससे एक घर की छत और इंटर कालेज जाने वाली सड़क मार्ग के पास में खड़ी चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना से बिजली के तार भी टूट गए, जिससे पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर पोल और तार को ठीक करने में जुटी है, लेकिन अब तक बिजली बहाल नहीं हो सकी है। स्थानीय कॉलोनीवासियों का कहना है कि वर्षों से बिजली की लाइनें जर्जर अवस्था में हैं और कई बार विभाग को तार बदलने की मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी 'कान में तेल डालकर सोए' हुए हैं, जिसके कारण आंधी या बारिश में ही तेनुघाट क्षेत्र की बिजली व्यवस्था चरमरा जाती है।

आसमानी बिजली गिरने से 6 मवेशी की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/ कसमार। कसमार अंचल अंतर्गत सोनपूरा पंचायत के सिल्ली साड़म में तेज बारिश के साथ वज्रपात होने से 6 मवेशी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। बताया जा रहा है कि सभी मवेशी सोनपूरा पंचायत के सिल्ली साड़म निवासी सर्वेश्वर हांसदा की है। सर्वेश्वर हांसदा ने बताया कि जंगल की ओर से घर आने के क्रम में सभी मवेशी विष्णु टाँड़ फुटबॉल मैदान के पास एक बांस की झाड़ी पास पहुंचे ही थे कि अचानक बारिश होने लगी। उसी बीच वज्रपात से 5 गाय व 1 बैल की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। पीड़ित किसान ने सोनपूरा पंचायत के मुखिया चंद्रशेखर हेम्ब्रम को वज्रपात से मवेशी की मौत की सूचना दी। सूचना पाते ही वे घटनास्थल पहुंचे और वहीं से कसमार सीओ प्रवीण कुमार कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो तथा कसमार के भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अखौरी को जानकारी देते हुए मुआवजा की प्रक्रिया करने की मांग की। मौके पर पशु चिकित्सक जितेन्द्र टुडू नंदन हेम्ब्रम श्यामसुंदर मरांडी भीम टुडू नकुल टुडू सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

तिरंगा यात्रा में दिखा सेना के प्रति जोश और जज्बा

उमड़ी भीड़ ने लगाई भारत माता की जय

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। आज भाजपा जिला ईकाई द्वारा गोड्डा के हटिया चौक अमर शहीद सरदार भगत सिंह चौक से चलकर गोड्डा शहिद अशोक स्तंभ तक भारतीय सेना के वीर सपूतों के सम्मान यानी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर देश की आन बान शान तिरंगा यात्रा निकाला गया। सभी पार्टी के कार्यकर्ता बंधु तिरंगा झंडा हाथों में लिए पंक्तिबद्ध रोड शो के रूप में बाजार से गुजरते हुए शहीद स्तंभ तक जमा होकर पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाए ,भारती सेना की जय हो, भारत माता की जय, वंदे मातरम आदि के नारों से गूंजाय मान किया। पार्टी के बैरिस्ट लोगों और कई वक्ताओ ने देश के लोकप्रिय और यशस्वी प्रधानमंत्री और दोनों महिला विंग कमांडर सोफिया और सिंह की तारीफ की और देश के शहिद जवानों और नागरिकों के लिए संवेदना व्यक्त किया।

खुदीबेड़ा मौजा में चला बुलडोजर

किसी को मिली मोहलत तो किसी को तोड़कर हटाया

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/कसमार। बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ चौड़ीकरण-मजबुतीकरण पथ निर्माण के तहत अधिग्रहित भूमि एवं संरचनाओं का मुआवजा भुगतान लेने के बावजूद संरचनाओं को हटाये नहीं जाने पर शुक्रवार को खुदीबेड़ा मौजा में एसडीओ मुकेश मछुआ एवं सीओ प्रवीण कुमार की मौजूदगी में अतिक्रमण मुक्त अभियान चला। जिसके तहत बुलडोजर चलाकर संरचनाओं को हटाया गया। खुदीबेड़ा मौजा में अधीर चंद्र चक्रवर्ती के घर से प्रयाग महतो के घर तक बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान कुछ पंचाटियों को स्वयं से संरचनाओं को हटाने के समय सीमा की मोहलत दी गयी तो कुछ पंचाटियों की संरचनाओं को बुलडोजर चलाकर हटाया गया। जिन पंचाटियों को किसी कारणवश एक दो दिन पूर्व नोटिस मिला है उन्हें एक सप्ताह की मोहलत दी गई। इस दौरान बेरमो एसडीओ मुकेश मछुआ ने कहा कि सड़क निर्माण परियोजना में अधिग्रहित भूमि एवं संरचनाओं के हितबद्ध पंचाटियों को शत-प्रतिशत मुआवजा भुगतान किया जा चुका है बावजूद इसके अपनी संरचनाओं को हटाये नहीं जाने पर प्रशासन की ओर से बुलडोजर चलाकर हटाया जा रहा है। ताकि ससमय महत्वाकांक्षी परियोजना को पूर्ण किया जा सके। बता दें कि खुदीबेड़ा मौजा में पंचाटि प्रयाग महतो पदमी देवी भेखन राम महतो सुभाष कुमार महतो छोटू राम महतो प्रयाग महतो राजेंद्र महतो जागेश्वर महतो अजीत कुमार महतो सुरेश कुमार महतो खगेंद्र नाथ महतो अमित कुमार महतो लाल मोहन गंझू अखिलेश्वर महतो भोलानाथ महतो मुकुंद महतो वासुदेव महतो गोवर्धन महतो नंदलाल महतो नकुल महतो सुरेश कुमार महतो हीरालाल कुमार महतो बुधन राम महतो ज्वाला देवी हृदय करमाली छोटा महतो शांति देवी चंदन गोस्वामी उदय गोस्वामी एवं अधीर चंद चक्रवर्ती के संरचनाओं को अधिग्रहित किया गया है। मौके पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी कनीय अभियंता राजीव रंजन एवं आशीष कुमार कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो एसआई मो मोजविल भू-अर्जन कार्यालय के शरत कुमार राजस्वकर्मी जमील अहमद गंगा कंस्ट्रक्शन के नरेंद्र पांडेय गुड्डू पाठक विकास तिवारी जैप-जवान चौकीदार आदि मौजूद थे।

डीवीसी सीटीपीएस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लिया स्वच्छता की शपथ

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/चंद्रपुरा। डीवीसी चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों व केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान एवं अन्य कर्मियों ने आज स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर हिंदी और अंग्रेजी में शपथ लिया। 16 मई से शुरू होकर 23 मई तक आयोजित होने वाली स्वच्छता कार्यक्रम में वरिष्ठ जीएम और परियोजना प्रधान विजया नन्द शर्मा ने हिंदी में और वरिष्ठ जीएम मानव संसाधन डीसी पांडेय ने अंग्रेजी में उपस्थित कर्मियों को शपथ दिलाया। मौके पर उपस्थित कर्मियों ने स्वच्छता शपथ लिया कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनीतिक आजादी ही नहीं थी बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी। महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर मां भारती को आजाद कराया और अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें। सभी ने शपथ लिया कि वे स्वयं हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के प्रति सजग रहेंगे और इसके लिए समय देंगे। सभी ने शपथ लिया कि वह गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करेंगे एवं अन्य 100 व्यक्तियों से भी यह कार्य कराया जाएगा।

तम्बाकू उद्योग के पीछे के खतरनाक सच के प्रति स्कूली बच्चे हुए जागरूक

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के आदेशानुसार चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय जोधाडीह चास एवं मध्य विद्यालय सोलागीडीह चास में तम्बाकू के दुष्प्रभाव एवं तम्बाकू उद्योग के आकर्षण के पीछे के खतरनाक सच के प्रति बच्चों को जागरूक करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को तम्बाकू से होने वाले जनित रोगों से अवगत कराया गया। साथ ही सभी को तम्बाकू छोड़ने हेतु परामर्शी सेवा के साथ-साथ तम्बाकू नशा मुक्ति केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं से भी अवगत कराया गया। नोडल पदाधिकारी एनसीडी डॉ सुधा सिंह के द्वारा सभी बच्चों को बताया गया कि तंबाकू में नशीला पदार्थ निकोटिन होता है जिसके उपयोग से हृदय और सांस संबंधी बीमारियों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के कैंसर होने का सबसे बड़ा प्रमुख कारण होता है। झारखंड में कक्षा 7 से 10 तक में प्रत्येक 100 बच्चों में 5 बच्चे तम्बाकू का उपयोग करते हैं जिन्हें तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने हेतु लगातार स्कूल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ताकि इस संख्या में कमी लाई जा सके। जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम मो असलम ने बताया कि झारखंड में कुल आबादी का लगभग 88 लाख लोग तम्बाकू का उपयोग किसी न किसी रूप में करते हैं जिसमे तम्बाकू जनित रोगों से झारखण्ड में प्रत्येक वर्ष लगभग 35 हजार लोगों की मृत्यु होती है। वहीं कार्यक्रम के अन्त में सभी बच्चों को शपथ दिलाया गया कि भविष्य में कभी भी तम्बाकू का उपयोग नहीं करेंगे। सेमिनार कार्यक्रम में दोनों स्कूल के प्राचार्य केशव चन्द्र महथा एवं सदानंद महतो स्वास्थ्य विभाग से सोशल वर्कर छोटेलाल दास विद्यालय के शिक्षक सहित अन्य स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

आरएम संस्कार पब्लिक स्कूल में संयुक्त परिवार के महत्व पर मना परिवार दिवस

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड अंतर्गत रणविजय मेमोरियल संस्कार पब्लिक स्कूल खैराचातर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के तहत संयुक्त परिवार के महत्व पर बच्चों ने ड्राइंग फैमिली ट्री शार्ट प्ले तथा डांसिंग व सिंगिंग के माध्यम से इसके महत्व पर प्रकाश डाला। कक्षा छठी से दसवीं के छात्र-छात्राओं-खुशी अमित अनुराग गुड़िया पलक दीपांश श्याम पायल यश व आराध्या आदि द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका को काफी सराहना मिली।

केंद्रीय ट्रेड यूनियन के आहूत 20 मई का हड़ताल अब होगी 9 जुलाई को

दुमका। अटल बिहारी वाजपेयी प्राइवेट बस स्टैंड में झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन कार्यालय में शुक्रवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन अध्यक्ष गजेंद्र कुमार ने किया। बैठक में पिछले 10 मई को संपन्न बैठक में केंद्रीय ट्रेड यूनियन के संयुक्त मंच के आवाहन पर चार श्रमिक समहिताओं को अविलंब रद्द करने सहित अन्य महत्वपूर्ण मांगों को लेकर 20 मई को आहूत देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए तय रणनीति होना था।

फर्जी ग्रामसभा कर पत्थर खदान लीज देने का मामला आया सामने, विरोध

खबर मन्त्र संवाददाता

शिकारीपाड़ा। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र में पत्थर खदान का फर्जी रूप से ग्राम सभा कर लीज देने का मामला सामने आया है। यह आरोप चंदनगड़िया के ग्रामीणों ने लगाया है। मामले में चंदनगड़िया के ग्रामीणों ने बताया कि चंदनगड़िया मौजा में फर्जी ग्राम सभा प्रस्तुत कर जमाबंदी रैयत एवं सोलह आना रैयत के बगैर सहमति व बिना जनसुनवाई कर यहां पत्थर खदान लीज दिया गया है। मामले में प्रशासन को लिखित शिकायत देने के बावजूद जांच-पड़ताल अब तक नहीं हो सकी है। इसी को लेकर चंदनगड़िया मौजा के ग्राम सभा सदस्य सह सोलह आना रैयतों ने एक ग्राम सभा सह जनसभा आयोजन कर जिला प्रशासन और भूमि माफिया के खिलाफ पुरजोर विरोध प्रदर्शन किया। जिसकी अध्यक्षता ग्राम सभा अध्यक्ष पानमुनी किस्कू ने की।

ससमय पूरी हो ग्रामीण नल-जल योजना, अन्यथा होगा आंदोलन: कुमार अमित

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने केन्द्र सरकार के जल जीवन मिशन के तहत चास प्रखंड में जारी ग्रामीण नल-जल योजना के कार्य प्रगति की जानकारी सोनाबाद कार्यस्थल पर पहुँच कर कार्यरत एजेंसी से ली। कुमार अमित ने इस कार्य की अत्यंत धीमी प्रगति पर असंतोष जताते हुए कहा कि जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर में नल से स्वच्छ जल पहुंचाने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारम्भ की गई। इस योजना में झारखंड सरकार की भी बराबर की भागीदारी है। इस योजना से चास प्रखंड में भी सभी पंचायतों के चालीस हजार परिवारों तक नल जल पहुँचाने के लिए दस स्थानों पर जल मिनार निर्माण और पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जाना है।

इस कार्य को कर रही एजेंसी ने कार्य धीमी होने का कारण राज्य सरकार द्वारा बिल का भुगतान नहीं होना बताया है। जबकि केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार को इस योजना हेतु फंड पूर्व में आवंटित कर दिया है। फंड की कमी के कारण चास प्रखंड में जारी इस योजना का अपने तय समय जून माह तक पुरा हो पाना असम्भव दिख रहा है जो कि चिंता का विषय है। कुमार अमित ने बताया कि राज्य सरकार की लापरवाही का दंश झेल रही इस महत्वपूर्ण जनाकांक्षी योजना को किसी हाल में विफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने योजना को समय से पूरा नहीं होने पर ग्रामीण जनता के साथ सड़क पर उतर राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन करने की बात कही।

भाजपा नेता ने इस योजना को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने और इसका लाभ चास प्रखंड के ग्रामीणों को दिलाने के लिए एजेंसी को हर संभव प्रयास व सहयोग करने की भी बात कही है। इस दौरान ग्रामीण करण गोराई धनन्जय कर रतन महतो कौशिक मुखर्जी लालबाबू काली मंडल हीरालाल विनय महतो हराधन गोप विवेक अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अधिवक्ता परिषद ने निकाली तिरंगा रैली

बोकारो। अधिवक्ता परिषद झारखंड की बोकारो जिला इकाई की ओर से तिरंगा रैली का आयोजन कर भारतीय सेना के अदम्य साहस- पराक्रम और राष्ट्रभक्ति को नमन किया गया। भारतीय सैन्य बलों द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादियों के विरुद्ध किए गए ऑपरेशन सिंदूर की अभूतपूर्व सफलता के उपरांत अधिवक्ताओं ने बार परिसर से बोकारो जिला व्यवहार न्यायालय होते हुए महिला अधिवक्ताओं की अगुवाई में तिरंगा यात्रा निकाली।

पुलिस लाईन में पदस्थापित हवालदार का आकस्मिक निधन

दुमका। पुलिस लाईन में पदस्थापित हवलदार हीरालाल सिंह का आकस्मिक निधन हो गया। जानकारी के अनुसार अहले सुबह हवलदार हीरालाल सिंह की तबीयत अचानक खराब हो गई। जिन्हें परिचारी प्रवर रमेश मंडल के निदेर्शानुसार प्राथमिक चिकित्सा के लिए पुलिस एसोसिएशन एवं सहयोगियों के मदद से सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां उन्हें चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हवलदार हीरालाल सिंह को शोक सलामी देते हुए पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए नम आँखों से विदाई दी।

एक नजर में

अपराध को अंजाम दे रहे पांच साईबर अपराधी गिरफ्तार, गये जेल

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। दुमका पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिला के तालझारी थाना पुलिस साईबर अपराध की योजना बना रहे पांच साईबर ठगों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

गिरफ्तार अपराधियों में थाना क्षेत्र के हेठतीनघरा गांव निवासी वरूण यादव, संजय यादव, विनय कुमार यादव, कुन्दन कुमार एवं बुढ़ीकुरूवा गांव निवासी पप्पु कुमार मंडल शामिल है। इसकी जानकारी प्रेसवार्ता कर एसपी पितांबर सिंह खेरवार ने दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर सफलता मिली है। सूचना मिला कि तालझारी थाना क्षेत्र हेठतीनघरा गांव स्थित पहाड़ के उत्तर तरफ पहाड़ के नीचे जंगल झाड़ी के बीच में साईबर ठगी की घटना को अंजाम दे रहे है। इस संबंध में पदाधिकारी के द्वारा आवश्यक कार्रवाई का निर्देश प्राप्त हुआ। जिसके आधार पर एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के पहाड़ के उत्तर तरफ पहाड़ के नीचे जंगल झाड़ी के बीच छापमारी करते हुए पांचों साईबर अपराधी को रंगे हाथ धर दबोचने में कामयाब हुई।

पेज एक का शेष

जगद्गुरु रामभद्राचार्य ज्ञानपीठ ...

पुरस्कार की गरिमा बनी रही है : द्रौपदी मुर्मु ने 1965 से विभिन्न भारतीय भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत करने के लिए भारतीय ज्ञानपीठ ट्रस्ट की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत करने की प्रक्रिया में भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार के चयनकर्ताओं ने सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों का चयन किया है और इस पुरस्कार की गरिमा को बनाये रखा है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी बहनों और बेटियों को इन महान महिला लेखकों से प्रेरणा लेकर साहित्य सृजन में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए और सामाजिक सोच को और अधिक संवेदनशील बनाना चाहिए।

खुशखबरी : मंईयां योजना ...

जिन लाभुक महिलाओं का अब तक आपका बैंक खाता आधार से लिंक नहीं है, तो जल्द से जल्द आधार सीडिंग करवा लें, वरना 5000 मिलने में देरी या रुकावट हो सकती है। इधर लाभुकों की स्क्रूटनी के बाद बड़ी संख्या में अपात्र लाभुकों को योजना से वंचित किया गया है। विभाग का कहना है कि यह कदम पारदर्शिता और वास्तविक लाभुकों तक सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सभी पात्र लाभुकों को ही मिले लाभ : सरकार का लक्ष्य है कि सभी पात्र महिलाओं तक समय पर लाभ पहुंचे और उनके खातों में बिना किसी परेशानी के राशि ट्रांसफर की जाये। विभाग ने जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वह आधार सीडिंग प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराये, ताकि कोई भी पात्र महिला योजना से वंचित नहीं रह सके। **किस जिले को कितनी राशि आवंटित :** गिरिडीह- 907.50 करोड़, रांची-823.50 करोड़, धनबाद-670.50 करोड़, बोकारो-639.00 करोड़, पलामू-559.50 करोड़।

अभी तो ट्रेलर...

उन्होंने कहा, पाकिस्तान अपने नागरिकों से एकत्र कर को जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन के प्रमुख मसूद अजहर को लगभग 14 करोड़ रुपये देने में खर्च करेगा, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी नामित किया है। उन्होंने कहा, नष्ट किये गये आतंकी ढांचे का पाकिस्तान ने फिर से निर्माण शुरू कर दिया है। उन्होंने आईएमएफ से इसे दी जाने वाली एक अरब डॉलर की सहायता पर पुनर्विचार करने और भविष्य में भी कोई सहायता न देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मेरा मानना ??है कि आज के समय में पाकिस्तान को किसी भी तरह की वित्तीय सहायता आतंकवाद के वित्तपोषण से कम नहीं है।

जड़ से खत्म करेंगे आतंकवाद : रक्षा मंत्री ने कहा कि हम आतंकवाद के हर स्वरूप को जड़ से खत्म कर देंगे। यह राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत का हिस्सा बन गया है । श्री सिंह ने कहा कि मौजूदा युद्धविराम का मतलब है कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई उसके व्यवहार के आधार पर स्थगित की है। उन्होंने कहा कि अगर उसके व्यवहार में सुधार होता है तो अच्छी बात है; लेकिन अगर कोई गड़बड़ी होती है तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

हम पूरे पाक में प्रहार में सक्षम : राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के लड़ाकू विमान सीमा पार किए बिना पाकिस्तान के हर कोने पर हमला करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, दुनिया ने देखा है कि कैसे भारतीय वायुसेना ने आतंकी शिविरों और बाद में पाकिस्तान के एयरबेसों को नष्ट कर दिया। भारतीय वायुसेना ने इस बात का प्रमाण दिया कि भारत की युद्ध नीति और तकनीक बदल गयी है। नये भारत का संदेश दिया कि हम सिर्फ विदेश से आयात किए गए हथियारों और प्लेटफार्मों पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि भारत में निर्मित उपकरण हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन गए हैं। भारत में निर्मित हथियार अभेद्य भी हैं। पाकिस्तान ने खुद ही 'ब्रह्मोस' मिसाइल की ताकत को स्वीकार कर लिया है।

वज्रपात से जख्मी ...

इसकी चपेट में आने से सीआरपीएफ 26 बीएन के सेकेंड (द्वितीय कमान अधिकारी) एम प्रोबो सिंह, सहायक समादेष्टा सुबीर कुमार मंडल, सअनि सुरेश भगत व सअनि चंदलाल हांसदा, जिलाबल गंभीर रूप से घायल हो गये। सबसे पहले अभियान में मौजूद डॉक्टरों ने ही घायलों का इलाज किया। उसके बाद सभी घायलों को जंगल से रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया । **अन्य जवानों की स्थिति स्थिर :** घायल सहायक समादेष्टा सुबीर कुमार मंडल एवं जवान सुरेश भगत, चंदलाल डांसद की स्थिति स्थिर है। अपस्ताल में उनका इलाज चल रहा है।

थरूर, ओवैसी समेत...

सत्तारूढ़ दल की ओर से पूर्व मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, ओड़िशा की भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी सत्ता पक्ष से इस डेलिगेशन का हिस्सा हो सकती हैं।

सांसदों के 8 ग्रुप अलग-अलग 8 देश जायेगा : पहले चरण में सांसदों के 8 ग्रुप बनाये जायेंगे। हर दलों के सांसदों के ये 8 ग्रुप, 8 अलग-अलग देशों का दौरा कर भारत का पक्ष रखेंगे और पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे। प्रतिनिधिमंडल या उनके सदस्यों की सही संख्या के बारे में कोई साफ जानकारी नहीं है। हालांकि कहा जा रहा है कि 30 से ज्यादा सांसद इस मुहिम का हिस्सा हो सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में जिन पार्टियों के सांसद शामिल होंगे, उनमें भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, एनसीपी (एसपी), जदयू, बीजद, सीपीआई (एम) और कुछ अन्य शामिल हैं। पहली टीम को 22-23 मई तक 10 दिनों के लिए रवाना होने के लिए मुस्तैद रहने को कहा गया है।

स्पीड न्यूज

कांस में जैकलीन ने बिखेरा जलवा

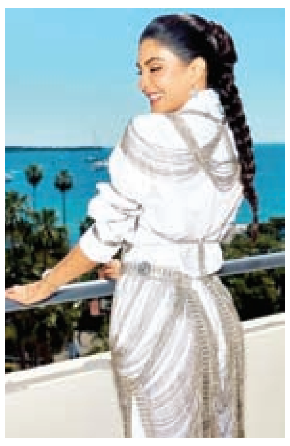

कांस। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस ने फ्रांस के रिवेरा शहर में चल रहे कांस फिल्म फेस्टिवल में जैकलीन फर्नांडिस ने अपना जलवा बिखेरा है। 78वें कान फिल्म फेस्टिवल के तीसरे दिन जैकलीन फर्नांडीज ने रेड सी फिल्म फाउंडेशन की वीमेन इन सिनेमा पहल के तहत आधिकारिक तौर पर भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार उपस्थिति दर्ज कराई।

जल्द मिलेंगे ट्रंप और पुतिन : सेबेस्टियन

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रशासन को उम्मीद है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच बहुत जल्द ही मुलाकात होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति के उप सहायक और आतंकवाद निरोध के वरिष्ठ निदेशक सेबेस्टियन गोर्का का ऐसा मानना है। उन्होंने कहा कि सौदे और समझौते तो होते ही रहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और पुतिन के मिलने का सही समय आ गया है। उन्होंने पॉलिटिको अखबार के तत्वाधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में यह घोषणा की।

पुतिन ने रूस के थल सेना प्रमुख को हटाया

मॉस्को। रूस के थल सेना प्रमुख जनरल ओलेग सल्युकोव को उनके पद से हटा दिया गया। द मॉस्को टाइम्स की खबर के अनुसार, ओलेग सल्युकोव रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पुराने सहयोगी हैं। उन्होंने ही उन्हें थल सेना प्रमुख के पद से हटाने का फैसला लिया। पुतिन का यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब रूस, यूक्रेन युद्ध और सैन्य रणनीति को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव में है। सल्युकोव 2014 से थल सेनाध्यक्ष थे। अब उन्हें रूसी सुरक्षा परिषद में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

तरनतारन में 85 किलो हेरोइन बरामद

तरनतारन। पंजाब में तरनतारन पुलिस ने ब्रिटेन स्थित ड्रग हैंडलर लल्ली द्वारा संचालित एक सीमा पार, आईएसआई-नियंत्रित-पाकिस्तान आधारित नार्को-तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और उसके भारत स्थित ऑपरेटिव, अमरजोत सिंह उर्फ जोता संधू, गांव भिट्ठेवाड़, अमृतसर ग्रामीण निवासी को गिरफ्तार कर उसके पास से 85 किलोग्राम हेरोइन बरामद की डीजीपी गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि अमरजोत सीमा पार के तस्करों से खेप प्राप्त कर रहा था व पूरे पंजाब में ड्रग्स की आपूर्ति कर रहा था।

गया शहर का नाम बदला, अब 'गया जी' से जाना जायेगा

खबर मन्त्र संवाददाता

कैबिनेट का फैसला

- सरकारी कर्मियों का डीए दो प्रतिशत बढ़ा
- ऑपरेशन सिंदूर के शहीद जवानों के परिवार को मिलेंगे 50 लाख
- सहकारिता विभाग में 333 लिपिकों की होगी बहाली
- सुशील मोदी की जन्म दिन राजकीय समारोह के रूप में मनाने की मंजूरी दी गयी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम मंत्रिमंडल की बैठक में मोक्ष और ज्ञान की भूमि गया का नाम बदलकर गया जी रख दिया गया है। आज की बैठक में कुल 69 एजेंडों पर मुहर लगी है। कैबिनेट ने बिहार सरकार के कर्मचारियों के लिए डीए 53 प्रतिशत से बढ़ाकर इसे 55 प्रतिशत कर दिया है। बिहार सरकार पर सप्तम केंद्रीय पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतन पेंशन प्राप्त कर रहे सरकारी सेवकों और पेंशन भोगियों को 53 प्रतिशत से 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) करने पर 1070 करोड़ रुपये का भार पड़ेगा। मंत्रिमंडल ने ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र सेना एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के शहीद कर्मियों के निकटतम आश्रितों को अनुग्रह अनुदान के रूप में 50 लाख रुपये देने की स्वीकृति दी गई है। पर्यटन मंत्रालय के स्वदेश दर्शन स्कीम 2.0 के अंतर्गत बौद्ध ध्यान एवं अनुभव केंद्र बोधगया के निर्माण के लिए 165 करोड़ 44 लाख 30000 रुपये की स्वीकृति दी गई। बिहार राज्य उड्डयन प्रशिक्षण संवर्ग भर्ती नियमावली 2025 के गठन की स्वीकृति दी गई। पटना उच्च न्यायालय में विभिन्न बहुमंजिलीय भवनों तथा प्रशासनिक एवं आईटी भवन ऑडिटोरियम एवं मल्टी लेवल कार पार्किंग और अन्य सुविधाओं के विकास के लिए 302 करोड़ 56 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

सहकारिता विभाग में लिपिक संवर्ग में 333 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। वित्त विभाग में बिहार वाहन चालक संवर्ग अंतर्गत वाहन चालक के 18 पदों के अस्थाई रूप से सृजन की स्वीकृति दी गई। पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. सुशील मोदी की जन्म तिथि 5 जनवरी को पटना में राजकीय समारोह के रूप में मनाने की स्वीकृति दी गई है।

सोनपुर को नगर परिषद और मदनपुर को नगर पंचायत का दर्जा : छपरा जिले के सोनपुर को नगर परिषद व औरंगाबाद के मदनपुर को नगर पंचायत का दर्जा दिया गया है।

जल-जीवन-हरियाली का विस्तार : बिहार सरकार ने जल-जीवन-हरियाली' कार्यक्रम की अवधि 2025 से बढ़ाकर 2029-30 तक कर दी है। इस पहल के तहत जल संरक्षण, पौधारोपण और हरियाली को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, दरभंगा जिले के लिए 186 करोड़ और औरंगाबाद के लिए 72 करोड़ की जलापूर्ति परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। बोधगया और सोनपुर में भी जल परियोजनाओं को मंजूरी मिली है।

900 पंचायतों में बनेगा भवन : 900 ग्राम पंचायतों में पंचायत सरकार भवन बनाए जाएंगे, जिससे ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी और ग्रामीण जनता को सुविधाएं नजदीक मिलेंगी।

तीन केंद्रीय विद्यालय खुलेंगे : राज्य के विभिन्न जिलों में केंद्रीय विद्यालय संगठन के नए विद्यालय खोले जाएंगे। वहीं, बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में भी शिक्षकों की नियुक्ति और तीन नए विद्यालय (भागलपुर, अररिया, गोपालगंज) खोलने की योजना स्वीकृत हुई है।

महिलाओं के लिए पटना समेत पांच जिलों में पिंक बस शुरू

- 6 से 25 रुपये है किराया
- सुरक्षा के लिए पैनिक बटन सीसीटीवी और हर सीट पर चार्जिंग पॉइंट की सुविधा

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना समेत राज्य के पांच जिलों में महिलाओं के लिए विशेष पिंक बस सेवा की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने पटना स्थित एक अणे मार्ग से पिंक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले चरण में कुल 20 मिनी पिंक बसें चलाई गई हैं।

इसमें पटना में 8, मुजफ्फरपुर में 4 तथा गया, भागलपुर, दरभंगा और पूर्णिया में 2-2 बसें शामिल हैं। दूसरे चरण में 80 और पिंक बसें सड़कों पर उतरेंगी। इसमें सफर करने का किराया 6 रुपये से 25 रुपये के बीच है। सुरक्षा के लिए पैनिक बटन, सीसीटीवी भी है जबकि हर सीट पर चार्जिंग पॉइंट की सुविधा है। परिवहन मंत्री शीला कुमारी ने बताया कि यह सेवा महिलाओं को एक सुरक्षित और भरोसेमंद यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ड्राइवर और कंडक्टर दोनों महिलाएं होंगी। बिहार राज्य सड़क परिवहन निगम को अब तक पर्याप्त महिला ड्राइवर नहीं मिल पाई हैं जिससे पहले चरण में संभावना है कि पुरुष चालक इन बसों को चलाएंगे। लेकिन भविष्य में महिला चालकों की नियुक्ति के बाद इसे पूरी तरह महिला-संचालित सेवा के रूप में विकसित किया जाएगा। पिंक बसें खासतौर पर महिलाओं के लिए डिजाइन की गई हैं। इनमें केवल महिला एवं छात्राएं ही सफर कर सकेंगी। ये बसें शहरों के प्रमुख मार्गों पर सिटी बस सेवा के रूप में चलेंगी और इनका संचालन प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक:शाह

तीनों सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल और सभी सुरक्षा एजेंसियों पर देश को गर्व : गृह मंत्री

एजेंसी

- नया मल्टी एजेंसी सेंटर देश को गंभीर खतरों से निपटने के लिए बनायेगा मजबूत

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में नए मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) का उद्घाटन किया। शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों की सटीक सूचनाओं और हमारी तीनों सेनाओं की अचूक मारक क्षमता का अनूठा प्रतीक है। भारत को अपनी तीनों सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल और सभी सुरक्षा एजेंसियों पर गर्व है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने हाल ही में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेंगुट्टालू हिल्स (केजीएच) में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों द्वारा चलाए गए ऐतिहासिक नक्सल विरोधी अभियानों के बारे में कहा कि नक्सलियों के खिलाफ ये ऐतिहासिक अभियान हमारे सुरक्षा बलों के बीच बेहतरीन समन्वय को प्रदर्शित करते हैं। इसी तरह का समन्वय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखने को मिला, जिससे पता चलता है कि हमारी खुफिया एजेंसियों तथा तीनों सशस्त्र बलों द्वारा कार्य को अंजाम देने की प्रक्रिया और सोच में काफी बेहतर समन्वय है। शाह ने कहा कि नया एमएसी आज के परिवेश में सामने आ रही जटिल और परस्पर जुड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सभी एजेंसियों के प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए एक सहज और एकीकृत मंच प्रदान करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह नया नेटवर्क आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और साइबर हमलों जैसे गंभीर खतरों से निपटने के लिए देश के प्रयासों को मजबूत करेगा। उन्होंने नए एमएसी नेटवर्क की सराहना की और रिकॉर्ड समय में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से संबंधित कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर संतोष व्यक्त किया।

इसमें एम्बेडेड एआई/एमएल तकनीक जैसी भविष्य की क्षमताओं को शामिल किया गया है ताकि एमएसी और जीआईएस सेवाओं के साथ विशाल डेटाबेस की क्षमता का दोहन किया जा सके। उन्होंने नए एमएसी के साथ उपलब्ध उन्नत डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाने के लिए विभिन्न साइलो में विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के पास मौजूद अन्य महत्वपूर्ण डेटाबेस को इस प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए भविष्य की रूपरेखा भी रखी। शाह ने कहा कि इस नए नेटवर्क से एमएसी नेटवर्क पर उत्पन्न डेटा एनालिटिक्स की गुणवत्ता को उच्च स्तर तक बढ़ाने की उम्मीद है, जिससे सटीक प्रवृत्ति विश्लेषण, हॉटस्पॉट मैपिंग और समयरेखा विश्लेषण से पूर्वानुमान और परिचालन परिणाम मिल सकेंगे। नया एमएसी संगठित अपराध के साथ जटिल संबंधों वाले आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र का मुकाबला करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

चिदंबरम भी जानते हैं कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है : गौरव भाटिया

नयी दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए पर कांग्रेस नेता पी चिदंबरम की टिप्पणी पर तंज किया है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी के करीबी सहयोगी भी जानते हैं कि कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है। दरअसल, चिदंबरम ने गुरुवार को विपक्षी गठबंधन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें यकीन नहीं है कि गठबंधन अभी भी बरकरार है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता की टिप्पणी पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि जब इंडी गठबंधन बना था, तो इसका सामान्य लक्ष्य सत्ता में आना था। इसके लिए भले ही उन्हें भारत विरोधी बनना पड़े, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गाली देनी पड़े या सशस्त्र बलों का मनोबल गिराना पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाताओं ने घमंडी गठबंधन को खारिज कर दिया है क्योंकि इसके नेता लोगों की सेवा करने के लिए नहीं बल्कि अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए एक साथ आए थे। भाटिया ने कहा कि अब चिदंबरम ने कहा है कि इंडी गठबंधन खत्म हो चुका है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि आईएनडीआईए पर कुश्ती-दोस्ती मॉडल है और यह गठबंधन केवल स्वार्थ के लिए बना है।

लश्कर तैयबा के 3 मददगार गिरफ्तार

- बडगाम-श्रीनगर में टारगेट किलिंग व सुरक्षाबलों पर हमले की साजिश विफल
- भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद

एजेंसी

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को बडगाम और श्रीनगर में टारगेट किलिंग व ग्रेनेड हमले के एक षडयंत्र को विफल बनाते हुए लश्कर-ए-तैयबा के तीन ओवरग्राउंड वर्करों को गिरफ्तार कर लिया। यह तीनों बीते पांच वर्ष से फरार लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर आबिद क्यूम लोन के लिए काम करते हैं। आबिद क्यूम के मौजूदा समय में पाकिस्तान में छिपे होने की सूचना है। आबिद क्यूम आतंकी बनने से पहले जम्मू स्थित एक इंजीनियरिंग कालेज का छात्र था। यहां मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को अपने तंत्र से पता चला था कि लश्कर-ए-तैयबा ने बडगाम और श्रीनगर में टारगेट किलिंग व सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड हमले का षडयंत्र रचा है। इस षडयंत्र को अंजाम देने के लिए हथियार लेकर आतंकियों के ओवरग्राउंड वर्कर बारामूला-श्रीनगर-बडगाम मार्ग पर एक जगह विशेष पर जमा होने वाले हैं। इसके आधार पर पुलिस ने सीआरपीएफ और सेना के जवानों के साथ मिलकर कुछ स्थानों पर विशेष नाके लगाए और नारबल मागाम के काजूसा नारबल में तीन ओवरग्राउंड वर्करों को पकड़ लिया। उनकी पहचान मुजम्मिल अहमद, इश्फाक पंडित (दोनों अगलर पट्टन बारामुला के निवासी) और मुनीर अहमद निवासी मीरीपोरा बीरवाह के रूप में हुई है। उनके कब्जे से एक पिस्तौल और एक हथगोला व अन्य साजो सामान बरामद किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह तीनों लश्कर ए तैयबा के आतंकी आबिद कयूम लोन, पुत्र अब्दुल कयूम लोन, निवासी वुसन पट्टन के लिए काम करते हैं। आबिद क्यूम 2020 में पाकिस्तान भाग गया था। वह पाकिस्तान में बैठकर पट्टन, बारामूला, बडगाम, सोपोर और श्रीनगर में अपने स्थानीय नेटवर्क की मदद से आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के साथ ही स्थानीय युवाओं को आतंकी संगठन में भर्ती होने के लिए तैयार कर रहा था। क्यूम आतंकी बनने से पहले जम्मू में इंजीनियरिंग कालेज का छात्र था।

कैट ने तुर्किये व अजरबैजान के उत्पादों का किया बहिष्कार

नयी दिल्ली। व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शुक्रवार को तुर्किये और अजरबैजान के साथ सभी कारोबारी और पर्यटन संबंधों को खत्म करने का ऐलान किया। कैट द्वारा राजधानी नई दिल्ली के होटल ललित में आयोजित राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में देशभर से आए 125 से अधिक शीर्ष व्यापारिक नेताओं ने सर्वसम्मति से दोनों देशों के साथ सभी कारोबारी और पर्यटन संबंधों को खत्म करने का संकल्प लिया। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि देश के 24 राज्यों से आए 125 से अधिक व्यापारी प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन में तुर्किये और अजरबैजान के साथ सभी कारोबारी और पर्यटन संबंधों को खत्म करने का निर्णय लिया है। खंडेलवाल ने बताया कि राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में देशभर से आए हुए 125 से ज्यादा शीर्ष व्यापारिक नेताओं ने सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया है कि भारत का व्यापारिक समुदाय तुर्किये और अजरबैजान के साथ हर प्रकार के व्यापार एवं व्यावसायिक संबंधों का पूर्ण बहिष्कार करेगा। व्यापारिक समुदाय ने भारतीय फिल्म उद्योग से भी अपील की है कि वे तुर्किये और अजरबैजान में किसी भी प्रकार की फिल्म की शूटिंग न करें।

बलूचिस्तान में नहीं घुस रही पाक सेना

एजेंसी

वाशिंगटन। बलूच अमेरिकी कांग्रेस के महासचिव रज्जाक बलूच ने एक साक्षात्कार में चौंकाने वाले दावे किए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान का 70 से 80 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तानी सेना के लिए निषिद्ध क्षेत्र बन गया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से भारत और अमेरिका से बलूच स्वतंत्रता आंदोलन का समर्थन करने की अपील की। रज्जाक ने कहा कि पाकिस्तानी सेना अंधेरे के बाद क्वेटा से बाहर भी नहीं निकल सकती। पाकिस्तान की अपनी विधानसभा के सदस्यों ने भी इस वास्तविकता को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि शाम पांच बजे से

भारत समर्थन करे तो घोषित कर देंगे आजादी : रज्जाक

क्वेटा में तैनात ब्लूच विद्रोही।

सुबह पांच बजे तक डर के मारे सेना सड़कें खाली कर देती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मारंग बलूच अब भी जेल में हैं और बलूचिस्तान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन जारी है। उन्होंने सरदार अख्तर मेंगल जैसे नेताओं के प्रयासों को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि चीनी और क्वेटा जैसे क्षेत्रों में पाकिस्तानी सेना के गढ़ों को खत्म करने के लिए विदेशी समर्थन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगर भारत बलूचिस्तान की आजादी का समर्थन करता है, तो बलूचिस्तान के दरवाजे भारत के लिए खुल जाएंगे। साथ ही कहा कि समर्थन में देरी करने से बर्बर सेना को बढ़ावा मिलेगा, जिसका असर सिर्फ बलूचिस्तान पर ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र पर पड़ेगा। उन्होंने लोकतांत्रिक देशों से बलूच प्रतिनिधियों की मेजबानी करने और संघर्ष को मान्यता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे पहले कि पाकिस्तानी सेना को बांग्लादेश की तरह खदेड़ा जाए।

पंजाब में बबर खालसा से जुड़े 15 स्थानों पर छापेमारी

नयी दिल्ली। एनआईए ने शुक्रवार को पंजाब के गुरदासपुर जिले में दिसंबर में हुए पुलिस थाने पर ग्रेनेड हमले के संबंध में बबर खालसा आतंकी समूह से जुड़े 15 स्थानों पर छापेमारी की। ये छापेमारी गुरदासपुर, बटाला, अमृतसर और कपूरथला में की गई। इस दौरान कई आपत्तिजनक सामग्री, मोबाइल और दस्तावेज जब्त किए गए। इन छापेमारी का लक्ष्य अमेरिका में स्थित बबर खालसा इंटरनेशनल ऑपरेटर और गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियन से जुड़े संदिग्धों को पकड़ना था। हैप्पी के सहयोगियों में शमशेर सिंह शेरा उर्फ हनी भी शामिल है।

हर कोई चाहता है, उसका नाम अखबारों में छपे

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ से जुड़ी नई याचिकाओं को किया खारिज

एजेंसी

20 मई को लंबित मामले पर सुनवाई करेगी पीठ

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कुछ नई याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि हर कोई चाहता है कि उसका नाम अखबारों में छपे। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि 20 मई को लंबित मामले पर फैसला करेगी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट मामले में अंतरिम राहत के मुद्दे पर सुनवाई करेगा। दरअसल, शुक्रवार को एक और नई याचिका सुनवाई के लिए कोर्ट में आई, जिसके बाद केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं का 'अंतहीन' दायर होना संभव नहीं है।

हालांकि, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्होंने 8 अप्रैल को याचिका दायर की थी और 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री द्वारा बताई गई खामियों को दूर कर दिया गया था, लेकिन उनकी याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया।

सीजेआई ने कहा कि हर कोई चाहता है कि उसका नाम अखबारों में आए। जब वकील ने पीठ से आग्रह किया कि उनकी याचिका को लंबित याचिकाओं के साथ

जोड़ा जाना चाहिए तो पीठ ने कहा कि हम इस मामले पर फैसला करेंगे। इसके बाद पीठ ने इसे खारिज कर दिया। जब इसी तरह की एक और याचिका सुनवाई के लिए आई तो पीठ ने खारिज किया। जब याचिकाकर्ता के वकील ने आग्रह किया कि उन्हें लंबित याचिकाओं में हस्तक्षेप करने की अनुमति दी जाए तो सीजेआई ने कहा कि हमारे पास पहले से ही बहुत सारे हस्तक्षेपकर्ता हैं। 17 अप्रैल को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने समक्ष कुल याचिकाओं में से केवल पांच पर सुनवाई करने का निर्णय लिया। अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाएं 15 मई को मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति मसीह की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आईं।

याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दे : पीठ ने कहा कि वह 20 मई को तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के लिए दलीलें सुनेगी, जिसमें अदालतों द्वारा वक्फ, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ या विलेख द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति शामिल है। याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाया गया दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित है, जहां उनका तर्क है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुसलमानों को ही काम करना चाहिए। तीसरा मुद्दा एक प्रावधान से संबंधित है, जिसमें कहा गया है कि जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करता है कि संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं, तो वक्फ संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा।

शेयर बाजार में तेजी पर ब्रेक, सेंसेक्स 200 व निफ्टी 42 अंक टूटा

मुंबई। एशियाई बाजारों की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, एसबीआई और इंफोसिस समेत चौदह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार पिछले लगातार दो दिनों की तेजी के बाद शुक्रवार को गिरकर बंद हुआ। सेंसेक्स 200.15 अंक का गोता लगाकर 82,330.59 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 42.30 अंक टूटकर 25019.80 अंक पर आ गया। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.85 प्रतिशत उछलकर 45,005.84 अंक और स्मॉलकैप 1.18 प्रतिशत की छलांग लगाकर 51,045.74 अंक पर पहुंच गया।